फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 353 प्रभात जयपुर, मंगलवार 25 जुलाई, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Breaching Ghengis Khan Line

The significance of this attack and breakthrough of the Ghengis Khan Line elsewhere is that it shattered German resistance in Italy.

Best Yoga Poses To Do Every Day

James Webb Telescope | Jaw-dropping shots & surprising facts

असम में ज़हर से मरे हजारों पक्षियों के एक वीडियो ने सोशल मीडिया को हिलाकर रख दिया। वन विभाग ने मृत पक्षियों के अवशेष जांच के लिए भिजवाए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, छब्बीस जून को बारपेटा जिले के जानिया गाँव में धान में विष मिलाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों, नागर अली और सागर अली की पहचान कर ली गई है। रिपोर्ट के अनुसार इनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। पक्षियों की सामूहिक मृत्यु पर लोगों का ध्यान तब गया जब एक पर्यावरणविद् ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया। मरने वाले पक्षी हैं ''स्पॉटेड डव'' (चित्तीदार फाख्ता), जो मूलतः एशिया, खासकर भारत में मिलते हैं और इस क्षेत्र में तो इनकी संख्या अच्छी खासी है। स्थानीय अलाभकारी संस्था, अरण्यक के सैक्रेटरी जनरल बिभब कुमार तालुकदार ने कहा, ''विष की वजह से इतने सारे पक्षियों का मरना एक दुखदायी घटना है। मैं लोगों से अपील करता हूं कि गांवों में निगरानी बढ़ाएं तथा लोगों में जागरुकता पैदा करें।'' वीडियो के अनुसार, पक्षियों को फसल खाने से रोकने के लिए विष डाला गया। तालुकदार ने कहा कि ''यहां इस मौसम की प्रमुख फसल चावल है और भोजन के लिए पक्षियों का खेतों में आना बेहद आम है। लेकिन इन्हें रोकने के लिए फसल पर विष डालना अतिवादी कदम है।'' उन्होंने कहा कि, ये पक्षी इकोसिस्टम में अहम् भूमिका निभाते हैं। कई प्रकार के कीटों और चूहों को खाकर ये फसलों को बचाते हैं। यही नहीं, कई पौधों के परागण और उनके रीजनरेशन में भी मदद करते हैं। खेतों में इन पक्षियों की मौजूदगी से ना केवल इकोसिस्टम संतुलित रहता है बल्कि इससे जैवविविधता को भी प्रोत्साहन मिलता है और फसल का भी बचाव होता है।

एक लाल डायरी ने हिला कर रख दिया है गहलोत सरकार को

डायरी किसके पास है और इसमें क्या है? ऐसे कई सवाल हैं, जिनका जवाब जयपुर से लेकर दिल्ली तक का मीडिया ढूंढ रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। ''लाल डायरी'' ने गहलोत सरकार को हिला कर रख दिया है।

यह डायरी किसके पास है तथा इसमें क्या है? जयपुर से लेकर दिल्ली तक के पूरे मीडिया-जगत को ऐसे ही बहुत सारे प्रश्नों के उत्तरों की प्रतीक्षा है।

इस समय राजस्थान के सबसे चर्चित व्यक्ति राजेन्द्र गुढ़ा द्वारा राजस्थान में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार एवं अशोक गहलोत के भ्रष्टाचार, जिसका विवरण कथित लाल डायरी है, का मुद्दे उठाये जाने के बाद, भाजपा ने इस मुद्दे को जबरदस्त तरीके से पकड़ लिया है।

भाजपा ने संसद में गहलोत एवं उनकी सरकार के खिलाफ तख्तियाँ लहराई तथा कहा कि अशोक गहलोत के शासन में राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सर्वाधिक संख्या वाला राज्य बन गया है।

- **चर्चा है कि, लाल डायरी में अशोक गहलोत के भ्रष्टाचार का विस्तृत ब्यौरा है।**
- **भाजपा सांसदों ने संसद में गहलोत व उनकी सरकार के खिलाफ तख्तियाँ लहराईं तथा आरोप लगाया कि, गहलोत के राज में राजस्थान की महिलाओं के खिलाफ सर्वाधिक अपराध हुए हैं।**
- **जब अशोक गहलोत ने अपमानजनक तरीके से गुढ़ा को मंत्री पद से हटाया तो, उन्हें समझना चाहिए था कि, इसका अंजाम क्या हो सकता है। इस चुनावी वर्ष में बेहतर होता उन्हें बुला कर शांत किया जाता।**

भाजपा ने यह भी पूछा कि राजस्थान में महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के मामले में प्रियंका गांधी खामोश क्यों है।

जहाँ भाजपा संसद में राजस्थान पर चर्चा कराना चाहती है, वहीं लाल डायरी के तथाकथित अस्तित्व के बाद, कांग्रेसजन बैकफुट पर आ गये हैं।

धर्मेन्द्र राठौड़ कथित रूप से गहलोत के ''बैग मैन'' हैं। जहाँ गहलोत अपनी सौदेबाजी के साक्ष्यों एवं प्रमाणों को छिपाने की कोशिश में हैं, वहीं सब लोग यह कयास लगा रहे हैं कि उस डायरी में क्या है।

जब अशोक गहलोत ने राजेन्द्र गुढ़ा को बड़े रूखे तरीखे से मंत्रिमण्डल से बर्खास्त किया था, उस समय उनको यह सोचना-समझना चाहिये था कि इसका अंजाम क्या हो सकता है। इस चुनावी वर्ष में, बेहतर विकल्प यह रहा होता कि मुख्यमंत्री उन्हें बुलाते तथा समझाबुझा कर उन्हें शांत एवं संतुष्ट करते।

लेकिन न तो इसके साथ ही गुढ़ा के आरोप समाप्त हो रहे हैं और गहलोत के भ्रष्टाचार की चर्चाएं, जिसे राज्य का मीडिया जोरदार तरीके से सामने नहीं ला रहा है।

''मिसिंग'' विदेश मंत्री और ''सीक्रेसी'' की सनक ने चीन की छवि को भारी नुकसान पहुंचाया

चीन के विदेश मंत्री चिन को 25 जून के बाद से किसी ने भी नहीं देखा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। बीजिंग अटकलों को नहीं रोक पाया है क्योंकि संदेहवादी लोग इन सरकारी बयानों पर संदेह कर रहे हैं कि कुछ अज्ञात स्वास्थ्य संबंधी तकलीफों के कारण देश के विदेश मंत्री चिन गांग लम्बे समय से सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं।

कूटनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि हाई प्रोफाइल विदेश मंत्री के नज़र नहीं आने को लेकर बरती जा रही गोपनीयता देश के राजनैतिक तंत्र से जुड़े संदेहों को और भी बढ़ा रहे हैं।

- **विदेश मंत्री कहां हैं, इस पर तो चीन ने कुछ नहीं कहा, पर इन अफवाहों को अवश्य बढ़ावा दिया कि, वे बीमारी के कारण सामने नहीं आ रहे हैं।**
- **चिन को आखिरी बार 25 जून को देखा गया था, तब वे रूस, वियतनाम व श्रीलंका के राजनयिकों से मिले थे।**
- **उसके बाद उनके जितने भी निर्धारित कार्यक्रम थे, उनमें से अधिकतर कार्यक्रम उनकी ''अनुपस्थिति'' बता कर रद्द कर दिए गए।**
- **विदेश मंत्री की गुमशुदगी को पश्चिमी जगत व विदेश नीति विशेषज्ञ अशुभ संकेत मान रहे हैं।**

चीनी कूटनीति के लिहाज से यह एक महत्वपूर्ण समय है। पिछले महीने में कई देशों के वर्तमान व भूतपूर्व नेताओं ने चीन के दौरे किये हैं लेकिन देश के विदेश मंत्री साफ तौर पर अनुपस्थित ही रहे हैं।

''साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट'' के अनुसार, क्विन, जो देश का चेहरा माने जाते हैं, 25 जून से ही लोगों की नजरों से दूर हैं तथा वे अति महत्वपूर्ण अवसरों, जैसे इंडोनेशिया में हुई विदेश मंत्रियों की रीजनल मीटिंग तथा वरिष्ठ अमेरिकन नेताओं द्वारा की गईं चीन यात्राओं आदि के दौरान भी अनुपस्थित ही रहे।

बीजिंग ने अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कहा कि वे कहाँ हैं। दिन पर दिन बढ़ते जा रहे संदेह एवं अटकलों के बावजूद, केवल इतना ही बताया जा रहा है कि वे किन्हीं अज्ञात ''स्वास्थ्य कारणों'' से गैर हाजिर हैं।

कूटनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि चिन, जिनका चयन सिर्फ सात माह पहले ही राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने किया था, की लंबे समय से चली आ रही अनुपस्थिति बहुत बड़ी परेशानी एवं लज्जा का विषय बनती जा रही प्रतीत हो रही है।

उन्होंने यह भी कहा है कि उनकी अनुपस्थिति से संबंधित गोपनीयता को बीजिंग द्वारा समाप्त न करने से चीन के अपारदर्शी निर्णयों के बारे में भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

युन सुन, जो वाशिंगटन के ''स्टिम्सन सेन्टर'' पर चीनी कार्यक्रमों के निदेशक हैं, ने कहा है कि बीजिंग का संक्षिप्त एवं रूखा जवाब विश्वास के योग्य नहीं है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, चिन अंतिम बार उस समय सबके सामने आये थे, जब 25 जून को वे रूस, वियतनाम

(शेष पृष्ठ 6 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

'स्पीकर के अयोग्यता नोटिस विवाद में तीन सप्ताह में जवाब दे केन्द्र सरकार'

जयपुर, 24 जुलाई (का.सं.)। विधानसभा स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी द्वारा पायलट गुट के 18 विधायकों को दिए गए नोटिस से सम्बंधित मामलों पर राजस्थान हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई। गौरतलब है कि स्पीकर ने सभी विधायकों को 7 दिनों में नोटिस का जवाब देने को कहा था कि उन्हें विधानसभा की सदस्यता के अयोग्य क्यों ना घोषित किया जाए? विधायकों ने इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी जिस पर हाईकोर्ट ने नोटिस पर अंतरिम रोक लगा दी। इस रोक के खिलाफ स्पीकर ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी जो अभी भी लम्बित है। जैसा कि विदित है कि वर्तमान मामले में स्पीकर द्वारा विधायकों को नोटिस दिए जाने से सम्बंधित प्रक्रिया के कानून

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने सचिन पायलट गुट के विधायकों के मामले में स्पीकर के अयोग्यता नोटिस विवाद में केन्द्र सरकार द्वारा तीन साल में भी जवाब नहीं देने पर आश्चर्य जताया और पुनः नोटिस जारी किया।**

(शेष पृष्ठ 6 पर)

एन.डी.ए. के घटक दलों से ''क्लस्टर'' मीटिंग करेंगे प्र.मंत्री मोदी

मीटिंग्स की शुरूआत 31 जुलाई से होगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। विपक्ष के एकता प्रयासों का मुकाबला करने के लिए भाजपा ने 18 जुलाई को एन.डी.ए. की समानांतर बैठक बुलाई और अब भाजपा अगले स्तर पर पहुंच गई है जहां पार्टी एन.डी.ए. सांसदों से ''क्लस्टर मीटिंग्स'' बैठक करेगी। इन बैठकों के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ रात्रिभोज होगा।

आमतौर पर गठबंधन धर्म का पालन न करने का आरोप झेलती भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इस छवि को धोना चाहती है।

समूहों की बैठकें 31 जुलाई से आरंभ होगी जब उत्तर प्रदेश (ब्रज-कानपुर-बुंदेलखंड), पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा के सांसदों को प्रधानमंत्री के साथ बैठक के लिए बुलाया गया है। पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और केन्द्रिय मंत्री नितिन गडकरी पहली बैठक में मौजूद रहेंगे, जबकि दूसरी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह होंगे।

दूसरी बैठक 2 अगस्त को होगी जब उत्तर प्रदेश में काशी-गोरखपुर और अवध के सांसदों को तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप के सांसदों को बुलाया गया है। केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, महेन्द्रनाथ पांडे, प्रहलाद जोशी और वी. मुरलीधरन को इन बैठकों की मेजबानी सौंपी गई है।

बिहार, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सांसद 3 अगस्त को प्रधानमंत्री से मिलेंगे। राजस्थान, महाराष्ट्र और गोवा के सांसद 8 अगस्त को मिलेंगे। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात-दादरा-नगर हवेली और दमण-दीव के सांसदों को 9 अगस्त को बुलाया गया है। उत्तर पूर्व में भाजपा और एन.डी.ए. के भागीदारों की बैठक की तिथि तय नहीं हुई है।

- **ये मीटिंग 9 अगस्त तक चलेंगी। हर दिन अलग-अलग राज्यों के सांसदों के साथ प्रधानमंत्री मोदी मुलाकात करेंगे। इस दौरान प्रमुख केन्द्रीय मंत्री भी उपस्थित रहेंगे।**
- **मीटिंग्स के समापन पर प्रधानमंत्री मोदी सहयोगी दलों के सभी सांसदों को स्नेह भोज देंगे।**

नए वकीलों को स्टाइपैंड देने से सरकार का इन्कार

जयपुर, 24 जुलाई (का.सं.)। प्रदेश में वकीलों के वेलफेयर फंड में अंशदान नहीं देने और नए वकीलों को स्टाइपैंड देने की मांग से जुड़े मामले में राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में जवाब पेश कर युवा वकीलों को स्टाइपैंड देने पर अपनी असहमति जताई है। एडिशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) आर.पी. सिंह की ओर से पेश जवाब में, विधि विभाग के विशिष्ठ शासन सचिव के पत्र का हवाला देते हुए कहा गया कि, वकीलों को स्टाइपैंड देने के संबंध में वित्त विभाग से सहमति मांगी गई थी, लेकिन वित्त विभाग का कहना है कि मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश व गुजरात में वकीलों को स्टाइपैंड देने का प्रावधान नहीं है, इसलिए यहां पर भी वकीलों को स्टाइपैंड नहीं दे सकते।

- **राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि, पड़ौसी राज्यों, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में वकीलों को स्टाईपैंड नहीं मिलता है, हम भी नहीं देंगे।**

ज्ञातव्य है कि, जन घोषणा पत्र 2019-20 के अनुसार अधिवक्ता समुदाय के प्रतिनिधियों से बात करके एडवोकेट्स पेंशन, इंश्योरेंस व स्टाइपैंड के संबंध में राज्य सरकार को बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान जोधपुर से भी कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। अदालत ने राज्य सरकार के जवाब पर प्रार्थी को एक सप्ताह में जवाब देने का मौका देते हुए मामले की सुनवाई एक अगस्त के लिए तय की है। चीफ जस्टिस ए.जी. मसीह व जस्टिस समीर जैन की

(शेष पृष्ठ 6 पर)

कर्नाटक हाई कोर्ट के छः जजों को जान से मारने की धमकी

बैंगलुरु, 24 जुलाई। कर्नाटक हाईकोर्ट के छह जजों को जान से मारने की धमकी दी गई है। दुबई गैंग की तरफ से भेजे गए मैसेज में कहा गया है कि उनकी जान बचने की केवल एक ही सूरत है कि पाकिस्तान के बैंक में 50 लाख रुपये तुरंत जमा करा दिए जाए। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

- **दुबई गैंग की तरफ से भेजे गए वॉट्सऐप मैसेज में कहा गया है कि, जजों की जान बचने की केवल एक ही सूरत है कि, पाकिस्तान के केन्द्रीय बैंक में 50 लाख रुपये तुरंत जमा करा दिए जायें।**

हाईकोर्ट के पब्लिक रिलेशन ऑफिसर के मुरलीधर की शिकायत पर बेंगलुरु की साइबर क्राइम पुलिस ने दर्ज

(शेष पृष्ठ 6 पर)

सरकार सभी राज्यों में अपराधों पर बहस चाहती है केवल मणिपुर पर नहीं

विपक्ष केवल मणिपुर में हिंसा व अपराध पर बहस चाहता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। विपक्षी गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए. अर्थात ''इंडिया'' और सत्तारूढ़ एन.डी.ए. के बीच उस बात की लड़ाई गहरा रही ह कि लोगों के दिमाग पर कौन ज्यादा गहरा और स्थायी प्रभाव डालता है। आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों पर विपक्ष और सरकार के बीच हुई तीखी बहस के बीय संसद के दोनों सदन स्थगित हो गए।

अगले साल आम चुनाव के मैदान में उतरने से पहले दोनों गठबंधन संसद में जोर आजमाइश कर रहे हैं। सत्ता पक्ष पूरी ताकत लगा रहा है कि नवगठित इंडिया गठबंधन को अपने अनुसार मोड़ ले जबकि विपक्षी गठबंधन इस पर मजबूती से कायम है कि वह मणिपुर की स्थिति पर चर्चा का अपना उद्देश्य पूरा करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वक्तव्य दिलवाएगा।

एन.डी.ए. प्रधानमंत्री को ऐसे प्रहारों से बचाना चाहता है जिनसे उनके पहले से धूमिल छवि और बिगड़े जबकि इंडिया उनकी छवि को जनता के सामने लाने के लिए कटिबद्ध है। दुविधा को सुलझाने में असफलता के कारण संसद में दोनों पक्षों के बीच गतिरोध उत्पन्न हुआ है।

- **इस चाहत की दुविधा में फंसी संसद तथा कार्यवाही दिन भर स्थगित रही।**
- **विपक्ष का आरोप है कि, एन.डी.ए. नॉर्थ ईस्ट में हिंसा को ''डिफ्यूज़'' (हल्का) करना चाहती है, सभी गैर भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार से जोड़ कर देखने के प्रयास से।**
- **विपक्ष ने रूल 276 के तहत मामला उठाया संसद में, जिसके अंतर्गत सभी अन्य मामलों पर बहस सस्पैंड करके मणिपुर की स्थिति पर बहस करना चाहता है विपक्ष।**
- **एन.डी.ए. के सांसदों ने धारा 176 के तहत बहस की मांग रखी है, जिसके अंतर्गत अल्पकालीन बहस ही संभव है।**
- **विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में मणिपुर पर बहस के लिए 27 स्थगन प्रस्ताव रखे, वहीं एन.डी.ए. के सांसदों ने मणिपुर के साथ विपक्ष शासित राज्यों, राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, केरल में महिलाओं के खिलाफ अपराध पर चर्चा कराने के लिये 11 नोटिस दिए।**

विपक्षी पार्टियों में इंडिया के झंडे तले संयुक्त विरोध करने के बाद राज्यसभा में मणिपुर हिंसा पर चर्चा के लिए 27 स्थगन प्रस्ताव दिए। एन.डी.ए. के सांसदों के 11 नोटिस देकर मांग की कि विपक्ष शासित राज्यों में महिलाओं के विरूद्ध अपराधों पर चर्चा की जाए- राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और केरल तथा मणिपुर हिंसा पर भी चर्चा की जाए।

इंडिया स्पष्ट रूप से मणिपुर की स्थिति पर अलग से चर्चा करना चाहता है क्योंकि राज्य में 3 मई से जातीय हिंसा जारी है। एन.डी.ए. इस उत्तर पूर्वी राज्य के मामले को हलका करने के लिए विपक्ष शासित राज्यों में महिलाओं के विरूद्ध अपराधों पर चर्चा करना चाहता है।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

विचार बिन्दु

ठोकरें केवल धूल ही उड़ाती हैं, फसलें नहीं उगाती। –टैगोर

मणिपुर की घटना शर्मनाक और उस पर हो रही राजनीति भी शर्मनाक

मणिपुर में जिस प्रकार से सेंकडों लोगों की भीड़ ने आदिवासियों की महिलाओं को पुलिस से छुड़ा कर, निर्वस्त्र कर उनकी परेड एवं उनकी देह के साथ दरिंदगी की, उससे पूरा देश शर्मसार हुआ है। इससे पूरी दुनिया में भारत की छवि को धक्का लगा है। यह घटना तो 4 मई 2023 की है किंतु इसका वीडियो अभी हाल ही में वाइरल हुआ है। वीडियो में जिस प्रकार की हैवानियत महिलाओं के शरीर के साथ की गई, उससे मानवता भी शर्मसार हुई है। हमारी प्राचीन एवं समृद्ध सभ्यता जिस पर हम गर्व करते रहे हैं वह भी कलंकित हुई है। जहां नारी की पूजा की बात शास्त्रों में की गई है वहां नारी के साथ इस तरह सार्वजनिक अभद्रता अकल्पनीय है।

मैती समुदाय को अनुसूचित जाति में सम्मिलित कराने हेतु गौहाटी उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध 3 मई को एक विशाल मार्च, नागा कुकी आदिवासियों द्वारा आयोजित किया गया। उपरोक्त घटना 4 मई को हुई जिसकी एफ आई आर 18 मई को दर्ज हुई। इस वीडियो के वायरल होने तक राज्य सरकार ने किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की। इन्टरनेट बंद होने के कारण इसके बारे में देश को जानकारी नहीं हुई किन्तु यह असंभव है कि राज्य सरकार एवं भारत सरकार के गृह मंत्री और प्रधानमंत्री को इसकी जानकारी ना हो। पूरी जानकारी होने के बावजूद भी राज्य सरकार, जिस पर महिलाओं की इज्जत की रक्षा करने की जिम्मेदारी है, वही यदि महिलाओं की इज्जत को तार-तार करने में अप्रत्यक्ष रूप से भागीदार हो जाए तो इससे अधिक शर्म की बात किसी भी देश के लिए नहीं हो सकती ।

प्रधानमंत्री जो हर छोटी बड़ी बात पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर देश को संबोधित करते रहे हैं, ने भी मणिपुर की हिंसा, जिसमें 150 के लगभग जाने जा चुकी है, उसके बारे में 78 दिन तक एक शब्द नहीं बोले। प्रधानमंत्री का पहला वक्तव्य मणिपुर पर तब आया, जब माननीय उच्च न्यायालय ने इस प्रकरण का संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि यदि एक सप्ताह में सरकारों ने कुछ कार्यवाही नहीं की तो उच्चतम न्यायालय स्वयं कुछ कार्रवाई करने हेतु बाध्य होगा। प्रधानमंत्री ने इस घटना पर 78 दिन बाद क्रोध एवं शोक व्यक्त किया, किंतु ऐसा करते समय उन्होंने राजस्थान, छत्तीसगढ़ की घटनाओं को भी मणिपुर से जोड़ते हुए एक प्रकार से इस घटना की गंभीरता को हल्का ही करने का प्रयास किया है। साथ ही इस घड़ी में भी इस विषय पर राजनीति करने से नहीं चूके । मुख्य न्यायाधीश ने स्वत: संज्ञान लेते हुए यह कहा कि इस प्रकार की स्थिति अस्वीकार्य है। जब से उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इस घटना का संज्ञान लिया है, भाजपा की ट्रॉल सेना ने मुख्य न्यायाधीश के अपशब्दों के प्रति की झड़ी लगा दी है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री का बयान तो अत्यंत दुखद और आश्चर्यजनक है । उन्होंने कहा कि यहां तो सैंकड़ों ऐसी घटनाएँ हुई हैं, एक घटना के पीछे क्यों पड़े हैं? मणिपुर के राज्यपाल ने सार्वजनिक वक्तव्य में यह कहा कि मणिपुर में स्थिति बेकाबू होने की जानकारी उन्होंने समय पर ऊपर तक, अर्थात गृह मंत्रालय एवं प्रधानमंत्री तक, पहुंचा दी थी। इस घटना को दबाए रखना एवं इस पर कोई कार्यवाही ना करना राज्य द्वारा इस घटना के प्रति मौन सहमति ही माना जाएगा।

इसके बावजूद भी अभी तक राज्य सरकार को बर्खास्त नहीं किया गया है । मणिपुर में इस समय जो स्थितियां हैं वह गृह युद्ध की तरह हैं। जहां राज्य के पुलिस भी हिंसा में एक पक्ष के रूप में कार्य कर रही है। यदि ऐसा नहीं होता तो जिस प्रकार महिलाओं को पुलिस के कब्जे से छुड़ा लिया गया और पुलिस द्वारा उन्हें बचाने के लिए बल प्रयोग तक न करना क्या कहा जाएगा? यह कैसी विडंबना है कि ऐसी जघन्य घटना की अन्य घटनाओं से तुलना कर इसे हल्का किया जा रहा है। कई लोग तो इसका औचित्य ढूंढने का प्रयास भी कर रहे हैं। दलों की राजनीति अपनी जगह है किंतु क्या महिलाओं की इज्जत राजनीति के बलि चढ़ा दी जाएगी? अपराध अन्य राज्यों में भी हुए, हैं किंतु राज्य की पुलिस के समक्ष सैकड़ों लोगों के सामने इस प्रकार का वीभत्स व्यावहार महिलाओं के साथ किया जाए, वह अक्षम्य है।

प्रधानमंत्री जी कई बार यह कह चुके हैं कि उनके लिए सर्वोपरि राष्ट्र है उसके बाद दल एवं उसके बाद व्यक्ति। इस प्रकार की आदर्श बात करने वाले प्रधानमंत्री द्वारा केवल दलगत राजनीति के कारण कुछ ठोस कार्यवाही न करना विडंबना ही कहा जाएगा। जिस समय मणिपुर जातिगत हिंसा की आग में झुलस रहा था, प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा करने और मणिपुर के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करने के स्थान पर अपने लिए फ्रांस में सम्मान प्राप्त करना और अमेरिका में अप्रवासी भारतीयों के समारोहों में सम्मिलित होना अधिक उपयुक्त माना।

मणिपुर के मुख्यमंत्री का बयान तो अत्यंत दुखद और आश्चर्यजनक है । उन्होंने कहा कि यहां तो सैंकड़ों ऐसी घटनाएँ हुई हैं, एक घटना के पीछे क्यों पड़े हैं? मणिपुर के राज्यपाल ने सार्वजनिक वक्तव्य में यह कहा कि मणिपुर में स्थिति बेकाबू होने की जानकारी उन्होंने समय पर ऊपर तक, अर्थात गृह मंत्रालय एवं प्रधानमंत्री तक, पहुंचा दी थी।

भारतीय जनता पार्टी की ट्रॉलआर्मी निरंतर सोशल मीडिया के माध्यम से यह बताने का प्रयास कर रही है कि कैसे मणिपुर में ईसाइयों का प्रभुत्व बढ़ता जा रहा है एवं हिंदुओं की स्थिति कमजोर होती जा रही है। क्या इस प्रकार से महिलाओं को बेइज्जत करके ईसाइयों की बढ़ती आबादी का दुष्परिणाम कुछ महिलाओं को भोगना पड़ेगा? वे अपने सोशल मीडिया की पोस्ट के माध्यम से इस आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा बता रहे हैं। यह समय ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में जाने का नहीं है । अभी तो इस प्रदेश की महिलाओं की गरिमा का प्रश्न है। ऐसी सरकार को शासन में रहने का हक नहीं है जो इस प्रकार की घटनाओं का औचित्य ढूंढने का प्रयास करें ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी सार्वजनिक रूप से कई बार गरीब आदिवासी जनता के प्रताड़ित होने की बात करती रहे हैं और इस बारे में उन्होंने उच्चतम न्यायालय तक को आगाह किया है। इस घटना के सम्बन्ध में उनका मौन समझ से परे है।

एक और जहां भारत को विश्व गुरु बताने और बनाने की बात की जा रही है, वहीं इस प्रकार की घटनाएं हमें शर्मिंदगी से भर देती हैं। इक्का दुक्का घटना कहीं पर होना अलग बात है। उनमें लिप्त अपराधियों को कार्रवाई करके सजा दी जा सकती है, किंतु इस प्रकार की सार्वजनिक रूप से होने वाली घटना का संज्ञान भी सरकारों द्वारा 2 माह तक नहीं लिया जाना किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। उन आदिवासी पिता और पुत्र पर क्या बीती होगी जिन्हें अपनी बेटी और बहन की इज़्ज़त बचाने के प्रयास के कारण भीड़ ने पुलिस के समक्ष गोली मार दी।

3 मई से चल रही विभिन्न हिंसक घटनाओं में पुलिस से विभिन्न प्रकार के हथियार छीन लिए गए हैं। इन्हीं हथियारों का उपयोग एक दूसरे समुदाय के विरुद्ध किया जा रहा है। इस प्रकार के चुने गए हथियारों में, न केवल राइफल एवं अन्य हथियार हैं अपितु एल एम जी तक हैं। इन्हें ज़ब्त करने का अभियान अभी तक नहीं चलाया गया है।

यह सही है कि मैती और कुकी आदिवासियों में विवाद और संघर्ष बहुत पुराना है । राज्य प्रशासन में लोग दोनों समुदाय से हैं किन्तु वर्चस्व मैती लोगों का है। प्रशासन चाहे वह भारत सरकार का हो अथवा राज्य सरकार का, उनमें कार्यरत अधिकारी किसी भी जाति या धर्म के क्यों ना हो, उनका प्रथम दायित्व संविधान के प्रति ही होना चाहिए । उनका कर्तव्य है कि वह सभी नागरिकों को समान दृष्टि से देखते हुए उनकी गरिमा की रक्षा करें। आदिवासी महिलाओं के साथ जो हुआ वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है किन्तु वह पुलिस की उपस्थिति में हुआ, उससे अधिकारियों की मिलीभगत का संदेह तो होता ही है। इन अधिकारियों ने अपना कर्तव्य नहीं निभाने के साथ ही इंसानियत भी ताक पर रख दी ।जिस जाति या धर्म के अधिकारी प्रशासन में अधिक होंगे क्या वे केवल अन्य जाति और धर्म के लोगों का दमन करने का ही कार्य करेंगे ? जर्मनी में हिटलर की नाजी सेना ने यहूदियों के साथ कुछ इसी तरह का व्यवहार किया था जैसा कुकीज आदिवासियों के साथ हुआ। जब जनता के एक वर्ग के प्रति दुर्व्यवहार और प्रताड़ना को प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से राजकीय संरक्षण प्राप्त हो जाए तो स्थिति किसी भी हद तक गिर सकती है, हमने मणिपुर के प्रकरण में देखा है।

अब जबकि उच्चतम न्यायालय ने इसका संज्ञान लिया है तो यह अपेक्षा की जा सकती है न्यायालय, इंटेलिजेंस ब्यूरो और राज्य के इंटेलिजेंस विभाग से पूरी घटनाओं की पृष्ठभूमि की जानकारी लेगा और इसके लिए जिम्मेदार पाए गए अधिकारियों को तत्काल पद से मुक्त करने के लिए निर्देश जारी करेगा। साथ ही ऐसे अक्षम मुख्यमंत्री को तत्काल बर्खास्त करने के निर्देश भी जारी किए जाएंगे। यदि उच्चतम न्यायालय ने भी कोई प्रभावी कार्यवाई नहीं की तो जनता का भरोसा जो उच्चतम न्यायालय में बना हुआ है, वह ध्वस्त हो जाएगा ।

भारत सरकार मणिपुर के निवासियों की वास्तव में चिंता करती है और उनकी समस्याओं को सुलझाने के प्रति संवेदनशील है, इसका प्रमाण तो आने वाले भारत सरकार के कदमों से ही तय होगा। यदि कुछ नहीं किया गया और उच्चतम न्यायालय भी सरकार को समुचित कार्यवाही करने हेतु बाध्य नहीं कर पाया तो फिर मणिपुर तथा अन्य पूर्वोत्तर राज्यों की स्थिति क्या होगी, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। हम नागरिक के रूप में इस समय मणिपुर के निवासियों के साथ अपनी पूरी एकजुटता प्रदर्शित करते हुए सरकार से यही मांग करते हैं कि वह अब तक हुए अन्याय को दूर करने के लिए अत्यंत कठोर कदम उठाए जिससे सभी समुदाय के लोगों में विश्वास बने। जिन राजनेताओं द्वारा मणिपुर की हिंसा की तुलना अन्य राज्यों की घटनाओं से की जा रही है वह दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि मणिपुर में लगभग 3 माह से हत्या, बलात्कार आदि की घटनाएं जारी हैं जैसा कि स्वयं मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल तक ने स्वीकार किया है।

भाजपा के इस कथन में सच्चाई हो सकती है कि वीडियो को संसद सत्र के प्रारंभ होने के साथ ही वाईरल करना राजनीति से प्रेरित है। केंद्र सरकार ट्विटर पर कार्रवाई करने की बात कर रही है। यह तो वैसा ही है जैसे संदेश लाने वाले के विरुद्ध कार्रवाई की जाए, किंतु जिस व्यक्ति ने अत्याचार किया है उस पर कोई कार्यवाही ना हो।

आइए, हम सब मिलकर मणिपुर वासियों के प्रति संवेदना के साथ इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े रहें और उन्हें न्याय दिलाने हेतु दबाव बनाएं, जैसा कि निर्भया कांड के समय हुआ था जब पूरा देश एक साथ उठ खड़ा हुआ था। महिलाओं के साथ इस प्रकार की वीभत्स घटनाओं पर भी नागरिकों का खून नहीं खोलता है तो फिर उनकी रगों में शायद खून नहीं पानी है। केंद्र सरकार से यह भी अपेक्षा है कि बिना तकनीकि कारणों में उलझे, राजनीति से ऊपर उठकर इस पर संसद में तत्काल चर्चा कराए ताकि संसद के सदस्यों की एक आवाज मणिपुर तक पहुंचे कि पूरा देश मणिपुर के लोगों के साथ है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

मतदाता उपभोक्ता नहीं, वह सत्ता में बराबर का भागीदार है

राजेन्द्र जोशी

वैसे तो भारत में वर्ष भर चुनावी मौसम बना रहता है। परन्तु विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाता उपभोक्ता का स्थान ले लेते हैं । सरकारें उपभोक्ताओं को बड़े- बड़े वादे करने लगती है और विपक्षी पार्टियां सत्ता में आने के लिए वर्तमान सत्ता पर चुनाव घोषणा पत्र के अनुसार काम नहीं करने का आरोप लगाकर खुद सत्ता में आने का भरसक कोशिश करती है।

जिस प्रकार कम्पनियाँ उपभोक्ताओं को लालच देती है, नीचे छोटे अक्षरों में लिखा होता है शर्तें लागू। उसी प्रकार राजनैतिक पार्टियां भीतर छुपा हुआ एजेंडा भी रखती है। कंपनियां अपने उपभोक्ताओं को जीवन भर लाभ देने का काम नहीं करती बल्कि वह किसी एक प्रोडक्ट पर उस माल की उपलब्धता तक लालच देती है। ठीक उसी प्रकार राजनीतिक पार्टियां कभी कहती है कि लोन माफ कर देंगे, कभी कहती है कि लाडली को स्वाभिमान राशि देंगे, कभी कहती है कि एक साल के लिए चिरंजीवी योजना में शामिल करेंगे। परंतु सरकारें यह भरोसा नहीं देती कि यह योजना स्थाई रहेगी।

राजनैतिक दल चुनाव घोषणा-पत्र में पेट्रोल डीजल के दाम घटानें, यह वादा नहीं करती कि किसी भी कीमत पर सरकार दाम बढ़ने नहीं देगी। जरूरी दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुओं की राशि स्थाई रूप से कम की जाएगी, यह किसी भी पार्टी में लाभ देने की योजना में शामिल नहीं होता। जिस प्रकार उपभोक्ताओं को बड़े लालच दिए जाते हैं, उसी प्रकार राजनैतिक पार्टियां बड़े वादे करके सत्ता के लिए लालायित हैं। जरूरत इस बात की है की आम आवाम को उपभोक्ता ना बनाया जाए, बाजार की वस्तु ना समझा जाए।

मतदाता ही स्थाई है उसको मतदाता के रूप में समझा जाना चाहिए। यहां यह बात विचारणीय है की राजनैतिक पार्टियां अलग-अलग विधानसभा एवं अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग वादे करती है। राष्ट्रीय पार्टियों को चाहिए भारत में क्षेत्रीय उपभोक्ता नहीं बल्कि भारतीय मतदाता समझते हुए समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। जरूरी यह भी है कि जिस तरह राजनैतिक पार्टियां जिताऊ उम्मीदवार के लिए सर्वे करवाती है उसी प्रकार चुनाव घोषणा पत्र बनाने से पूर्व घर-घर आवश्यकताओं की जानकारी की जानी चाहिए।

उपभोक्ता की भांति उससे भी अधिक बढ़-चढ़कर ढेरों उपहार देने का वादा राजनैतिक दल कर बैठते है। लोकतंत्र में सता का चरित्र अब एक जैसा होने लगा है। इन दिनो राजस्थान-छतीसगढ-मध्य प्रदेश में दैनिक समाचार पत्रों के फ्रंट पेज पर रोज खातों में राशि डालने सहित अनेक लोक-लुभावन लालच देकर चुनावी शंखनाद हो चुका है। राजनीतिक पार्टियां अपने कार्यकर्ताओं को यह भरोसा दिला रही है कि हम सितंबर तक उम्मीदवारों के नाम तय कर देंगे, एक भी राजनैतिक दल यह बताने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही कि हम चुनाव घोषणा पत्र अगस्त-सितंबर सितंबर में जारी कर देंगे, जिस तरह लोकलुभावन घोषणाएं समाचार पत्रों में की जा रही है, राजनीतिक दलों को चाहिए कि वह अपने घोषणा पत्र भी चार माह पूर्व इसी प्रकार समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाएं। मतदाताओं को बाजारू वस्तु समझते हुए उपभोक्ता ना बनाया जाए, उसे मतदाता ही रहने दिया जाए। मतदाता सत्ता में बराबर भागीदार है।

लेखक हिन्दी-राजस्थानी भाषा के वरिष्ठ साहित्यकार है।

–राजेन्द्र जोशी,
कवि-कथाकार

बी.पी.एल. परिवार के तीन बच्चों को एक बार भी नहीं मिली छात्रवृत्ति

चूरू, (कासं)। निकटवर्ती गांव रिड़खला के एक बीपीएल परिवार के तीन बच्चों में से आज तक एक को भी छात्रवृति नहीं मिली है। जबकि उनके हर वर्ष आवेदन पत्र भी भरे जाते हैं। आज यहां रीको कार्यालय के पास स्थित ग्रामीण बैंक में अपनी पुत्री सुनिता का खाता खुलवाने के लिए आई मैना देवी पत्नी महेन्द्र कुमार ने बताया कि सुनिता कक्षा 6 में राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय रिड़खला में पढ़ती है।

गुरुजी ने आज का आज खाता खुलवाने के लिए कहा है। बैंक वाले कह रहे हैं कि 10 वर्ष उम्र होने के बाद ही सुनिता का खाता खुलेगा। संयुक्त खाता खुलवाने के एक हजार रुपए मांग रहे हैं। सुनिता का छात्रवृति के लिए आवेदन करना है। उसके खाते में ही आएगी बताते हैं।

मैना देवी ने बताया कि उनका परिवार बीपीएल की श्रेणी में है। उसके तीन लड़के 12वीं, 9वीं और 8वीं कक्षा में पढ़ते हैं। किसी को भी आज तक एक रुपए की छात्रवृति नहीं मिली है। सबका बैंक में खाता भी है। खाते में रुपए आज तक नहीं आए हैं। अब सुनिता का फार्म भरकर और

- **चूरू के रिड़खला गांव का है बीपीएल परिवार**
- **साढ़े चार साल में एक बार भी नहीं मिली छात्रवृत्ति, हर वर्ष आवेदन पत्र भी भरे जाते हैं**

देख लेते हैं। कुल मिलाकर रिड़खला गांव में इस बीपीएल परिवार के बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं मिलना सरकार और यहां बड़े-बड़े दावे करने वाले अधिकारियों की सतर्कता की पोल खुलकर सामने आ गई है। उन्होंने बताया कि कोई कारण भी नहीं बता रहे हैं।

सब कागजात एकदम सही है। आज भी बैंक में खाता नहीं खुल पाया और समय और रुपए का नुकसान हो गया। खेत में निनाण छोड़कर यहां बैंक में आई थी। इस संबंध में प्रशासन की चुप्पी से लगता है कि उन्होंने गहलोत सरकार के विदाई समारोह की तैयारी शुरू कर दी है।

बिना लोको पायलट चल पड़ा मालगाड़ी का इंजन

सूरतगढ़, (निसं)। सुपर थर्मल पावर प्लांट में रविवार को 1500 मेगावाट की सब क्रिटिकल थर्मल परियोजना में कोल रैक लेने आया एक लोको (रेल इंजन) बिना पायलट के ही करीब दो किलोमीटर से ज्यादा दौड़ते हुए 1320 मेगावाट की सुपरक्रिटिकल तापीय परियोजना में पहुंच गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार परियोजना के वैगन टिपलर नंबर 3 से खाली कोल रैक लेने आए सूरतगढ़ थर्मल के इंजन को खड़ा कर लोको पायलट और पॉइंटमैन आसपास कहीं चले गए। इसी दौरान इंजन अपने आप चलने लगा। कुछ समय बाद लोको पायलट और पॉइंटमैन के आने पर उन्होंने इंजिन को दूर जाते देखा। इस संबंध में अधिकारियों को सूचित किया तब तक रेलवे इंजन करीब 2 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय कर चुका था। जिसके बाद सुपरक्रिटिकल परियोजना के लोको पायलट ने सूचना के बाद इस चलते इंजन में चढ़कर उसे रोका।

इस मामले को लेकर बिजली उत्पादन इंटक के प्रदेश महामंत्री श्याम सुंदर शर्मा ने इस घटना को एक गंभीर लापरवाही बताया।

अध्यापकों की कमी से नाराज ग्रामीणों ने स्कूल गेट पर ताला लगाया

ग्रामीणों ने ताला लगाकर प्रदर्शन किया और धरना भी दिया

टोंक, (निसं)। दूनी तहसील के खरोई गांव के स्कूल में अध्यापकों की कमी से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार सुबह स्कूल के ताला लगा दिया। ग्रामीणों ने राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल के गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। इस दौरान करीब आधा घंटा तक धरना भी दिया। सूचना मिलने पर उप सरपंच मौके पर पहुंचे और हेड मास्टर के साथ मिलकर ग्रामीणों से समझाइश की। डेढ़ घंटे बाद ग्रामीणों ने स्कूल का ताला खोल दिया।

- **सूचना पर उप सरपंच मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश की**
- **जमकर की नारेबाजी, लंबे समय से टीचर के 4 पद खाली है**

जानकारी के अनुसार राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल में 8 शिक्षकों के मुकाबले 4 शिक्षक नियुक्त हैं। शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई काफी बाधित हो रही है। इसको लेकर ग्रामीणों ने भी सरकार से लेकर प्रशासन को अवगत कराया, लेकिन अभी तक भी टीचर नहीं लगे। इससे परेशान होकर ग्रामीणों ने सोमवार सुबह करीब 7.30 बजे स्कूल पर ताला लगा दिया और जमकर नारेबाजी की। इसके बाद ग्रामीण धरने पर बैठ गए। जानकारी मिलने पर उप सरपंच प्रधान लाल मीणा भी मौके पर पहुंचे और हेड मास्टर मुकेश पारीक के साथ मिलकर ग्रामीणों से समझाइश की। उप सरपंच ने बताया कि जल्द ही शिक्षक लगाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इससे संतुष्ट होने पर ग्रामीणों ने स्कूल के गेट से करीब नौ बजे ताला खोल दिया।

ग्रामीण भारत में शिक्षा की अलख जगा रहा अंत्योदय फाउण्डेशन

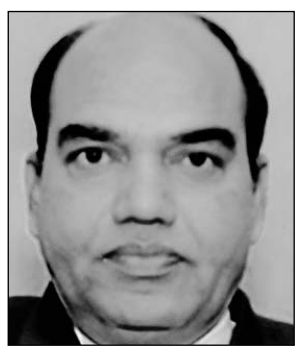

पन्नालाल मेघवाल

स्वयं का दर्द महसूस करना जीवित होने का प्रमाण है। दूसरों का दु:ख महसूस करना इंसान होने का प्रमाण है। इस युक्ति को चरितार्थ करते भादसोड़ा, चित्तौड़गढ, राजस्थान के मूल निवासी एवं पूर्व मुख्य सचिव, राजस्थान पद्मश्री मीठालाल जी मेहता के अनुज श्री महेंद्र मेहता, हाल मुकाम मुंबई ने आईआईटी, दिल्ली से इंजीनियरिंग की। एक वर्ष तक अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर पद पर कार्य किया। अग्रज मीठालालजी मेहता और पिताजी मोतीलालजी मेहता के सामाजिक विचारों और कार्यों से प्रभावित होकर समाज सेवा और देश सेवा का जज्बा लेकर पुन: स्वदेश लौटे। यहां आकर आईटी सेक्टर में अपना खुद का व्यवसाय प्रारंभ किया। समाज सेवा की शुरुआत करते हुए वर्ष 2019 में अंत्योदय फाउंडेशन नाम से संस्था बनाई। आरंभ में खिलौना बैंक योजना की शुरुआत की।

खिलौना बालक की पहली पुस्तक होता है, जिससे वह उसके रंग, रूप, आकर, गति, आकृति आदि की समझ बनाता है। संस्था ने देश के एक हजार एक सौ से अधिक विभिन्न सरकारी विद्यालयों में खिलौना बैंक स्थापित किए। इन विद्यालयों में कुछ शैक्षिक, सह शैक्षिक खिलौने जिसमें अल्फाबेट मैगनेटिक बोर्ड, मैथ बिल्डर, पार्ट्स ऑफ बॉडी, इंटेली किड्स, एनिमल जिग्सा पजल, टेनिस बॉल, नेलकर, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा पुस्तिकाएं, एनएमएमएस परीक्षा तैयारी पुस्तिकाएं इत्यादि सेट नि:शुल्क उपलब्ध कराकर अनुकरणीय कार्य किया। परिणाम स्वरुप बच्चे अपना मानसिक और शारीरिक विकास कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर एक सुनहरे भारत के निर्माण हेतु आगे बढ़ रहे हैं।

अंत्योदय फाउंडेशन के संस्थापक श्री महेंद्र मेहता ने सामाजिक कार्य करते हुए जब विभिन्न गांवों के बच्चों को तंग कपड़ों और फटे हाल देखा तो उनका दर्द महसूस करते हुए अपने सीए मित्र श्री संजय बोर्डिया के साथ मिलकर मुंबई में एक कपड़ा बैंक की स्थापना की। संस्था के कार्यकर्ताओं ने मुंबई के अलग-अलग हिस्सों से नए-पुराने कपड़े एकत्रित किए। संस्था ने अब तक सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं और जरुरतमंद लोगों को लगभग पांच लाख कपड़े उपलब्ध कराकर सराहनीय मानव सेवा की है। फाउंडेशन के संस्थापक ने समाज सेवा कार्य के दौरान महसूस किया कि अक्सर विद्यालयों में अध्यापकों की कमी है। ग्रामीण बच्चे तकनीकी से कोसों दूर हैं। उन्होंने पुत्र श्री अंकित मेहता के साथ मिलकर स्मार्ट क्लास रूम खोलने की योजना बनाई। उन्होंने अंत्योदय फाउंडेशन के तहत देश के 80 सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए। इन विद्यालयों में स्मार्ट एलईडी सेट, प्रोजेक्टर, साउंड सिस्टम सुलभ करवाए। जिससे ग्रामीण बच्चों ने तकनीकी से जुड़कर ऑनलाइन कंटेन से अपना सेलेबस पढ़कर एक बेहतर भविष्य का निर्माण किया।

अंत्योदय फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण व सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा तथा एनएमएमएस परीक्षा की तैयारी हेतु प्रेरित कर नि:शुल्क कोचिंग क्लास के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षा हेतु तैयार किया जा रहा है। अब तक इन कक्षाओं के माध्यम से 190 छात्र-छात्राओं का एनएमएमएस परीक्षा में चयन हुआ है।

फाउंडेशन द्वारा पढ़ाई छोड़ चुकी बालिकाओं और महिलाओं को संबल देने के क्रम में नि:शुल्क कोचिंग क्लास और नि:शुल्क सिलाई केंद्र स्थापित कर इनके हुनर को निखारने का अनुकरणीय कार्य किया जा रहा है। अंत्योदय फाउंडेशन द्वारा स्कूली दिव्यांग छात्र-छात्राओं को व्हीलचेयर एवं गावों के बुजुर्ग महिला-पुरूष जो चलने में अक्षम है, उन्हें वाकिंग स्टिक्स और वॉकर भेंट कर सहारा दिया जा रहा है। फाउंडेशन के संस्थापक श्री महेंद्र मेहता और टीम के सदस्य श्री संजय बोर्डिया, श्री सुरेंद्र लावटी, श्रीमती रीना बोर्डिया एवं श्री प्रह्लाद कुलकर्णी आज के भौतिक और सीमित सोच रखने वाले समाज में असहाय और साधनों से वंचित लोगों के लिए आशा की किरण बनकर काम कर रहे हैं। समाज के कमजोर पक्ष को सुदृढ़ कर उनके समुचित विकास के लिए तन-मन- धन से पूर्णत: समर्पित हैं। समाज का अभिजात्य वर्ग अगर इसी तरह अंत्योदय की भावना से काम करे तो भारत को सोने की चिड़िया बनते देर नहीं लगेगी। अंत्योदय फाउंडेशन का काम इस बात का उदाहरण है कि कैसे करुणा और समर्पण समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। इस दृष्टि से अंत्योदय फाउंडेशन अपने नाम को चरितार्थ करते हुए सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे संतु निरामया के वैदिक दर्शन को अमल में लाने का प्रशंसनीय कार्य किया है।

–पन्नालाल मेघवाल, वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार

राशिफल मंगलवार 25 जुलाई, 2023

पंडित अनिल शर्मा

प्र. सावन मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, चित्रा नक्षत्र रात्रि 12:03 तक, सिद्ध योग दिन 3:01 तक, वणिज करण दिन 3:09 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:13 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-सिंह, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज द्विपुष्कर योग और राजयोग सूर्योदय से दिन 3:09 तक है। आज भद्रा दिन 3:09 से रात्रि 3:31 तक है। आज मंगला गौरी पूजा है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:12 से 10:53 तक, लाभ-अमृत 10:53 से 2:14 तक, शुभ 3:54 से 5:35 तक।

राहूकाल: 3:10 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:51, सूर्यास्त 7:15

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी और व्यावसायिक व्यक्तिगत खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

गुढा के मामले में कांग्रेस क्या फाउल खेल गई है?

महिला उत्पीड़न के मुद्दे पर गुढ़ा की बर्खास्तगी कांग्रेस के खिलाफ विपक्ष का हथियार बनेगी?

जयपुर, (का.प्र.)। मंत्री पद से बर्खास्त किए गए राजेंद्र सिंह गुढ़ा को लेकर क्या कांग्रेस सरकार कोई फाउल खेल गई। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि जिस तरह से लाल डायरी दिखाए जाने के बाद सरकार और सरकार के बचाव में आने वाले मंत्री-विधायकों में डायरी का खौफ नजर आया और इसी खौफ के चलते आनन-फानन में गुढ़ा को ना सिर्फ सदन से बर्खास्त किया गया, बल्कि मार्शलों के जरिए बाहर भी निकलवा दिया गया।

ऐसा होने पर गुढ़ा को अपनी बात लोगों के बीच रखने का ज्यादा बेहतर मौका तो मिला ही है, साथ ही अब लोगों में सहानुभूति बटोरने का मौका भी मिल गया है। वहीं दूसरी ओर भले ही सरकार कहे कि लाल डायरी जैसी कोई बात नहीं है, लेकिन भाजपा जिस तरह से इस बात को अब मुद्दा बना रही है, वह निश्चित तौर पर सरकार की बातों पर संदेह पैदा करेगा और चुनाव के ऐन पहले इस तरह का संदेह नुकसानदायक हो सकता है। इतना ही नहीं गुढ़ा को मंत्री पद से जिस मुद्दे पर बर्खास्त किया गया है, वह मुद्दा महिला उत्पीड़न से जुड़ा हुआ है और यही वह मुद्दा है जिसे लेकर कांग्रेस और विपक्षी दल केंद्र में भाजपा को घेर रहे हैं। इस मुद्दे पर गुढ़ा की बर्खास्तगी कांग्रेस के उस मुद्दे को कमजोर भी करेगी। खुद गुढ़ा भी अब इसी मुद्दे को लेकर अपनी विधानसभा में जाएंगे तो अब तक मिले जो एंटी इनकबेंसी का नुकसान हो सकता था, वह शायद उन्हें नहीं होगा। सदन से निलंबित किए जाने के बाद गुढ़ा ने भी महिला उत्पीड़न को लेकर ही सबसे ज्यादा चर्चा की है।

- **गुढ़ा को बर्खास्तगी के बाद अपनी बात लोगों के बीच रखने का ज्यादा बेहतर मौका तो मिला ही है, साथ ही अब लोगों में सहानुभूति बटोरने का मौका भी मिल गया है**
- **महिला उत्पीड़न वह मुद्दा है जिसे लेकर कांग्रेस और विपक्षी दल केंद्र में भाजपा को घेर रहे हैं। इस मुद्दे पर गुढ़ा की बर्खास्तगी कांग्रेस के उस मुद्दे को कमजोर भी करेगी**

राजस्थान विधानसभा की शेष बची कार्यवाही से बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को निलंबित किए जाने के बाद गुढ़ा 2 अगस्त से दोबारा शुरू हो रही विधानसभा की कार्यवाही में दिखाई नहीं देंगे। निलंबित होने के बाद राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है कि निलंबित क्यों किया गया? वो तो केवल लाल डायरी टेबल पर ले जाना चाहते थे और अपनी बात रखना चाहते थे। गुढ़ा ने कहा कि दो दिन पहले मंत्री पद से बर्खास्त किया गया था, उसका भी कोई कारण नहीं था। उस समय भी केवल इतना ही कहा था कि सरकार को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। हम अपनी माता-बहनों को सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि अब शायद पार्टी से भी निकाल देंगे। निलंबन होने के बाद जनता के पास जाने के अलावा उनके पास कोई रास्ता नहीं है। गुढ़ा ने कहा कि उन्होंने अध्यक्ष के साथ कोई बदसलूकी नहीं की। अध्यक्ष के पास यह कहने गया था कि मंत्री के तौर पर जो कुर्सी थी वह बर्खास्त होने के बाद उनकी रही नहीं। ऐसे में वो कहां बैठकर अपनी बात कहेंगे, लेकिन अध्यक्ष ने उनकी बात नहीं सुनी। स्पीकर भी पता नहीं किसके दबाव में हैं।

निलंबन की कार्रवाई के बाद बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि राजस्थान विधानसभा में जनता ने उन्हें दो बार भेजा है। उसमें जो वोट पड़ता है वह फेस पर दिया जाता है, विश्वास पर दिया जाता है। जनता ने इसी फेस पर भरोसा किया था कि हम विधानसभा जाकर बहन-बेटियों के लिए कुछ कर पाएंगे। आज प्रदेश की स्थिति यह है कि प्रदेश दुष्कर्म और महिला हत्या के मामले में हिंदुस्तान में नंबर 1 हो गया है। हम किस मुंह से बहन बेटियों को जाकर यह कहेंगे कि आपने जिस कारण से हमें विधानसभा में चुनकर भेजा वह हम नहीं कर सके। मैंने यह बोलने का प्रयास किया था, लेकिन मुझे बर्खास्त कर दिया गया।

बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने इससे भी आगे बढ़कर राजस्थान के मंत्रीमंडल पर ही आरोप लगा दिया और दावा किया कि सरकार के मंत्रियों का नारको टेस्ट करवाया जाए और उनसे दुष्कर्म के संबंध में सवाल पूछा जाए तो जो लोग जेलों में बंद हैं, यह मंत्री उससे भी बड़े क्रिमिनल निकलेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्री परिषद के सारे सदस्यों का नार्को टेस्ट करवाएं तो पता चले कि कैसे लोगों को जनता जिताकर विधानसभा में भेज रही है। महिला दुष्कर्म के मामले में आधे से ज्यादा मंत्री पीएचडी होल्डर मिलेंगे।

कांग्रेस के नेताओं की ओर से भी कहा जा रहा है कि जो राजेंद्र गुढ़ा डायरी लेकर आए वह फर्जी थी। इस पर राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि इस डायरी को लेने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2020 में मुझे मंत्रिमंडल की मीटिंग से यह कहते हुए भेजा था कि किसी भी कंडीशन में लाल डायरी को निकालकर लाओ। डायरी के संबंध में कुछ चीजें विधानसभा में रखना चाहता था, ताकि प्रदेश की जनता के सामने यह बात पहुंच सके, लेकिन एक साथ 20-25 मंत्री मेरे ऊपर गिरे और मुझसे वह लाल डायरी छीन ली। मंत्री ही बताएं कि वह किस बात से डर रहे थे, जब उस डायरी में कुछ नहीं था तो उन्होंने जबरन वह डायरी मुझसे क्यों छीनी? अपनी बर्खास्तगी पर गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री अगर मुझसे इस्तीफा मांगते तो मैं रिजाइन दे देता। चाहे बड़े से बड़ा अपराधी कोई टेररिस्ट ही क्यों न हो उसकी बात पर सुनवाई होती है, लेकिन मुझे बिना किसी अपराध के बर्खास्त कर दिया गया। गुढ़ा ने कहा कि मेरी विधानसभा की सदस्यता को खतरा है या फिर जो मुकदमे मेरे पर लगे हैं उनमें मुझे जेल में डाले जाने का भी खतरा है। इन सबके बावजूद मैं संघर्ष करूंगा। गुढ़ा ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस प्रभारी ने मुझे कहा कि मैं माफी मांग लूं। माफी मांगने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत माफ कर देंगे। लेकिन मैंने माफी मांगने के बजाए संघर्ष करने का निर्णय लिया है। मैं हमारी बहन बेटियों के लिए जिन्होंने मुझे चुनाव जीता कर विधानसभा में भेजा है उनके लिए कुछ कर नहीं पाया,क्योंकि मेरे मुंह पर ताले लगा दिए गए थे।

विधानसभा के बाहर भाजपा विधायकों ने बड़ी लाल डायरी रखी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया और विधायक जोगेश्वर गर्ग मौजूद थे।

राजेंद्र गुढ़ा और मदन दिलावर विधानसभा की शेष कार्यवाही के लिए निलंबित

धारीवाल का माइक खींचने पर गुढ़ा से कांग्रेस विधायकों ने मारपीट की

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा से बर्खास्त हुए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को सोमवार को सदन में लाल डायरी लहराने, आरोप-प्रत्यारोप करने, स्पीकर से बदसलूकी करने और मंत्री शांति धारीवाल पर हमला करने की नीयत के चलते 15वीं विधानसभा की शेष बची कार्यवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। गुढ़ा के साथ ही भाजपा विधायक मदन दिलावर को भी निलंबित किया गया है। वहीं विधानसभा की कार्यवाही भाजपा के विरोध के चलते तीन बार स्थगित करनी पड़ी।

संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने यह प्रस्ताव रखते हुए कहा कि राजेंद्र गुढ़ा मुझे मारने के उद्देश्य से मेरी ओर बढ़े। गुढ़ा को अन्य कांग्रेस विधायकों ने रोका, अन्यथा कोई बड़ी घटना हो सकती थी। धारीवाल ने भाजपा विधायक मदन दिलावर के लिए भी कुछ इसी तरह के आरोप लगाए और उन्हें भी विधानसभा की शेष बची कार्यवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। आज जिस तरह से सदन में हंगामा हुआ, उसके चलते बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा पर यह अनुशासनहीनता के चलते कार्रवाई हुई है। आगामी दो अगस्त को राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही फिर से शुरू होगी, लेकिन उसमें गुढ़ा और दिलावर शामिल नहीं हो पाएंगे।

दरअसल विधानसभा में शून्यकाल में सोमवार को लाल डायरी पर माहौल गर्मा गया। सदन में एक ओर भाजपा विधायकों ने लाल डायरी लहराई और नारेबाजी करने लगे। वही दूसरी ओर गुढ़ा अचानक से वेल के

- **भारी हंगामे के बीच विधानसभा की कार्यवही को तीन बार स्थगित करना पड़ा**
- **मारपीट को देखते हुए अध्यक्ष ने गुढ़ा को मार्शल के जरिये विधानसभा से बाहर करवाया**
- **बाद में जब मणिपुर की घटना को लेकर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने शासकीय संकल्प पढ़ना शुरू किया, तो भाजपा विधायक मदन दिलावर, मंत्री शांति धारीवाल की कुर्सी पर पहुंच गए और उन्होंने धारीवाल को रोकने का प्रयास किया**

बीचों-बीच आये और स्पीकर के सामने एक लाल डायरी लहराने लग गए। इस पर स्पीकर ने कड़ी आपत्ति जताई और गुढ़ा को नहीं करने को कहा लेकिन जब इस पर भी गुढ़ा नहीं माने। वहीं स्पीकर ने संसदीय कार्यमंत्री को बोलने का अवसर दिया। इस पर गुढ़ा, धारीवाल की ओर बढ़े और उनका माइक छीनने का प्रयास किया। बाद में रफीक खान सहित अन्य कांग्रेसी विधायकों ने गुढ़ा को पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। मदन दिलावर, गुढ़ा को बचाने वहां पहुंचे। इसके बाद स्पीकर ने मार्शल को उन्हें सदन से बाहर निकालने का आदेश दे डाला और सदन की कार्यवाही को दो बजे तक के लिये स्थगित कर दिया।

इसके बाद फिर से दो बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई, तो मणिपुर की घटना को लेकर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने शासकीय संकल्प पढ़ना शुरू किया, लेकिन भाजपा विधायकों ने हंगामा जारी रखा। इस दौरान भाजपा विधायक मदन दिलावर, मंत्री शांति धारीवाल की कुर्सी पर पहुंच गए और उन्होंने धारीवाल को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान नाराज सीपी जोशी ने मार्शल को निर्देश दिए कि भाजपा विधायक मदन दिलावर को सदन से बाहर निकाल दिया जाए, लेकिन भाजपा विधायकों ने मदन दिलावर को अपने घेरे में ले लिया और उन्हें बाहर नहीं निकाला जा सका। इसी दौरान भारी हंगामे के चलते सीपी जोशी को विधानसभा आधे घंटे के लिए फिर स्थगित करनी पड़ी, लेकिन विधानसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बावजूद भाजपा विधायक मदन दिलावर को घेरे में लेकर विधानसभा में ही बैठे रहे और सदन में नारेबाजी करते रहे।

विपक्ष के हंगामे के कारण 23 मिनट में अध्यक्ष ने 4-5 विधेयक पास करवाए, और विधायी कार्य करवाए। इसके बाद 3:23 तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित किया, इसके बाद 4 मिनट में केंद्र सरकार के लिए आग्रह संकल्प पारित किए। इसके बाद 3:27 पर सदन आधे घंटे स्थगित किया। शाम 3:57 पर हंगामे के बीच ही 7 मिनट में राजेन्द्र गुढ़ा और मदन दिलावर का निलंबन प्रताव रखा। जिसे सत्ता पक्ष ने पास कर दिया।

भाजपा 'लाल डायरी' को सदन से सड़क तक ले जाएगी : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। कांग्रेस सरकार से बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने जिस 'लाल डायरी' को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भ्रष्टाचार के सबूत होने का दावा किया हैं, उस डायरी को संसद से लेकर सड़क तक भाजपा लाएगी। जनता के सामने कांग्रेसी भ्रष्टाचार के लाल धब्बों को उजागर करेंगे। हमने विधायक गुढ़ा से भी मांग की है कि "लाल डायरी" के लाल धब्बों के तथ्य हमें उपलब्ध कराएं। गुढ़ा के साथ सदन में जो लाल डायरी छीनने और छीना झपटी की घटना से लोकतंत्र के मंदिर को कलंकित करने का काम किया है। यह कहना है कि नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनिया का।

सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत 3 महीने पहले जिनके पुत्र के जन्म दिवस पर उनके गांव में जाकर कहते हैं कि अगर राजेंद्र सिंह गुढ़ा नहीं होते तो मेरी सरकार नहीं होती, मैं आपका अहसान भूल नहीं सकता। और उसी व्यक्ति ने जब महिला उत्पीडन पर कांग्रेस सरकार को आईना दिखाया तो मंत्रिमंडल से उन्हें बर्खास्त कर दिया गया।

उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि, "लाल डायरी" से सरकार क्यों घबरा रही है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत क्यों घबरा रहे हैं, राजस्थान की जनता लाल डायरी का राज जानना चाहती है। एक कहावत है "चोर चोरी से जाए लेकिन सीनाजोरी से नहीं जाए," राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पिछले 5 वर्षों से ऐसा कर रही है।

कांग्रेस के भीतर आवाज दबाई जाती है और सदन के भीतर भी, मुख्यमंत्री को दुनिया की पंचायती करने के बजाय अपने गिरेबान में झांकना चाहिए, मुख्यमंत्री फेस सेविंग के लिए सदन से भागते हैं और सड़क से भी भागते हैं। कांग्रेस सरकार के 5 साल राजस्थान के राजनीतिक अध्याय में काले अक्षरों में लिखे जाएंगे।

- **जिस विधायक के घर जाकर मुख्यमंत्री ने कहा आपने मेरी सरकार बचाई, आपका अहसान नहीं भूल सकता; उसे ही बर्खास्त किया : नेता प्रतिपक्ष**
- **मुख्यमंत्री को दुनिया की पंचायती करने के बजाय अपने गिरेबान में झांकना चाहिए, मुख्यमंत्री फेस सेविंग के लिए सदन से भागते हैं और सड़क से भी भागते हैं : पूनिया**

राज्यभर में नर्सेज के धरने प्रदर्शन जारी

जयपुर। राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के प्रांतीय आव्हान पर वेतन विसंगति दूर करने, वर्तमान परिपेक्ष्य में कैडर रिव्यू करने, ठेका प्रथा भर्ती पर रोक लगाने, नर्सिंग ट्यूटर एएनएम पदनाम परिवर्तन करने, स्वतन्त्र निदेशालय की स्थापना सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सातवें दिन सभी जिला चिकित्सालयों में एसएमएस चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर धरना जारी रहा।

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री कोमल कायत के शैक्षिणक दस्तावेजों में मेरा नाम राजेश कायत एवं राजेंद्र कुमार धानका अंकित है भविष्य में मेरी पुत्री को कोमल कायत पुत्री श्री राजेंद्र कुमार निवासी भाटेड, दादिया, सांगानेर, जयपुर के नाम से जाना जाये।

I have changed my name from Devika Lalwani to Pooja Lalwani W/o Vinod Lalwani for all purpose. Resi.: 214, Katewa Nagar, Gurjar Ki Thadi, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur.

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

NOTICE

I Jai Kumar Dayma, here by declare that Sualal Dayma, Sou Nath and Shonath Yogi, all three name are of my father Late Mr. Shonath Yogi, who has been passed away on 2 Feb. 2023, Whose Adhar No. 5816 0432 9191 and Pan No. is ADNPY1222A.

आम सूचना

'मदन सिंह पुत्र श्री गुमान सिंह, निवासी- ग्राम रहनावा, तहसील- लक्ष्मणगढ़, जिला- सीकर ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर की योजना शिव नगर विस्तार, हाथोज, जयपुर के भूखण्ड सं. 85 क्षेत्रफल 111.1 वर्गगज के दस्तावेज दीमक द्वारा नष्ट कर दिये जाने के कारण बन्ध-पत्र व शपथ-पत्र समिति कार्यालय में प्रस्तुत किये तथा डुप्लीकेट पट्टा जारी करने बाबत समिति से कहा गया। यदि उक्त भूखण्ड का डुप्लीकेट पट्टा, रसीद व साईड प्लान जारी करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 15 दिवस की अवधि में सम्पर्क करें। बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नहीं होगा। भवदीय-

(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट, मो. नं. 9314511091

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास/प्लैट संख्या-13/332 (जी.एफ.) मालवीय नगर, जयपुर क्षेत्रफल 22.62 वर्ग मीटर का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 4985 दिनांक 28.03.2000 श्रीमती प्रेम अरेहा के पक्ष में जारी किया गया।उनके द्वारा उक्त आवास /प्लैट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 25.10.2000 को करवाय गया। श्रीमती प्रेम अरेहा की मृत्यु दिनांक 29.5.2021 को हो जाने के कारण श्रीमती रेनु सक्सैना पत्नी श्री प्रवीण सक्सैना पुत्री स्व. श्री पृथ्वीराज अरेहा एवं श्रीमती मीनू भाटिया पत्नी श्री संजय भाटिया पुत्री स्व. श्री पृथ्वीराज अरेहा के द्वारा आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, उपजीकृत वसीयतनामा की छाया, प्रति, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति एवं वसीयतनामा में अंकित गवाह श्रीमती सीमा अग्रवाल पत्नी श्री आर.आर. अग्रवाल पुत्री श्री सुनील नाथ एवं श्री राकेश मदन पुत्र श्री बी.के. मदन का शपथ पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास/प्लैट का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास/प्लैट के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती रेनु सक्सैना पत्नी श्री प्रवीण सक्सैना पुत्री स्व.श्री पृथ्वीराज अरेहा एवं श्रीमती मीनू भाटिया पत्नी श्री संजय भाटिया पुत्री स्व.श्री पृथ्वीराज अरेहा के पक्ष में उक्त आवास/प्लैट के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेगी।

सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल जयपुर

आम सूचना

न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि.दूदू जिला जयपुर (राज.)

आम जनता किलां तन दांतरी बनाम जिला कलक्टर

वाद घोषणात्मक स्थायी निषेधाज्ञा

वाद संख्या 63/2023

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वादीगण ने इस न्यायालय में जरिये प्रतिनिधित्व वाद उनवानी आम जनता किलां बनाम जिला कलक्टर व अन्य मुकदमा नम्बर 63/2023 बाबत घोषणात्मक व स्थायी निषेधाज्ञा पेश किया है। उक्त प्रकरण में जिस किसी भी व्यक्ति का हित निहित हो एवं सम्बन्ध रखता हो तो वह व्यक्ति दिनांक 25.7.2023 को न्यायालय हाजा में उपस्थित होकर अपना पक्ष पेश करें अन्यथा प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी। यह आज दिनांक 20 माह 07 सन 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।

सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, दूदू जिला जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत आकोड़िया

पंचायत समिति कोटखावदा, जिला जयपुर (राज.)

क्रमांक-ग्रा.प./आ/2023/57 दिनांक-24.7.23

आपत्ति आमंत्रण सूचना

ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि स्वामित्व योजनान्तर्गत भारतीय भू-सर्वेक्षण विभाग मे प्राप्त राजस्व ग्राम खाजलपुरा के सर्वे प्रपत्र व नक्शों 2.0 को आमजन के लिये प्रदर्शित किया जाकर आपत्ति आमंत्रित की जाती है। साथ ही उक्त सर्वे प्रपत्र एवं नक्शा ग्राम पंचायत कार्यालय मं प्रत्येक भूखण्ड के विवरण मय भूमि नक्शा सहित सर्वजन हेतु अवलोकनार्थ भी उपलब्ध है। इन सर्वे प्रपत्र व नक्शे 2.0 में किसी प्रकार की आपत्ति (संशोधन हेतु) ग्राम पंचायत कार्यालय में 07 (सात) दिवस के भीतर प्रस्तुत करें।

आबादी भूमि की सीमा अथवा नक्शों में ड्रोन सर्वे प्रदर्शित प्रोपर्टी की सीमा एवं नाम के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

(घनश्याम शर्मा) ग्राम विकास अधिकारी

ग्राम पंचायत आकोड़िया, पं.स.कोटखावदा, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैं चंद्रप्रकाश खुटेंटा पुत्र गोपीनाथ खुटेंटा निवासी- 24, कल्याण कॉलोनी, सीकर हाउस, जयपुर। मैंने मेरे पैन कार्ड, आधार कार्ड में गलत जन्मतिथि (31.05.1970) के स्थान पर सही जन्म तिथि (31.05.1971) रख ली है। मेरी दसवीं कक्षा की मार्कशीट में मेरी जन्मतिथि सही है।

मैं आदित्य सिंह पुत्र आर्मी नंबर-15142826W हवलदार रविकांत सिंह यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट मेरे पिता के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम आदित्य है जो गलत है। मेरा वास्तविक नाम आदित्य सिंह है

मैं अनामिका सिंह पुत्री आर्मी नंबर-15142826W हवलदार रविकांत सिंह यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट मेरे पिता के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम अनामिका है जो गलत है। मेरा वास्तविक नाम अनामिका सिंह है

विवाहोपरान्त मैंने अपना नाम मनीषा कुमारी से बदलकर मनीषा चतरानी (Manisha Chatrani) धर्मपत्नी मुकेश चतरानी निवासनी 66, मारूती कॉलोनी, डिग्गी मालपुरा रोड, सांगानेर जयपुर रख लिया है भविष्य में मुझे मनीषा चतरानी के नाम से जाना पहचाना जावें।

I, Narendra Kumar Berwal S/o, Sitaram Berwal R/o C-81, Gol Market, A Block, Jawahar Nagar, Jaipur have lost Possession Letter 7225 & 8553 of my Shop No- CC-219, Jawahar Nagar, Jaipur. If Found Please inform. Allottee- Kamlesh S/o Gyarsi Lal

खोया पाया

मेरे प्लॉट नं 130 गोवर्धन धाम तृतीया खोरी रोड लूनियावास गोनेर रोड के जो की बाबा आर. एन. गौड. गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, जयपुर से जारी हुए सोसायटी पट्टा, साइट प्लान, रसीद व नक्शा कहीं गिर गए हैं मिलने पर सूचित करें। विकास कुमार पुत्र श्री फतेहसिंह, 6367603442

फ्लैट संख्या 43/17/07, मानसरोवर, जयपुर का आवंटन पत्र व कब्जा पत्र कहीं गिर/गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। अमित कुमार सोनी-9828082350

मेरे आवास 65/125, हीरा पथ, मानसरोवर (जो की चन्दन लाल के नाम से है) का मूल आवंटन पत्र नंबर Softo/598 दिनांक 07.11.1987 किरण पथ से हीरा पथ, मानसरोवर, जयपुर के मध्य कहीं गिर गया है कृपया मिलने पर सूचित करें सम्पर्क 6375834095

मेरी सम्पत्ति प्लाट नम्बर 01 एवं दुकान नम्बर 21 शिव कालोनी जयराम पूरा से खोराबीसल जयपुर के दयानन्द पूरी ग्रह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर को पट्टे ट्रांसफर सेट की मूल कोपी खोरा बिसल से बेनाड के रास्ते में गिर गये है जोकि 10/06/2023 मिलने पर सूचित करें। सेवक राम वरदानी, मो. 9001854221, 9460191691

मेरे प्लाट संख्या के-228, गणेश विहार विस्तार, चन्दलाई रोड, जयपुर के मूल कागजात (पट्टा, रसीद, साईड प्लान) गुम गये। मिलने पर सम्पर्क-उषा शर्मा 9414056034

मेरे आवास संख्या 5-झ-48 जवाहर नगर जयपुर का आवंटन पत्र, अदेय प्रमाण पत्र, कब्जा पत्र एवं डिक्लरेशन पत्र कहीं खो गये है। मिलने पर सूचित करे। 9252697512

श्री छत्रपति शिवाजी गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना-गणेश कॉलोनी के भूखण्ड संख्या- 1 के मूल सोसायटी का पट्टा, साईट प्लान एवम रसीद खो गई है। सूचित करें जितेन्द्र चौधरी-9785641099

जे डी ऐ की सहभागिता आवास योजना सिद्धि विनायक अफोर्डेबल होम्स के आवास संख्या G3/FF/5 के EWS के आवास की जमा की गई राशि की रसीद खो गई हे सुचित करे कैलाश चन्द बैरवा पुत्र राम सुखा बैरवा 9511536353

मेरा मकान सं.64/394 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें-Ishwar Das, M.: 9828551274

श्री महाराज गोपालपुरा गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना-प्रेम नगर के भूखण्ड संख्या- 130 के मूल सोसायटी का आवंटन पत्र, साईट प्लान एवम रसीद खो गई है। सूचित-करें निलेश जैन -9351010284

BANASTHALI VIDYAPITH

(Notified Under Section 3 of the UGC Act)

University for women: University with a difference

Engineering Skills Training Centre in Partnership with Bajaj Auto Ltd.

Banasthali Vidyapith, the world's largest fully residential university for women is NAAC 'A++', second highest ranked women's university in the world *having more than 15000 students on its 850-acre campus situated amidst rural setting in Rajasthan, having a distinct educational ideology and offering a variety of programmes from nursery up to doctoral level across a wide spectrum of disciplines to prepare enlightened citizens with strong value-base.*

PROGRAMMES

- Diploma Trainee Engineer
- Graduate Trainee Engineer

BENEFITS

- Placement in reputed companies after completion of programme
- Upto 80% scholarship
- For Women candidates only with hostel accommodation

Special Features

Automation
Robotics
AI
PLC
SCADA
CNC
MATLAB
LabVIEW
Industry 4.0
Manufacturing

ARTIFICIAL INTELLIGENCE
ROBOTICS
AUTOMATION

APPLY NOW

FOR MORE INFO

+91 8306002465
best@banasthali.in

NAAC 'A++' 3.63
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2023
QS UNIVERSITY RANKINGS ASIA
nirf All India Rank
INDIA TODAY 2nd Rank

Banasthali Vidyapith, Rajasthan- 304022 www.banasthali.org www.facebook.com/banasthali.org

घग्घर नदी में बढ़ते पानी से सूरतगढ़ में आफत आई

पानी से बंधे में आया कटाव, प्रशासन ने रंगमहल गांव को खाली करवाया

सूरतगढ़, (निसं)। उपखण्ड के गांव रंगमहल में देर रात घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र का बंधा टूट गया। कुछ ग्रामीणों ने बंधे को पाटने का भी प्रयास किया मगर वे इसमें नाकाम रहे। क्योंकि कटाव बढ़ता ही चला गया। ऐसे में ग्रामीणों ने सरपंच समेत पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को स्थिति की जानकारी दी। इस बीच बाढ़ का पानी गांव की ओर बढ़ना शुरू हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे एएसपी सतनाम सिंह, डीएसपी किशन सिंह बिजारणिया, विक्की नागपाल, सिटी सीआई कृष्ण कुमार, एडीएम अरविंद जाखड़ समेत प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों को तुरंत गांव खाली करने के आदेश दिए। साथ ही कटाव को पाटने का काम भी शुरू करवाया।

ग्रामीणों ने बताया कि किसान फूसाराम बाना के खेत और गांव के बीच में करीब दो मुरब्बा भूमि की चौड़ाई में वन विभाग की नर्सरी बनी हुई है। फूसाराम के खेत में पानी के लिए मोघी लगाई हुई थी जो करीब 10 फीट गहरी थी। सबसे पहले इस मोघी में रिसाव हुआ और देखते ही देखते पानी ने बंधे को तोड़ दिया। हालांकि इसे पाटने का भी प्रयास किया, मगर सफलता नहीं मिलने पर फूसाराम ने पड़ोसी खेत के मालिक को आवाज लगाई। जिसके बाद सरपंच समेत गांव के अन्य लोगों को सूचना दी गई। अफरा-तफरी के बीच कुछ लोग सड़क की ओर निकल गए तो कुछ कटाव पाटने के लिए मौके पर आ गए। लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण सफलता नहीं मिली। ऐसे में गांव और खेत के बीच की दो मुरब्बा भूमि पूरी जलमग्न हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने पूरा जोर गांव की आबादी से सटे बंधे पर लगा दिया जो कि कमजोर और नीचा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंचे और अपने प्रयास शुरू किए। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने गांव को खाली कराने के लिए मंदिर और वाहन से मुनादी करवाई। फूसाराम के खेत में बने फ्रंट लाइन के बंधे में करीब 150 फिट का कटाव आया था।

किसान पाला राम ताखर ने बताया कि रात को प्रशासन ने 5 जेसीबी उपलब्ध करवाई। जिसके बाद गांव के करीब 25 ट्रैक्टर बंधे पर मिटटी लाने के लिए लगाए गए। यह काम सोमवार दोपहर तक भी जारी रहा। प्रशासन की ओर से करीब 1 हजार सीमेंट के खाली कट्टे उपलब्ध करवाए गए। ग्रामीणों ने मिट्टी भर कर कट्टों को बंधे के किनारे लगाया। ग्राम पंचायत रंगमहल के सरपंच विजय सिंह ताखर ने बताया कि गांव के 40-50 युवाओं ने विपदा में एकजुट होकर बंधे को मजबूत करने में सहयोग किया। गांव के युवा सोनू ताखर (25) पुत्र पालाराम पूरी रात से अपने स्तर पर ट्रैक्टर और स्वयं का डीजल जलाकर बंधा बनाने में जुटा हुआ है।

- कुछ ग्रामीणों ने बंधे को पाटने का भी प्रयास किया, मगर वे इसमें नाकाम रहे

सरपंच विजय सिंह ताखर ने कहा कि सोनू ने सूझबूझ दिखाते हुए रात्रि को ही गांव से सटे बंधे पर एक नया और ऊंचा बंधा बनाने का काम शुरू कर दिया था। पूरी रात से लगातार बिना थके ट्रैक्टर की सीट पर बैठा है। सोनू के पिता पालाराम ने बताया कि उनकी प्राथमिकता गांव और ग्रामीण दोनों को बचाना है। इसके लिए अपनी ओर से वे जितना हो सकेगा करने के लिए तैयार है। गांव को खाली करने की मुनियादी के बाद से रात में ही गांव के 80 फीसदी लोग गांव खाली कर जा चुके थे। शेष यहां कुछ बंधे को मजबूत करने में जुटे थे। कुछ घर में पड़े घरेलू सामान की सार संभाल में लगे रहे। हालांकि सुबह कुछ राहत की खबर सुन ग्रामीण घरों को लौट भी आए। मगर फिर भी अनहोनी की आशंका से सोमवार दोपहर तक भी वाहनों पर अपनी जरूरत का सामान लादकर रवाना होते दिखाई दिए।

किसान शीशपाल (28) पुत्र भजननाथ ने बताया कि रात करीब 10 बजे के आसपास गांव को खाली करने की मुनादी सुनाई देने पर वह और अनेक परिवार गांव छोड़कर जो भी जरूरत का सामान जल्दबाजी में हाथ लगा उसे लेकर रंगमहल से सटे रेतीले धोरे पर स्थित हनुमान मंदिर और इसके आसपास पहुंच गए। यहां जिसे, जहां, जैसी जगह मिली उसने अपना सामान रख लिया। शीशपाल ने बताया कि गांव का वार्ड नंबर 4 तो पूरा ही खाली हो गया। यहां पर तपती दोपहरी में महिलाएं दोपहर का खाना बनाते नजर आई। उनका घरेलू सामान भी खुले आसमान के नीचे यहां वहां पड़ा था। पेड़ों के नीचे पड़ाव डाले बैठे लोगों ने बताया कि प्रशासन ने उनकी कोई सुध नहीं ली है। ना ही उन्हें किसी तरह की मदद उपलब्ध करवाई है। किसी अधिकारी ने उनके पास आकर उन्हें खाने, रहने की व्यवस्था के बारे में नहीं बताया।

सरपंच विजय सिंह ताखर ने कहा कि वे पहले दिन से कहते आ रहे हैं कि गांव को डूबने नहीं देंगे। इसी प्रयास में वे पूरी रात से मौके पर ही हैं। हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने के काम में जुटे हुए हैं। सरपंच ने कहा कि फिलहाल हालात विकट जरूर है मगर नियंत्रण में है। बशर्ते पीछे से घग्गर नदी में पानी और ना चढ़े। उन्होंने फ्लड अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि घग्गर नदी का बहाव बीते कई सालों से लगातार संकरा होता जा रहा है। वर्ष 1988 में भी यहां पर बाढ़ के हालात बने थे। तब पड़ोसी गांव बारेकां समूचा डूब गया था। 1995 में भी स्थिति विकट हो चली थी।

इसके बाद इतने सालों बाद इस बार घग्गर नदी में आए पानी ने यह जता दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ ना करें। घग्घर का जो दशकों पुराना बहाव क्षेत्र था फ्लड अधिकारी उसे बहाल करें। खेतों में बने अवैध बंधे हटाकर इस नदी का पुराना स्वरूप लौटाएं ताकि ऐसी स्थिति से फिर कभी सामना ना करना पड़े। हालांकि इस काम में एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर जुटी रही। फिलहाल सेकंड लेयर के गांव की आबादी के पास बने बंधे को मजबूत करने का काम किया जा रहा है। ताकि पानी गांव में घुसकर घरों को ना नुकसान पहुंचा सके।

फिरौती मामले में रोहित गोदारा गैंग के तीन गुर्गे गिरफ्तार

महिला से 80 लाख की फिरौती मांगी थी, पांच जिलों में काटी फरारी

बीकानेर, (निसं)। 80 लाख रुपए की फिरौती के लिए महिला को धमकाने वाले रोहित गोदारा गैंग के तीन गुर्गों को पुलिस ने दबोच लिया है। इनमें एक फिरौती मांगने वालों में शामिल था, जबकि दो अन्य पुलिस कार्रवाई से बचाने की कोशिश में जुटे थे। बदमाशों ने खुद को रोहित गोदारा गैंग का सदस्य बताया थाए ऐसे में पुलिस ज्यादा सख्ती के साथ इनको दबोच लिया।

जानकारी के अनुसार सत्रह जून को ट्रांसपोर्टर लक्ष्मीनारायण की पत्नी झमकू देवी को धमकी दी गई। उन्हें बताया कि वो रोहित गोदारा गैंग के सदस्य है और हर हाल में अस्सी लाख रुपए की फिरौती दें अन्यथा उनके बच्चों का किडनैप कर लिया जाएगा। झमकू देवी मूल रूप से लूणकरनसर के खारड़ा गांव की रहने वाली है। अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए जयनारायण व्यास कॉलोनी में किराए का मकान लेकर रह रही है। 17 जुलाई की शाम छह बजे तीन युवक झमकू देवी के घर में जबरन घुस गए थे। महिला को डराया और गैंगस्टर रोहित गोदारा से फोन पर बात करवाई। 80 लाख रुपए की फिरौती की मांग की और कहा कि दो दिन में 80 लाख रूपये की व्यवस्था कर लेना नहीं तो तुम्हें व तुम्हारे परिवार को जान से मार देंगे। इस मामले की छानबीन उप निरीक्षक सुषमा को सौंपी गई लेकिन खुद आला अधिकारी इसकी पड़ताल में जुटे रहे।

वृताधिकारी वृत सदर शालिनी बजाज, डीएसटी टीम, साइबर सेल की टीम और जयनारायण व्यास कॉलोनी

- एक फिरौती मांगने वालों में शामिल था, दो अन्य पुलिस कार्रवाई से बचाने की कोशिश में जुटे थे

पुलिस की अलग-अलग टीमों ने दिन रात एक करके धमकी देने वालों का पता लगाया। सीसीटीवी में आये फुटेज के आधार पर मुल्जिमों का रूटचार्ट तैयार किया गया व फुटेज के आधार पर पुलिस ने डाटाबेस तैयार किया। पुलिस की टीमों ने पूर्व में चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ की व संदिग्ध व्यक्तियों पर तकनीकी रूप से कार्य किया। संदिग्ध स्थानों पर रेड की गई। पुलिस टीमों ने बीकानेर के अलावा नागौर, नोखा, जोधपुर, जालोर व सिरोही में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश जेठूसिंह को डीएसटी टीम ने पकड़ लिया। जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने के हेड कॉन्स्टेबल विजय सिंह, साइबर सैल के हैड कॉन्स्टेबल दीपक यादव मय टीम ने सिरोही से बदमाशों को शरण देने व तकनीकी उपकरण मोबाइल व अन्य आइटम उपलब्ध करवाने व शरण देने के आरोप में किशोर सिंह को हिरासत में लिया। पीड़िता के चाचा मनोज कुमार सारस्वत को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसकी भी भूमिका सामने आ रही है।

पुलिस का दावा है कि इस मामले में रोहित गोदारा ने खुद आगे बढ़कर अपने गुर्गों को टारगेट दिया था। वो महिला और उसके पति से लाखों रुपए लेना चाहते थे। गुर्गों को बहुत पहले ये टारगेट दिया गया था लेकिन पुलिस मुस्तैदी के चलते वो कार्रवाई नहीं कर रहे थे। इस बीच उन्हें अधिक आर्थिक लाभ देने की बात कही गई। इस पर रोहित गोदारा के दिए लालच में आकर गुर्गों ने घटना को अंजाम दिया।

घटना को अंजाम देने के बाद स्विफ्ट कार से गांवों के रास्ते से होते हुए घटना में फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर झब्बरसिंह के घर पहुंचे। जहां पर दो दिन रुककर वहां से गांव बूगड़ी के अशोक सिंह से रुपए लेकर ओसियां पहुंच गए। वहां पर दुबारा कार की फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर जोधपुर, पाली, सिरोही होते आबू रोड पहुंच गये। आबू रोड़ कैलाश गेस्ट हाउस में रूक कर आबू रड निवासी किशोर सिंह उर्फ मामू के सहयोग से रुक गए व आगे की वारदात करने की प्लानिंग बना रहे थे। पुलिस ने जेठूसिंह पुत्र भोजुसिंह किशोर पुत्र लालसिंह निवासी आबू रोड जिला सिरोही, मनोज कुमार सारस्वत पुत्र भूराराम को गिरफ्तार किया है। आरोपीयों को शरण देने वालों में सुशील निवासी खारड़, ईश्वर सिंह निवासी साईसर पांचू व अशोक सिंह निवासी गांव बूगड़ी जोधपुर को नामजद किया गया है।

घग्घर नदी में पानी की तेज आवक से अनूपगढ़ प्रशासन सतर्क

अनूपगढ़, (निसं)। क्षेत्र में घग्घर नदी के पानी की आवक गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अधिक है, घग्घर नदी का पानी आज सुबह 80 जीबी पहुंच चुका है। विधायक संतोष बावरी ने घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से घग्घर नदी के पानी को लेकर चर्चा की। विधायक संतोष बावरी ने ग्रामीणों को सावधानी बरतने की भी अपील की है। आज सुबह तक घग्घर नदी में पानी की आवक 1000 से 1200 क्यूसेक तक मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि आने वाले 2 दिनों में घग्घर नदी में पानी की आवक बढ़ सकती है। घग्घर नदी में बढ़ते पानी की आवक के मद्देनजर प्रशासन भी सतर्क है।

विधायक संतोष बावरी ने बताया कि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष का घग्घर नदी में पानी अधिक आ रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि घग्घर नदी का पानी भी भेड़ताल तक जरूर पहुंचेगा। विधायक ने बताया कि आज बहाव क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से अपील की है कि घग्घर नदी में तेज बहाव को देखते हुए

- दो दिन में और बढ़ सकती है पानी की आवक, विधायक संतोष बावरी ने किया निरीक्षण

सावधानी बरतें और अनावश्यक रूप से बंधे ना लगाए। विधायक ने बताया कि प्रशासन को भी निर्देश दिए हैं कि प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे, आपातकालीन स्थिति में प्रशासन सतर्क रहते हुए उचित व्यवस्था करें। विधायक ने बताया कि हालांकि जितना पानी अब घग्घर नदी में चल रहा है उससे किसी भी तरह का जान माल का नुकसान नहीं हो सकता मगर पानी बढ़ने की संभावना प्रबल है।

मौके पर पहुंचे किसानों ने बताया कि घग्गर नदी का पानी अनूपगढ़ के किसानों के लिए वरदान साबित होता है। उन्होंने बताया कि इससे जमीन काफी उपजाऊ बनती है और इस बार जो घग्घर नदी का पानी आया है वह अधिक मात्रा में है इसलिए किसानों को अधिक पैदा होने की संभावना है।

उपखंड अधिकारी प्रियंका तलानिया ने बताया कि घग्घर नदी में पानी की बढ़ती संभावना के मद्देनजर सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। प्रशासन की पहली प्राथमिकता रहेगी कि घग्घर नदी के पानी में किसी भी तरह का जान व माल का नुकसान न हो।

फायरिंग मामले में चार गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। प्लानिंग में रास्ता नहीं देने के विवाद में प्रॉपर्टी डीलर पर फायरिंग करने के चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से वारदात में काम मे ली गई दो पिस्टल, कार और बाइक बरामद की है। गिरफ्तार सभी आरोपी कैथून थाना क्षेत्र के निवासी है। इनमें कदीर बाबा व शाहिद हुसैन उर्फ यस पिता पुत्र है। डीएसपी गजेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अब्दुल कदीर उर्फ बाबा, अजरुदीन उर्फ अल्लू, शाहिद हुसैन उर्फ यस व इरशाद निवासी कैथून थाना क्षेत्र को गिरफ्तार किया।

प्रेमी युगल ने तालाब में छलांग लगाई, दोनों की मौत

जोधपुर, (कासं)। ओसियां तहसील स्थित डाबड़ी गांव में आज सुबह तालाब में प्रेमी युगल के शव मिले। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पहचान की। शवों को बाद में अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया गया।

ओसियां वृताधिकारी मदनलाल ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि डाबड़ी गांव के तालाब में एक युगल का शव पड़ा है। इस पर पुलिस वहां पहुंची। मौके पर मोबाइल मिला जिसके आधार पर मृतक युवक की पहचान मतोड़ा निवासी जागनाथ के रूप में की गई। जबकि लड़की डाबड़ी गांव की है। रविवार की शाम को युवक जागनाथ को लोगों ने गांव में देखा था। संभवत: शाम छह बजे के बाद उन लोगों ने खुदकुशी की है। आरंभिक पड़ताल में मामला प्रेम प्रसंग का प्रतीत हुआ है। दोनों ने खुद को दुपट्टे से कमर तक बांधा और फिर छलांग लगाई है। हाथ व पैर खुल हो रखे हैं। मामले में कोई शक जाहिर नहीं हो रही। पूरा मामला सुसाइड का लग रहा है। शवों को कार्रवाई के लिए ओसियां चिकित्सालय भिजवाया गया। इधर इस घटना की जानकारी गांव में फैलते ही ग्रामीण तालाब की तरफ एकत्र होने लगे।

बनास नदी की पुलिया से निकलते वाहनों को पकड़ा

माण्डलगढ़ के बीगोद में उफान पर आई बनास नदी की पुलिया पार करते वाहन चालक।

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के बीगोद कस्बे में बनास नदी पुलिया पर सोमवार को एक फीट से उपर पानी चल रहा था। उफान मारती नदी और पुलिया पर जान जोखिम में डाल कर ग्रामीण बाइक और पैदल निकल रहे थे। उसी दौरान तहसीलदार राजीव बड़गुर्जर पुलिया का निरीक्षण करने पहुंच गए।

पुलिया पर जान जोखिम में डाल निकलते लोगों को देखकर तहसीलदार गुस्सा हो गए और बाइक जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी। पैदल पुलिया पार कर आए लोगों को जमकर लताड़ा। वहीं मौके पर पुलिस जाब्ता भी तैनात नही था। तहसीलदार ने बीगोद थाना अधिकारी दिलीप सिंह को फोन कर तुरंत जाब्ता भेजने के निर्देश दिए। बीगोद थाने से पुलिस जाब्ता के मौके कर तहसीलदार द्वारा पकड़ी गई मोटरसाइकिलों को पुलिस को सुपुर्द किया और बनास नदी की पुलिया से गुजरने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पुलिया के दोनों ओर पुलिसकर्मी हर वक्त तैनात रहने के निर्देश दिए।

राजस्व मण्डल, अजमेर की सर्किट बैंच ने जोधपुर में कार्य शुरू किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेटस् एसोसियेशन, जोधपुर ने राजस्व मण्डल राजस्थान, अजमेर की सर्किट बैंच के जोधपुर में पांच दिवस सुनवाई शुरू होने पर हर्ष प्रकट किया है। महासचिव गिरधरसिंह भाटी ने बताया कि राजस्व मंण्डल राजस्थान, अजमेर की सर्किट बैंच जो कि राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशानुसार जुलाई माह में पांच दिवस यथा 24 से 28 जुलाई तक जोधपुर संभाग के राजस्व से संबंधित मामलों की सुनवाई करेगी।

अध्यक्ष रणजीत जोषी ने बताया कि पूर्व में राजस्व मण्डल की सर्किट बैंच जोधपुर में अल्प समय के लिए ही आयोजित होती थी तथा पिछले काफी समय से सर्किट बैंच के जोधपुर में आयोजन को रदद् कर दिया गया था। जिससे जोधपुर सहित सम्पूर्ण जोधपुर संभाग के राजस्व के मामालों में वृद्धि होने से एवं संभाग के मामलों के निस्तारण के लिए अजमेर जाने के लिए अधिवक्ताओं एवं मुवकिलों को विवश होना पडता था। जिससे अनावश्यक रूप से समय व धन की बर्बादी होती थी। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेटस एसोसियेशन, जोधपुर द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर राजस्व मंडल राजस्थान की स्थाई बैंच जोधपुर में स्थापित किये जाने की मांग गई। जिससे वैकल्पिक तौर पर राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा जोधपुर में प्रत्येक माह में पांच दिवस के लिए सर्किट बैंच के आयोजन के आदेश पारित किये गये थे।

जिसकी पालना में राजस्व मंण्डल राजस्थान अजमेर की सर्किट बैंच जुलाई आज से पांच दिवस के लिए आयोजित की जा रही हैं। जिसमें एस.बी एवं डी.बी. के लंबित मामलों की सुनवाई की जायेगी एवं अधिवक्ताओं एवं मुवकिलों को राहत प्राप्त होगी। राजस्व मंण्डल राजस्थान की सर्किट बैंच जोधपुर में लगाये जाने की राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेटस एसोसियेशन, जोधपुर ने हर्ष प्रकट करते राज्य सरकार का आभार प्रकट किया। सोमवार को आयोजित बैठक में अध्यक्ष रणजीत जोशी, उपाध्यक्ष गोकुलेश बोहरा, महासचिव गिरधरसिंह भाटी, सह-सचिव दीपक थानवी, पुस्तकालय-सचिव माया गहलोत, कोषाध्यक्ष देवाराम चौधरी उपस्थित रहे।

हमीद खान मेवाती का मेवात की जनता ने स्वागत किया

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती का कामां आगमन पर गांव-गांव में कस्बा गोपालगढ, पहाड़ी कामां में भाजापा के कार्यकर्ताओं द्वारा एवं प्रमुख गणमान्य नागरिकों, आमजन द्वारा स्वागत किया गया।

मेवाती का जगह-जगह फूल-मालाओं, साफा पहनाकर एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत और सम्मान किया गया तथा मेवात की जनता ने मेवात क्षेत्र से पहली बार हमीद खान मेवाती जैसे कार्यकर्ता को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेशाध्यक्ष बनाने के लिए भाजपा को भी धन्यवाद एवं आभार जताया। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने किये गये स्वागत के लिए मेवात की जनता को धन्यवाद दिया एवं विश्वास दिलाया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा सत्ता में आई तो मेवात क्षेत्र का विकास करेंगे। इसलिए मेवात में भाजपा को विजयी बनाने में मेवात की जनता पूर्ण समर्थन करें। कामां पहुंचे पर कामां शहर भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रदीप गोयल की अध्यक्षता में भाजपा एवं मोर्चा पदाधिकारियों की बैठक समपन्न हुई।

- भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष है हमीद खान मेवाती
- भाजपा सत्ता में आई तो मेवात का होगा विकास : मेवाती

बैठक में मुख्य अतिथि मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने अपने उद्बोधन में भाजपा मोदी सरकार के 9 साल बेमिसाल, गरीब कल्याणकारी योजना, अल्पसंख्यक जनकल्याणकारी योजना एवं उपलब्धियों को विस्तार से बताया और आगामी 27 जुलाई, 2023 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीकर में आयोजित जनसभा में सभी कार्यकर्ताओं का पहुंचने का आव्हान किया। इस मौके पर मेवाती ने कहा कि राजस्थान प्रदेश में भाजपा की मजबूत सरकार बन ही रही है, लेकिन आप सभी यह संकल्प लें कि अबकी बार हर हाल में कामां विधानसभा में कमल खिलायेंगे। मेवाती ने कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार की नाकामियों को भी जनता के सामने बताया। वर्तमान विधायक एवं राज्यमंत्री ने अपने परिवार का ही विकास किया है और कामां की जनता को लूटने का काम किया, जिसको इस चुनाव में कामां की जनता सबक सिखायेगी।

मेवाती ने कहा कि कांग्रेस की गहलोत सरकार के चलते राजस्थान प्रदेश में ना बिजली है, ना पानी है, ना सड़क हैं, ना सुरक्षा, ना स्वास्थ्य की कोई व्यवस्था नहीं है। पहले से ही झूठ बोल कर सत्ता में आई कांग्रेस ने किसानों का अब तक सम्पूर्ण कर्जमाफ भी नहीं किया, लेकिन अब महंगाई राहत कैंप लगाकर ढोंग रच कर प्रदेश की भोली-भाली जनता को गुमराह करने का काम कर रही है, परन्तु जनता अब इनके झांसे में नहीं आयेगी और आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करेगी। मेवाती ने कहा कि भाइयों अब कमर कस लो, अब वह वक्त आ गया है कि कांग्रेस को सबक सिखाना है, भारतीय जनता पार्टी की मजबूत सरकार बनाना है और कामां में भी कमल खिलाना है।

कोजरा-नांदिया के रास्ते में बजरी का डम्पर फंसा

पिण्डवाड़ा, (निसं)। समीपवर्ती ग्राम कोजरा-नांदिया के बीच रास्ते में अवैध बजरी परिवहन करता डम्पर फंस गया, जिससे रास्ता अवरूद्ध हो गया।

कोजरा-नांदिया व नांदिया-आरासणा रोड पर पर अवैध रूप से ओवरलोडिंग बजरी के डम्परों के आवागन से सड़क व रपटें पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। रपट व सड़क क्षतिग्रस्त होने सार्वजनिक निर्माण विभाग को करोड़ों रूपये का नुकसान हुआ है। वहीं सोमवार को नांदिया के समीप अवैध रूप से ओवरलोडिंग बजरी परिवहन करते हुए डम्पर फंस गया। डम्पर फंसने से रास्ता अवरूद्ध हो गया। जिससे ग्रामीणों की मौके पर भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन के विरूद्ध आक्रोश प्रकट किया। वही जब खनन विभाग के सहायक अभियंता चन्दन कुमार को अवैध बजरी परिवहन की सूचना दी, तो कार्यवाही करने के बजाय यह उत्तर दिया कि सरकार को रिपोर्ट भेजेंगे।

एसडीएम पिण्डवाड़ा हंसमुख कुमार ने बताया कि बजरी के अवैध परिवहन की जानकारी नहीं है, मैने खनिज विभाग के अधिषाशी अभियंता से चर्चा करता हूं। खनिज विभाग सिरोही के अधिशाषी अभियंता चंदन कुमार ने बताया कि बजरी पर दो माह के लिए परिवहन पर रोक लगी हुई है, फिर भी अवैध रूप से परिवहन की जा रही है तो कार्यवाही के लिए रिपोर्ट बनाकर सरकार को भेजी जायेंगी। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सदस्य रतनलाल गरासिया ने बताय कि स्थानीय प्रशासन द्वारा अवैध बजरी परिवहन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाकर नांदिया-आरासणा व कोजरा नांदिया मरम्मत कार्य नहीं किया गया तो सात दिन के बाद उपखण्ड कार्यालय का घेराव पर जन आन्दोलन किया जायेगा।

विवाहिता ने फांसी लगाई

निवाई, (निसं)। रेलवे स्टेशन के समीप विजय नगर कॉलोनी में रविवार की रात 23 वर्षीय एक विवाहिता ने फांसी के फंदे से झूल कर आत्महत्या कर ली। पड़ोसियों की सूचना पर प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक कृतिका यादव घटनास्थल पर पहुंची और मृतका के शव को फन्दे से उतरवा कर कब्जे में लेकर स्थानीय राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। इसके बाद उपाधीक्षक कृतिका यादव ने मृतका के पीहर पक्ष को सूचना दी। उन्होंने बताया दोपहर 1 बजे सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन समीप स्थित विजय नगर कॉलोनी में एक विवाहिता ने आत्महत्या कर ली है। मृतका कृष्णा बैरवा उम्र 23 वर्ष पत्नी संजय बैरवा निवासी विजय नगर कॉलोनी है। मृतका का पति जयपुर में राजमिस्त्री का कार्य करता है और सास-ससुर व उसका पति घटना के समय घर पर मौजूद नहीं थे। मृतका का विवाह 18 मई 2019 में हुआ था।

बाइक चोर गिरोह के दो जने गिरफ्तार, किशोर डिटेन

पुलिस ने 12 मोटर साईकिलें व तीन स्कूटी बरामद की

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड अभियान के दौरान पुलिस ने मोटर साईकिल चोर गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं विधि से संघर्षरत किशोर को डिटेन कर 12 मोटर साईकिलें व 3 स्कूटी बरामद की है। जिला पुलिस अधीक्षक अभिजीत सिंह ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कानसिंह भाटी के निर्देशन में उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड के नेतृत्व में टीम गठित की गयी।

कोतवाली थाना पुलिस की गिरफ्त में आये बाइक चोर गिरोह के दो अभियुक्त।

एसपी सिंह ने बताया कि 22 जुलाई को नारायण पुत्र मनोहर चरपोटा निवासी अंकलेश्वर की मोटर साईकिल कागदी पिकअप से चोरी हो गयी एवं सोमिल पुत्र रोशन निवासी आजाद चौक की स्कूटी चोरी हो गयी थी, जिस पर कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया। पुलिस टीम ने जगह-जगह दबिश दी। इस दौरान सूचना मिली कि शाहबाज खान पुत्र अब्दुल कय्युम निवासी जिला कारागृह के पास तथा अरशद खान पठान पुत्र शेर खान निवासी मदार कॉलोनी शहर में मोटर साईकिलें बेचने की फिराक में घूम रहे हैं जिस पर पुलिस ने दोनों को पकडा। आरोपियों से पूछताछ करने पर शाहबाज एवं शेर खान ने विधि से संघर्षरत किशोर से मिलकर जिले में अलग-अलग जगहों से बाईक चोरी की घटनाएं स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों से 12 मोटरसाईकिलें व तीन स्कूटी बरामद की।

पुलिस ने शाहबाज से शहर के अलावा मध्यप्रदेश के रतलाम, सैलाना, जिले के थाना दानपुर, गढी एवं सदर थाना क्षेत्र से चोरी की गयी सात मोटर साईकिलें व एक स्कूटी बरामद की वहीं अरशद खान से रतलाम, जिले के थाना गढी क्षेत्र से चोरी की गयी दो स्कूटी व तीन मोटर साईकिल तथा विधि से संघर्षरत किशोर से एक स्कूटी बरामद की। पुलिस टीम में सहायक उपनिरीक्षक अब्दुल मुनाफ व विवेकभान सिंह, कांस्टेबल पृथ्वीपाल सिंह, भानुप्रताप सिंह व पवन कुमार सभी थाना कोतवाली शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक सिंह ने बताया कि मोटर साईकिलें बरामद करने में कांस्टेबल पृथ्वीपाल एवं भानुप्रताप सिंह का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री, ''लाल डायरी'' का रहस्य जानना चाहता है राजस्थान : शेखावत

''विधानसभा में बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के साथ जो घटनाक्रम हुआ, वह राजस्थान के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिन''

नई दिल्ली/जयपुर (कासं)। राजस्थान के बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा द्वारा विधानसभा में लाल डायरी लहराने पर उन्हें जबरन सदन में बाहर निकालने के बाद वापस नहीं घुसने देने के मामले में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह राजस्थान के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिन है, जब किसी विधायक के साथ ऐसा व्यवहार किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से सवाल किया कि जिस लाल डायरी का जिक्र राजेन्द्र गुढ़ा कर रहे हैं, उसके विषय में मुख्यमंत्री को पूरा खुलासा करना चाहिए। लाल डायरी में क्या है? पूरा प्रदेश जानना चाह रहा है।

शेखावत ने दावा किया कि लाल डायरी में गहलोत सरकार के कई मंत्रियों के भ्रष्टाचार के राज दफन हैं। इसके तार दिल्ली में आलाकमान तक जुड़े हुए हैं। सोमवार को भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से रू-ब-रू होते हुए शेखावत ने कहा कि ''लाल डायरी'' के नाम पर ही कांग्रेस सरकार के मुखिया और मंत्रियों में घबराहट दिखाई देती है। गुढ़ा ने एक दिन पहले ही कह दिया था कि इस लाल डायरी से सरकार की चूलें हिल जाएंगी। सरकार धराशाही हो जाएगी। शेखावत ने मुख्यमंत्री गहलोत से पूछा कि लाल डायरी को लेकर सरकार और उनमें इतनी घबराहट क्यों है?

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि वर्ष 2020 में जब कांग्रेस में अंतरकलह चरम पर था। अपने आलाकामन से मिलने के लिए कुछ विधायक दिल्ली के पास डेरा डाले बैठे थे। उसी कालखंड में सरकार में मंत्री का दर्जा प्राप्त कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी के यहां इनकम टैक्स ने रेड की थी, उस रेड के दौरान लाल रंग की डायरी और कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज रिकवर किए गए। राजस्थान पुलिस की मिलीभगत से उस समय राजेन्द्र गुढ़ा, जो विधायक थे और गहलोत के कृपा पात्र थे, 50 से अधिक समर्थकों के साथ जाकर इनकम टैक्स के अधिकारियों से लाल रंग की डायरी छीनकर ले आए थे। ऐसा कहा जाता है कि उस डायरी में गहलोत साब के बहुत सारे राज छिपे थे।

शेखावत ने कहा कि आज विधानसभा में जिस तरह कांग्रेस के विधायकों में उस लाल डायरी को छीनने की होड़ मची हुई थी, उससे लगता है कि कहीं न कहीं उस लाल डायरी में लाल है या नहीं, लेकिन कुछ काला जरूर है। आज मैं गहलोत साहब से यह प्रश्न पूछना चाहता हूं कि आपने क्यों राजेन्द्र गुढ़ा को वहां भेजकर जबरन लाल डायरी मंगवाई? क्या राजस्थान की गरीब जनता की भलाई के लिए चलाई गई योजनाओं से लूटे गए पैसों का उसमें हिसाब था? उन पैसों का कब, कहां और कौन

- **शेखावत ने आरोप लगाया कि, ''लाल डायरी'' में मुख्यमंत्री गहलोत के कई मंत्रियों के भ्रष्टाचार के राज और इसके तार दिल्ली में आलाकमान तक जुड़े हुए हैं**

उपयोग कर रहा था? कौन गुलछर्रे उडा रहा था? कौन अपनी राजनीतिक आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए उपयोग कर रहा था? किसने कहां प्रॉपर्टी बनाई? क्या इन सबकी जानकारी उसमें थी?

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजेन्द्र गुढ़ा ने कहा था कि डायरी में 500 करोड़ का हिसाब था। गुढ़ा को चुप रखने के लिए ही उन्हें मंत्री पद से नवाजा गया था, इसलिए वे ढाई साल तक चुप रहे। उन्होने जो प्रश्न खड़े किए, सरकार उन्हें झेल नहीं पा रही थी।

केन्द्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि ''लाल डायरी'' में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के चुनाव के लिए कब, किसको और कितना पैसा दिया गया? इसका भी हिसाब है। इससे सरकार की बौखलाहट स्पष्ट होती है। इससे यह भी समझ में आ रहा है कि क्यों गुढ़ा की बयानबाजी को इतने दिन तक गहलोत सहन कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि लाल डायरी का रहस्य जिस दिन खुलेगा, कई लोगों का राजनीतिक वजूद हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। राजस्थान में बढ़ रहे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर तंज कसते हुए शेखावत ने कहा कि गुढ़ा ने अजमेर ब्लैकमेल कांड के विषय में भी चर्चा की। पेपरलीक की डायरी निकलेगी, वह नीले रंग की होगी। माइनिंग माफिया की डायरी काले या पीले रंग की होगी। नौकरियों में हुए घोटाले की डायरी किसी और रंग होगी। पता नहीं, कितने रंग की डायरियां हैं। इनमें हजारों करोड़ रुपए के घोटालों की जानकारी है। राजस्थान की जनता इनके खुलासे का इंतजार कर रही है।

शेखावत ने कहा कि गरीब कल्याण के लिए बनी योजनाओं के पैसे डकार कर ऐसी लाल, पीली, हरी डायरियों में हिसाब लिखा गया है। कभी सरकार बचाने के लिए, कभी राज्यसभा का मेंबर बनाने के लिए, कभी बेटे को राज्यसभा का मैंबर बनाने के लिए और कभी अपने आकाओं को खुश करने के लिए इन डायरियों का उपयोग किया गया है। गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं में भ्रष्टाचार हो रहा है। उस भ्रष्टाचार से कमाए धन से राजनीतिक इच्छाओं की पूर्ति की जा रही है। इस डायरी से निकले जिन्न के सूत्र जयपुर से लेकर दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय को जोड़ने वाले हैं। इस पैसों का उपयोग आलाकमान को खुश रखने और अपनी कुर्सियां बचाने के लिए किया गया होगा।

शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार की नाकामियों का उजागर करने के लिए प्रदेश में नहीं सहेगा राजस्थान अभियान शुरू किया है। इसमें भ्रष्टाचार, पेपर लीक, माफियाराज, किसानों के खिलाफ वादा-खिलाफी आदि के प्रति जागरुकता पैदा की जाएगी। एक सवाल के जवाब में शेखावत ने कहा कि सरकार संसद में मणिपुर को लेकर डिबेट करना चाहती है, लेकिन जब चर्चा होगी तो विपक्ष पर भी उंगलियां उठेंगी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर उंगली उठेगी, इस बात के डर से विपक्ष चर्चा से भगा रहा है।

शेखावत ने कहा कि प्रदेश के मंत्री शांति घारीवाल द्वारा किए गए घोटालों की गूंज विधानसभा में कई बार सुनाई दी है। विधानसभा के पटल में मंत्री का दर्जा प्राप्त और सलाहकार के रूप में नामित विधायकों ने खड़े होकर मंत्री पर घोटालों का आरोप लगाया है। फिर भी मुख्यमंत्री कार्रवाई नहीं कर रहे। आलाकमान को चुनौती देते हुए वे अपने यहां विधायकों को बुलाकर मास सस्पेंशन करा दें, तब इसका उत्तर सामने आ जाता है कि यह जो राजदार है, वह आलाकमान से भी ज्यादा मुख्यमंत्री को प्रिय है। जिस दिन जांच होगी, राजस्थान में एक भी भ्रष्टाचारी बच नहीं पाएगा।

बच्चों ने पक्षियों के लिए तैयार किए 150 घरौंदे

मंत्री ममता भूपेश ने सोमवार को रेज एनजीओ के बच्चों द्वारा तैयार घरौंदों का निरीक्षण किया।

जयपुर। जयपुर के एक एनजीओ 'रेज़-आशा की एक किरण' के बच्चों ने महिला एवं बाल कल्याण विभाग, मंत्री ममता भूपेश बैरवा के साथ मिलकर सेंट्रल पार्क में पेड़ों पर घोंसले लगाए।

इस अवसर पर पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल; रेज़- आशा की एक किरण के सचिव, कैप्टन गुरिंदर विर्क; अध्यक्ष, रश्मि कुच्छल सहित एनजीओ के सदस्य मौजूद रहे। मंत्री ममता भूपेश बैरवा ने बच्चों द्वारा बेजुबान पक्षियों के लिए इस अनूठी पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बच्चों ने पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए बहुत ही सराहनीय प्रयास किया है। कैप्टन गुरिंदर विर्क ने बताया कि इस बार ग्रीष्मावकाश का सदुपयोग करते हुए बच्चों ने पक्षियों के लिए 150 घरौंदे तैयार किए। जिससे पक्षियों को भी इस गर्मी में अपना बसेरा मिल सकेगा। गौरतलब है कि रेज़- आशा की एक किरण संस्था वर्ष 2010 से एचआईवी संक्रमित व प्रभावित बच्चों के लिए कार्य कर रही है। रेज़ द्वारा राजस्थान में एचआईवी संक्रमित एवं इससे प्रभावित बच्चों का इलाज व देखभाल की जाती है और उन्हें अन्य आवश्यक सहयोगी सेवाएं प्रदान की जाती है।

राजस्थान के भाजपा सांसदों का दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन

राजस्थान में बढ़ते महिला अपराध और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर सोमवार को राजस्थान के भाजपा सांसदों ने संसद भवन परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के सामने विरोध-प्रदर्शन किया।

- **गहलोत महिलाओं को सुरक्षा देने में फेल, राजस्थान के गौरवशाली इतिहास को कलंकित किया : सी.पी.जोशी**

नई दिल्ली/जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी के नेतृत्व में सोमवार को राजस्थान के भाजपा सांसदों ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। राजस्थान में बढ़ते महिला अपराध और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर इन भाजपा सांसदों ने संसद भवन परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान उनके हाथों में दलितों पर अत्याचार नहीं सहेगा राजस्थान, हिंसा का स्थान बन गया है राजस्थान, अपराध बेलगाम नहीं सहेगा राजस्थान, झूठ की पोटली घोटालों का धंधा नहीं सहेगा राजस्थान....जैसे नारे लगी तख्तियां थी।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा राजस्थान में मीरा, पन्ना, कालीबाई और अमृता देवी जैसी महान नारियों का गौरवशाली इतिहास रहा है। प्रदेश की गहलोत सरकार ने पिछले साढे चार सालों में सिर्फ राजस्थान को कलंकित करने वाले ही काम किए है। राजस्थान में चाहे करौली हो, बालोतरा हो, खाजूवाला हो.. हर जगह महिलाओं-बच्चियों के साथ दुष्कर्म कर उन्हें मारने, जलाने और कुएं में फेंकने जैसी हृदय विदारक घटनाएं हो रही है। लगातार बढ़ती इस प्रकार की घटनाओं के कारण राजस्थान दुष्कर्म के मामलों में देश में नम्बर-1 पर पहुंच गया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा प्रदेश में दलित महिला का पति के सामने गैंगरेप कर उसका वीडियो वायरल कर दिया जाता है, लेकिन लोकसभा चुनाव के कारण मामले को दबाए रखा गया, बाद में धरने और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा थाने पर प्रदर्शन करने के बाद केस दर्ज किया जाता है। जब प्रियंका गांधी रणथम्भौर घूमने आई, तब वहां पर मूक बधिर बच्ची के साथ गैंगरेप करके उसे चौराहे पर फेंक दिया गया, लेकिन प्रियंका गांधी के जन्मदिन में कोई खलल ना पडे इसलिए राजस्थान सरकार ने इसे घटना करार दिया। प्रदेश की कांग्रेस सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल रही है।

'लाल डायरी सदन में टेबल करना चाहता था, मंत्री-विधायकों ने मारपीट कर छीनी'

विधानसभा से निष्कासित करने के बाद राजेन्द्र गुढ़ा ने जाहिर की पीड़ा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा से बाहर आने के बाद गुढ़ा ने आरोप लगाया कि वो लाल डायरी को विधानसभा के पटल रखना चाह रहे थे, लेकिन कांग्रेस के विधायक और मंत्रियों ने मेरे साथ मारपीट की और मुझसे वो डायरी छीन ली।

राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि मैंने इस सरकार को 2008 और 2018 में संकट के वक्त साथ दिया और आज उन्होंने ही मुझे विधानसभा के अंदर लात घूसे से मारा है। गुढ़ा ने कहा कि मैं लाल डायरी को सदन की पटल पर रखने के लिए लेकर गया था लेकिन मुझे इसकी अनुमति नहीं दी। इतना ही नहीं कांग्रेस के विधायक और मंत्रियों ने मुझे लात

बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा

घूंसे मारे, मुझे जबरन सदन से बाहर निकाला गया। मुझसे लाल डायरी का एक हिस्सा छीन लिया गया, लेकिन मैं उन्हें बता दूं कि अभी भी मेरे पास वह मेन डायरी बाकी है जिसमें उनके सारे कारनामे लिखे हुए हैं। गुढ़ा ने कहा कि मेरा कसूर सिर्फ इतना था कि मैं मेरे क्षेत्र में महिलाओं के और बच्चियों के साथ में हो रही दुष्कर्म के खिलाफ आवाज उठाई। अगर यह मेरी गलती है तो ऐसी गलती मैं लगातार करता रहूंगा। सच बोलने की सजा अगर मुझे मिली है तो यह सजा मैं भुगतने के लिए बार बार तैयार हूं। गुढ़ा ने कहा कि अगर मुझे महिलाओं बच्चियों की दुष्कर्म की आवाज उठाने पर जेल की सलाखों के पीछे भी डाल दे तो भी मैं जाने को तैयार हूं, लेकिन इस घमंडी और अहंकारी सरकार से अब जनता सड़कों पर जवाब मांगेगी। राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि जब कांग्रेस पर संकट आया था, तब मुख्यमंत्री ने मुझे बुलाकर कहा था कि वह लाल डायरी लेकर आओ, अगर वह लाल डायरी नहीं आई तो मैं बर्बाद हो जाऊंगा, यह सरकार गिर जाएगी, उन्होंने मुझसे कहा कि ये काम सिर्फ तू ही कर सकता है। मैं उनके कहने पर अपनी जान जोखिम में डालकर वह लाल डायरी लेकर आया, लेकिन आज मुझे बर्खास्त कर दिया गया। गुढ़ा ने कहा कि लाल डायरी लेने पर यही मुख्यमंत्री ने मुझसे कहा था कि मेरी वजह से न केवल उनकी सरकार बची है बल्कि वो खुद जेल जाने से बच गए। आज मुझे यह झूठे मुकदमों में जेल में डालने की तैयारी कर रहे हैं। गुढ़ा ने कहा कि अब मैं जनता के बीच जाऊंगा और उनके काले कारनामों को जनता के सामने रखूंगा।

कार चालक ने हैड कांस्टेबल को कुचला

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में पत्रकार कॉलोनी इलाके में रविवार देर रात एक कार चालक ने हैड कॉन्स्टेबल को टक्कर मार दी। इससे ज्योति नगर थाने के हैड कॉन्स्टेबल गणपत लाल यादव की दर्दनाक मौत हो गई। घटना गजसिंहपुरा के पास कुम्हारों का मोहल्ला के पास सुनसान रास्ते की है। हादसे के बाद गणपत बेहोश हो गया था। टक्कर के बाद चालक मौके से भाग निकला। स्थानीय लोगों ने गणपत लाल को बदरवास के पास एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना थाना पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया।

67500 रुपये के जाली नोट सहित एक गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी जयपुर के मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 67 हजार 500 रुपये के जाली नोट के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि गिरफ्तार पचास हजार रुपये के बदले एक लाख रुपये के जाली नोट अपने रिश्तेदार से लेकर आया था और कई जगहों पर उसने यह नकली नोट भी चलाए है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व ज्ञानचन्द यादव ने बताया कि पुलिस मुख्यालय से सूचना मिली थी कि मालपुरा गेट थाना इलाके में स्थित गली नंबर 2 रामसिंहपुरा में कमरुद्दीन के मकान में असलम नाम का व्यक्ति किराए से रहता है जिसके पास जाली नोट है साथ ही इन जाली नोटों को खुर्द-बुर्द किया जा सकता है। इस पर पुलिस टीम बताए गए पते में पहुंची। जहां असलम नाम का व्यक्ति खडा मिला उसकी तलाशी ली गई तो उसकी जेब से 500 रुपये के 97 नोट एवं 200 रुपये के 95 नोट कुल राशि 67 हजार 500 रुपये की जाली मुद्रा बरामद कर आरोपित को गिरफ्तार किया गया।

बस की टक्कर से छात्र की मौत

जयपुर। बजाज नगर इलाके में बस से उतरते वक्त एक छात्र बस के टायर के नीचे आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे एम्बुलेंस की मदद से उसे एसएमएस अस्पताल भिजवाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार ओम प्रकाश चौपडा निवासी धारेड़ा टोडारायसिंह ने मामला दर्ज कराया है कि उसका पुत्र कुलदीप चौपड़ा जयपुर में रहकर बीए थर्ड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। जो लक्ष्मी मंदिर सिनेमा टोंक रोड पर मिनी बस से नीचे उतर रहा था। इसी दौरान बस चालक ने बस चला दी। जिसे वह बस के पीछे वाले टायर के नीचे आ गया और उसकी मौत हो गई।

सार-समाचार

गिरिराज खंडेलवाल बने वि.स.प्रभारी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस सचिव गिरिराज खंडेलवाल को दौसा जिले के महुआ और सिकराय विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया है। गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि उनका प्रयास सभी नये-पुराने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को साथ लेकर इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस को विजयी बनाना रहेगा। उन्होंने कहा कि वे प्रत्येक बूथ पर कांग्रेस को बढ़त के ध्येय के साथ काम करेंगे। कांग्रेस अपनी विचारधारा और सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं के दम पर चुनाव जीते। इसके लिए सभी वर्गों को लेकर काम करेंगे। वरिष्ठ कांग्रेसजनों के मान-सम्मान और कार्यकर्ताओं के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

अभिनव स्वामी को मिला सम्मान

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान के सुप्रसिद्ध यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर के कोऑर्डिनेटर अभिनव स्वामी को ''भारत विभूति सम्मान'' स्पोर्ट्स मेंटोर से सम्मानित किया। उनको यह सम्मान पश्चिम बंगाल से सांसद खगेन मुर्मू , विधायक नंद किशोर जरूर, पूर्व आइएएस, डायरेक्टर इंडस्ट्रीज रंजीत सिंह, संस्था के संस्थापक अमरेंद्र पाठक ने प्रदान किया। यह कार्यक्रम समाज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली संस्था अमरेंद्र फाउंडेशन की ओर से 21 जुलाई को दिल्ली के भारतीय संविधान क्लब में आयोजित हुआ।

आयकर कार्मिकों ने दौड़ाई साईकिल

जयपुर। राजधानी में आयकर विभाग की ओर से स्टेच्यू सर्किल पर स्थित नव केंद्रीय राजस्व भवन में आयकर दिवस पर सोमवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम साइक्लोथॉन कार्यक्रम का शुभारंभ आयकर महानिदेशक (अन्वे.) के. वी. नरसिम्हाचार्य ने सुबह 6 बजे झंडी दिखाकर किया गया। आयकर विभाग के करीब 100 साईकिल चालको द्वारा आयकर कार्यालय से जवाहर सर्कल तक करीब 16 किलोमीटर की दूरी तय की गई। इसके बाद नई दिल्ली के केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अध्यक्ष नितिन गुप्ता के भाषण का सीधा प्रसारण सुना गया। जिसमे उनके द्वारा आयकर विभाग के राष्ट्र निर्माण में योगदान का उल्लेख किया गया। इस क्रम में आयकर कार्यालय, जयपुर परिसर में चिकित्सा स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त प्रशांत भूषण ने किया। शिविर में 300 से अधिक आयकर विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने डॉक्टर्स व विशेषज्ञों से जांच कराकर स्वास्थ्य लाभ लिया। चिकित्सा स्वास्थ्य जांच के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 50 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर डॉक्टर के. के. शर्मा एवं डॉ. निशा गौर द्वारा हेल्थ के विभिन्न पहलुओं पर आयकर विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को व्याखान दिया गया। शाम को आयकर विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के परिवार के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमे करीब 38 बच्चों ने भाग लेकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। समारोह के अंत में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा दिए गए भाषण का सीधा प्रसारण ऑनलाइन माध्यम से हुआ।

मॉडल टाउन में पेयजल संकट गहराया

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर शहर की लाइफ लाइन बताई जाने वाले बीसलपुर बांध के लबालब भरे जाने के बावजूद राजधानी के निवासी पीने के पानी के लिए तरस रहे है। राजधानी के कुछ ऐसे इलाके हैं जहां आज भी लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। शहर की मुख्य कॉलोनी मालवीय नगर से सटे मॉडल टावर में प्रेशर से पानी नहीं देने के कारण घरों में पानी नहीं पहुँच रहा है। मॉडल टाउन डी ब्लॉक के निवासी और वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद ओझा ने इस ज्वलंत समस्या के समाधान के लिए राज्य के मुख्यमंत्री को लिखा है। ओझा ने बताया की उनकी कॉलोनी में काफी अरसे से पेयजल की किल्लत चल रही है। लोग एक एक बूँद पानी के लिए तरस रहे है।

पंजाब नेशनल बैंक ने 86.34 करोड़ रुपये के ऋण बांटे

पंजाब नेशनल बैंक की ओर से एमएसएमई ऋण शिविर लगाया गया।

जयपुर (कासं)। पंजाब नेशनल बैंक के जयपुर-अजमेर मंडल कार्यालय की ओर से सोमवार को एम.एम.एम.ई. शिविर लगाकर करीब 86.34 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए हैं।

शिविर का आयोजन अंचल प्रमुख आर.के.बाजपेयी व उप अंचल प्रमुख एस.एस.सिंह व मंडल प्रमुख राम किशोर मीना के मार्गदर्शन में किया गया। इस ऋण शिविर में 66 खातों में 86.34 करोड़ रुपए के ऋण मौके पर ही स्वीकृत किए गए। बैंक के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न ऋण योजना व अन्य ऋण की योजनाओं की जानकारी दी गई। मण्डल प्रमुख राम किशोर मीना ने बताया कि पीएनबी जीएसटी एक्सप्रेस ऋण योजना के तहत जीएसटी टर्नओवर के 25 प्रतिशत के बराबर ऋण सीमा स्वीकृत की जा रही है। जिसे व्यापारियों द्वारा सराहनीय बताया गया। इस मौके पर एमसीसी प्रमुख अमित कुमार एवं रूपेश रोशन, तथा मानवेंद्र सिंह, संजय जैन आदि उपस्थित थे।

'सतत विकास के लिए शिक्षा जरूरी'

जयपुर। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर ने पीजीडीएम के 18वें बैच के लिए इंडक्शन प्रोग्राम के तहत ''यूएन पीआरएमई जयपुर चैप्टर मीट'' का आयोजन किया गया। जयपुरिया जयपुर के निदेशक डॉ. प्रभात पंकज ने अपने स्वागत भाषण में कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर अपने विचार रखे। इस सत्र के दौरान विभिन्न विषयों पर एक पैनल टॉक का आयोजन किया गया। पैनल टॉक का संचालन यूएन पीआरएमई इंडिया चैप्टर हेड डॉ. चंद्रिका परमार और प्रोफेसर एसपी जैन ने किया। डॉ. चंद्रिका ने यूएन पीआरएमई ब्लू प्रिंट : प्रबंधन शिक्षा में स्थिरता को एकीकृत करने के बारे में उदबोधन दिया। उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए शिक्षा जरूरी है। यह बिजनेस स्कूलों और विश्वविद्यालयों के लिए पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए एक व्यापक ढांचा और दिशा-निर्देश प्रदान करता है जो पर्यावरणीय, सामाजिक और नैतिक चुनौतियों का समाधान करता है। यह भविष्य के प्रबंधकों और नेताओं के बीच जिम्मेदार नेतृत्व और टिकाऊ व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ाता है।

संगीत प्रतियोगिता में डॉक्टर्स सम्मानित

एस.बी.आई. डीएमपीएल सीजन-2 के समापन समारोह में डॉ. सुधीर भंडारी में विजेता डॉक्टर्स को सम्मानित किया।

जयपुर, (का.सं.)। मेडिकोज सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा आयोजित डॉक्टर्स की गायन प्रतियोगिता एसबीआई डीएमपीएल सीजन 2 का फाइनल राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। आयोजन अध्यक्ष डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि समापन समारोह व अवार्ड सेरेमनी के मुख्य अतिथि राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज के वाईस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी थे।

इस अवसर पर गेस्ट ऑफ़ ऑनर आरयूएचएस के प्रो.वी.सी. डॉ. अमरजीत मेहता, एसबीआई के एजीएम रमेश टाक, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ़ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के चेयर पर्सन डॉ. विकास स्वर्णकार, बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय, प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. प्रकाश चांदवानी, एमिटी यूनिवर्सिटी के वी.सी. डॉ.अमित जैन व एमिटी यूनिवर्सिटी के प्रो वी.सी. डॉ. असेरी थे।

आयोजन सचिव डॉ.अनिल यादव ने बताया कि एकल, युगल व सामूहिक गायन के कई राउंड होने के बाद विजेता का फैसला हुआ। सीकेएस -त्यागी आई हॉस्पिटल विजेता रही। श्री कृष्णा हॉस्पिटल उप विजेता रही। एएलसीएस-एशियन कैंसर व सीतादेवी हॉस्पिटल ने सेकंड रनर अप स्थान प्राप्त किया। चीफ कॉर्डिनेटर डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के वाईस चांसलर डॉ. सुधीर भण्डारी ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. भंडारी, गेस्ट ऑफ़ ओनर रमेश टांक, डॉ. अमरजीत मेहता, बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय ने ज्यूरी मेंबर्स, टीम ऑनर्स व स्पॉन्सर्स को सम्मानित किया। चीफ कॉर्डिनेटर डॉ. हर्षुल टाक ने बताया कि बॉलीवुड सिंगर रविन्द्र उपाध्याय ने अपने गाए हुए कई गीतों की दमदार प्रस्तुति देकर दर्शकों में जोश भर दिया। इस अवसर पर जयपुर के उभरते गायक श्रेय शर्मा ने भी अपनी प्रस्तुति दी। लीग कोऑर्डिनेटर डॉ. रविन्द्र सिसोदिया ने इस अवसर पर डॉ. संदीप निझावन, डॉ.जयंत शर्मा, डॉ. अतुल पुरोहित, डॉ. राहुल जैन सहित कई लोग मौजूद थे।

ARBiT
it happens here...

Creme Brûlée Day

Rich, creamy custard topped with a layer of crunchy caramelized sugar: try making your own cremebrûlée or treat yourself to a dessert after a nice dinner out.Crème Brûlée is decadence incarnate, a rich creamy custard topped with a layer of hard caramel, combining the best of crunchy and creamy together into a single bite. It is seen as a mark of elegance, as one of the hallmark desserts of Paris, and National CremeBrûlée Day is here to celebrate it!

राष्ट्रदूत
TUESDAY
25 July 2023
A-B

#YOGA

Best Yoga Poses To Do Every Day

Looking for the best of the best? Here, we share some of the most beneficial yoga poses to do every day.

If you like the idea of an hour-long yoga flow but simply don't have that much time, you can zero in on the most beneficial yoga poses and focus on them instead. By whittling down the yoga roster to a few choice postures, it's possible to reap all the same benefits with no major commitment required.

If you want to stretch all your major muscles, simply pick a variety of multi-beneficial poses and drop into them throughout your day. As long as you do them regularly, you'll feel the perks.

Since yoga is a mind-body practice, the benefits of doing yoga every day will not only result in physical adaptations like strength and flexibility, but will also help improve your mental health and ability to regulate your thoughts and emotions.

"A little can definitely help and add up over time, so really, the best time to stretch is whenever you can make it happen."

Downward Dog

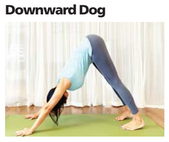

Downward dog is one of the foundational yoga poses. Not only is it grounding, but it also serves as a way to check in with yourself and see where you're at in your practice.

As a bonus, the pose stretches your entire back body, including your hamstrings and calves and it provides a boost of energy by increasing your circulation.

- Start on your hands and knees.
- Lift your hips up and back.
- Keep a micro bend in your knees.
- Lower your head to create an inverted V-shape with your body.
- Press your hands firmly into the mat and actively engage your core.
- Focus on lengthening your spine.
- Relax your neck and shoulders.
- Pump your heels up and down if you like.
- Hold the pose for five to 10 breaths.

Garland Pose

The infamous low yogi squat, or garland pose, is an ideal way to open up tight hips. Try it mid-afternoon for the ultimate stretch break.

- Stand with your feet mat-width apart.
- Point your toes out.
- Lower your hips and bum as close to the mat as you can.
- Use your elbows to press into your knees to help widen your legs.

Supine Spinal Twist

A supine spinal twist is one of the best ways to release tension in your back and hips. It's also said to improve digestion, which is a great perk whenever you feel bloated.

- Lie on your back.
- Bring your knees in towards your chest.
- Let your knees drop to one side.
- Keep both shoulders relaxed on the ground.
- Hold for five to eight breaths, then switch sides.
- Bring your hands to your chest.
- Keep your back straight and shoulders relaxed.
- Lengthen through the crown of your head.
- Press into your feet for balance.
- Hold for five to eight breaths.

Cobra Pose

Cobra pose is a one-stop shop for all your yoga needs. It

opens your heart chakra, eases lower back pain, and helps improves your posture thanks to the way it pushes your shoulders back and down.

Do it regularly and you'll stand up a little straighter.

- Lie face-down on your mat.
- Place your palms under your shoulders.
- Inhale as you press into your hips and the tops of your feet.
- Lift your upper body off the mat.
- Keep your elbows in at your sides.
- Keep your neck and shoulders neutral.
- Hold for five to eight breaths.

Triangle Pose

This standing pose stretches the legs, hips, and side body. It also helps to improve balance and strengthens the legs and core.

- Step your feet wide apart.
- Turn your front foot so it points forward.
- Extend your arms out to your sides, parallel to the floor.
- Lean your torso to the side, keeping your legs straight.
- Reach your front hand towards the front foot.
- Extend your other arm up to the ceiling.
- Look up.
- Hold the pose for 30 seconds to one minute.
- Repeat on the other side.

The Idice River battle was a grim struggle with hand-to-hand fighting and severe casualties for three-and-a-half hours before both the banks of the river and the bridges were secured. Two out of the four Company Commanders were killed, and the other two severely wounded. It was a remarkable action and an example of gallantry, spirit, leadership, and true grit. The captured prisoners of war later revealed that the position had been held by about 150 to 180 Germans of the elite Parachute Division. The significance of this attack and breakthrough of the Ghengis Khan Line elsewhere is that it shattered German resistance in Italy, and they surrendered on 2 May 1945

Lt Gen Aditya Singh (Retd)
Deccan Horse
Veteran

Breaching Ghengis Khan Line (...2)

#BATTLEFIELD

As the Germans were reeling under the Allied onslaught in 1944, 1/2 Punjab was a part of 10th Indian Division with 8th Army in north-central Italy and constantly engaged in battle. These continued after my father took command in November 1944, with brief periods of respite and his Battalion fought notable actions at Pideura, Faenza and Albereto all listed in the Official History.

It was in early spring of 1945 that the final thrust was undertaken North-westwards from River Lamone to secure the German held line of Idice River that was christened by them as the 'Ghengis Khan Line'.

The major battle was from 17 to 21 April 1945, as depicted on Map 1. The objective was to break through the Ghengis Khan Line and secure the plains of River Po and then advance towards Padua and Venice.

The Idice River was a part of this defensive line and strongly held by the Germans. The 10th Indian Division was tasked to secure crossings across the river. This attack commenced at 22:00 hours on 19 April 1945, with 1/2 Punjab in the vanguard.

The start line was Florentine and the Battalion was first tasked to advance and capture the village of Il Cassino. Thereafter, it was to go North and secure a crossing over the Idice River at Lupara. 1/2 Punjab fought through the night and captured Il Cassino by 06:00 hours on 20 April 1945.

While consolidating after battle at Il Cassino, 1/2 Punjab received new orders at 09:20 hours that the objective was changed and the Battalion was now to capture the rail and road bridges south of Mezzolara 'at the earliest and at any cost'. 'No plan survives the first shot' is an old military adage, but to suddenly be told that the objective has been shifted from a relatively obscure site to two very strongly held bridges must have come as a shocker.

The order 'earliest and at all costs' from higher HQ implied that the objectives were vital for furtherance of operations in the theatre. Against this were factors that:

- The Battalion was confronted with a formidable obstacle, the details of which were not known.
- The two bridges were likely to be strongly held with strength and dispositions unknown.
- There was no time for preparation or reconnaissance.
- Orders directed that the attack was to be earliest, i.e. from the line of march.
- This implied a frontal, daylight assault in open country.
- All this when the Battalion had been advancing and fighting for the past 12 hours.

For a military mind, each factor mentioned above, individually constitutes an element for failure; all combined, it was a recipe for disaster.

It is here that aspects of leadership, battle experience, boldness, determination to confront the unexpected, faith and fate come into play. As CO and being fully aware of the importance of the crossings and urgency in their capture, he would have spoken to his officers and men and motivated them for the task ahead. In such cases, it is personal example and commitment which inspires men to go beyond the call of duty.

For the task, 1/2 Punjab was allotted one Machine Gun Platoon, one Heavy Mortar Platoon and C Squadron 6th Battalion Royal Tank Regiment (RTR) less two troops. The Battalion was to attack with A and D Companies up, with B and C Companies in reserve. The attack commenced in the evening of 20th April 1945, supported and covered by artillery, tank and machine gun fire. It was daylight and open country.

The operation involved capture of the near bank bund, crossing a deep river with steep banks, clambering up and securing the far bank bund. In addition, there would have been mines and wire entanglements, all effectively covered by machinegun fire. The two bridges would have been strongly defended and possibly, wired for demolition. All told, it was a very complex undertaking.

Official History

The Germans held their fire till the Companies were within 400m and then opened up from all sides. The two leading Companies continued to advance and fought their way to the near bank of the river where they were pinned down. Some men of D Company made it to the far bank. Withdrawal was out of the question and the reserve Companies were sent to break the stalemate.

It was a grim struggle with hand-to-hand fighting and severe casualties for the next three-and-a-half hours before both the banks of the river and the bridges were secured. Two out of the four Company Commanders were killed, and the other two severely wounded. It was a remarkable action and an example of gallantry, spirit, leadership, and true grit.

The Official History has a detailed record of the Battle and the last paragraph is indicative of the mayhem it must have been:

"The two platoons of D Company on the far bank (of Idice River) had fought to the last man and the last round. They had stuck to their posts and died fighting bravely against heavy odds. Bodies collected later showed many bayonet wounds, their own bayonets were covered with blood. Thus ended the heroic struggle to establish a bridgehead over the Idice River. It was the Battalion's finest effort and a glorious hour of trial."

The river was secured by 06:15 hours on 21 April 1945, and the advance carried on to Mezzolara, which was captured by 09:15 hours. The captured prisoners of war later revealed that the position had been held by about 150 to 180 Germans of the elite Parachute Division.

Lt Col T Mahadeo Singh being invested with the DSO in 1946 by Fd Mshl Sir Claude Auchinleck, Commander-in-Chief Indian Army.

The significance of this attack and breakthrough of the Ghengis Khan Line elsewhere is that it shattered German resistance in Italy, and they surrendered on 2 May 1945. The battle, though costly in terms of lives lost, achieved its objective.

To read the account, register, and relive this battle onsite was awe-inspiring and filled me with pride. I am convinced that this attack in which victory was obtained against all odds holds lessons for military men and is proof that leadership and determination can overcome the impossible.

Ghengis Khan Line

We may live in a changed world, but conflict remains a part of human nature. We saw such situations in Kargil. Our officers and soldiers, therefore, have to be prepared for such contingencies as a large portion of the obstacle system across our western border is similar to that of the Ghengis Khan Line. Study and relevance of this action in the current scenario is thus necessary and justified.

For me, personally, the river crossing site and railway bridge was a shrine and fulfilment my pilgrimage in every way, I paid homage to the fallen heroes and saluted in their memory - it was indeed one of the finest days of my life.

On my return to India I was determined to gather more details. I visited the History Division of the Ministry of Defence and met its Director, Dr Narender Yadav. He was most forthcoming and readily produced an eight-inch high pile of files of the WW II records of 1/2 Punjab.

Every page of the War Diary, patrol reports, strength returns, messages, and notes were available. It was a pleasure to see details of operations recorded in my father's hand and in particular, a three-page cyclostyled account of the Idice River Battle with names of those involved. Two extracts wherein he has written about the Artillery Observation Post Officer are interesting:

"The Arty O.P. Offr Lt Spiro describing the action said that he had read of similar accounts in books but had never seen them. When one man fell, other came forward to take his place and the advance continued under most withering fire.

Lt Spiro, R.A. FOO of A Coy, on Sub Sainchi Khan being wounded, though handicapped by language difficulty coordinated the Coy's efforts most ably and admirably, directed the arty fire which later in the night broke up another counter-attack and knocked out two men S.Ps and one armoured vehicle within 350 yards of the far bank. The efforts of this officer will always be cherished with great memory in the Bn."

Dr Narender Yadav kindly permitted copies to be made of some documents for my record. One which I think is relevant to this write-up is a photograph of the page of the War Diary of the Battle.

The War in Italy ended on 2 May 1945. The award of the DSO was announced in the London Gazette on 13 December 1945, and the investiture took place at a parade on the Battalion's return to Meerut in 1946.

Epilogue

After commanding his Battalion, my father was the Chief Instructor at the Indian Military Academy and took over as its first Indian Commandant in 1947. He was also the first Commandant of the Joint Services Wing, the forerunner to National Defence Academy (NDA). He retired as the Adjutant General in 1956 at the age of 49 and passed away in 1963, the day I left to join the NDA. I was very young and never had a chance to speak about his experiences.

This pilgrimage therefore, has allowed me to fill this important void, and more importantly, transcribe a record of his deeds.

Unit command is the ultimate for any soldier; and to do so successfully in war would have been the acme of his military service.

In 2019, his alma mater - Rashtriya Indian Military College (RIMC) - honoured him in a calendar of WWII heroes. Coincidentally, while we were locked down, IMA dedicated the month of April to his memory.

In recognition of its senior-most status, 1/2 Punjab became 1st Battalion, the Parachute Regiment (1 Para). It was later converted to a Special Forces Battalion and continues to earn laurels.

As I mentioned in earlier, everything fell into place and in hindsight. For one, I am convinced that my pilgrimage was a *'pukar'* (call) guided by destiny. This covered even extended to a 250 km-drive in Italy. Not only that, with Covid-19 now the 'New Normal', there could not have been any Italian sojourn in 2020!

Another reason why this is special is that I am not aware of anyone else in India who has visited battlefields, much less the site of a spectacular Indian victory, where his father fought in Europe during World War II. The pilgrimage was thus destined and worth recalling for a formal record.

Concluded

writetoarbit@rashtradoot.com

*Lt Gen Aditya Singh, PVSM, AVSM** (Retd) is an alumnus of Mayo College, Ajmer, the National Defence Academy and The National Defence College, New Delhi. A fourth-generation Army Officer, he was commissioned into The Deccan Horse, in 1967. He is a graduate of Staff College, Camberly (UK). He was Commander-in-Chief of the Andaman and Nicobar Tri-Service Command post the tsunami of Dec 2004, and thereafter commanded the Southern Army till his retirement in 2007. He later*

Hats off and a Salute to the Fallen

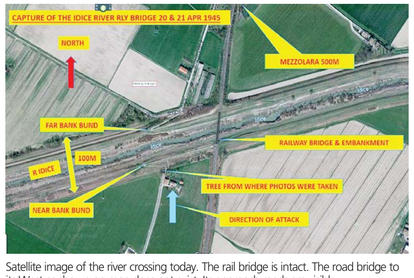

Satellite image of the river crossing today. The rail bridge is intact. The road bridge to its West as shown on map does not exist. Its approach roads are visible.

#SPACE

James Webb Telescope

The observatory has yielded jaw-dropping shots-and surprising facts-about our universe

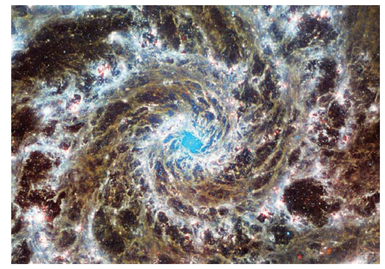

The James Webb Space Telescope, the largest and most sophisticated space observatory ever built, has been sending back images and data for almost a full year now-and in that time it has delivered a treasure trove of information about everything from stars and planetary systems in our own galactic neighbourhood to distant galaxies that formed when the universe was a tiny fraction of its current age.

Webb has also sent back stunning images that surpass those garnered by its famous predecessor, the Hubble Space Telescope.

Webb and Hubble are quite different instruments. For starters, while Hubble is primarily sensitive to visible light, Webb records infrared light that's invisible to the unaided eye.

These longer wavelengths of light pass through clouds of gas and dust that block visible light, letting the telescope peer past such obstacles.

It also has a size advantage: While Hubble's main mirror is 8 feet across, Webb employs an array of 18 small hexagonal mirrors that function like a single mirror 21 feet across.

Webb has yielded many more illuminating images, and we've picked our favourites and detailed their importance below.

An Iconic Image

You've almost certainly seen the iconic Hubble Space Telescope image dubbed "The Pillars of Creation." It shows billowing clouds of dark gas-part of the Eagle Nebula-against a bright, colourful background, with hundreds of stars twinkling in front of and behind the structure.

But as stunning as the Hubble image was, Webb has revealed even more of this scene.

For starters, it has brought into view the young red stars that are sprinkled throughout the nebulous clouds.

Astronomers call them "protostars," because they're not yet massive enough and hot enough to burn hydrogen in their cores.

These young stars were obscured behind the dust and gas in the original Hubble image, explains Anton Koekemoer, an astronomer at the Space Telescope Science Institute in Baltimore.

"Because these clouds are so dense and full of dust, when Hubble looked at them it only saw their outer surface," he says. "We couldn't really look inside them."

Now, thanks to the dust-penetrating power of Webb, astronomers can glimpse these star-forming regions deep inside the nebula, which is located some 7,000 light-years from Earth.

Koekemoer describes it as a "laboratory" for studying star formation.

Capturing An Exoplanet

By now, astronomers have inferred the existence of thousands of exoplanets-planets orbiting stars beyond our own solar system.

But actually photographing these distant worlds is a challenge-primarily because their dim light is overwhelmed by the light of their host star.

Nonetheless, the new telescope has pulled it off, imaging a planet called HIP 65426 b using an instrument called a coronagraph that blocks out the light from the star.

Probing a Planetary Atmosphere

One of Webb's most remarkable achievements is its ability to garner information about the atmospheres of planets orbiting stars hundreds of light-years from Earth.

One of those is a gas giant planet dubbed WASP-39 b, which is roughly as massive as Saturn but revolves around its host star in a much tighter orbit than Mercury's orbit around the sun.

Astronomers used instruments on board Webb to record the spectrum of the planet's atmosphere, which in turn provides clues as to what chemicals are found there.

And they've turned up a whole slew of atomic and molecular gases, including water vapor, sulfur dioxide, carbon monoxide, sodium and potassium.

"Cosmic Cliffs"

One of the most striking images to come from Webb so far is the so-called "Cosmic Cliffs," a cloud of gas and dust in the Carina Nebula, located about 7,500 light-years from Earth.

The region got its nickname because the gaseous "cliffs" seem to resemble a mountain range, though the structures are actually dust clouds being eroded by blasts of ultraviolet light from newly formed stars.

What looks like steam rising from the celestial "mountains" is actually ionized gas and hot dust being blown by the radiation.

As with many of Webb's targets, this nebular region was previously known to astronomers, but it takes on a whole new appearance thanks to the observatory's ability to see in the infrared, allowing it to penetrate clouds of dust that would have stymied the Hubble Space Telescope as well as ground-based telescopes.

A Family of Galaxies Interact

One of Webb's first images was of a tightly clustered group of galaxies known as Stephan's Quintet. Four of the five galaxies in the image are interacting with each other gravitationally; the fifth is actually in the foreground and merely appears to be a part of the group.

Clusters like Stephan's Quintet offer a chance to study how galaxies interact and sometimes merge. Physicists believe galaxy mergers would have been common in the early universe and that such mergers were one of the principal ways in which large galaxies, like those we observe today, came into existence. These inter-galaxy interactions can also trigger star formation and the formation of black holes.

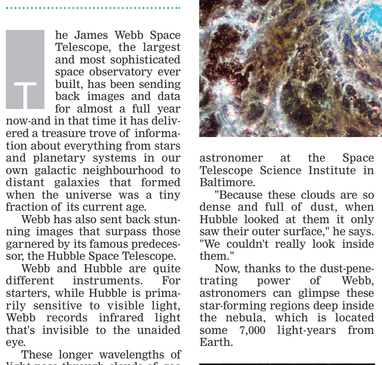

THE WALL

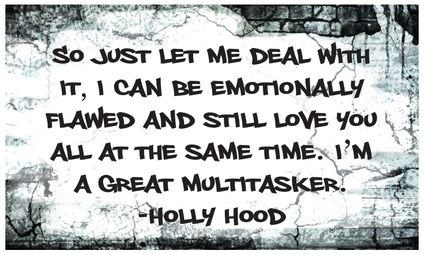

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

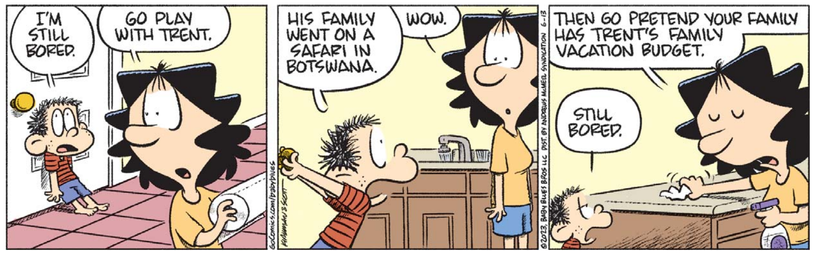

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

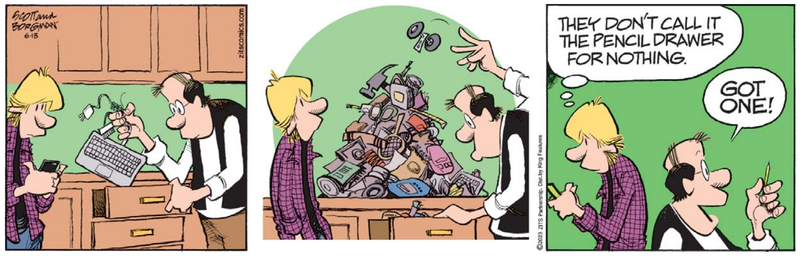

कपासन में तालाब का पानी लाने की मांग को लेकर प्रदर्शन

कलेक्टर से मुलाकात कर समस्या की जानकारी देकर मांगें रखी

कपासन, (निसं)। कस्बे की पेयजल समस्या और तालाब में पानी लाने की मांग को लेकर संघर्ष समिति के सदस्य महिला-पुरुषों ने सोमवार को चित्तौड़गढ़ कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कलेक्टर से मुलाकात कर उन्हें समस्या की जानकारी देकर अपनी मांगें रखी।

कस्बे की पेयजल समस्या के निराकरण के लिए राजेश्वर सरोवर तालाब में बनास नदी से बनी फीडर से पानी लाने और मातृकुंडिया डैम से नई फीडर बनवाने की मांग को लेकर सोमवार को कई महिला पुरुष बस से चित्तौड़गढ़ पहुंचे और वहां कलेक्ट्रेट के बाहर अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद कलेक्टर पीयूष सामरिया से मिलकर कस्बे के तालाब में पानी नहीं आने से पेयजल समस्या के बारे में बताया और समस्या के निराकरण के लिए राजसमंद जिले के बनास नदी से आने वाली फीडर से पानी लाने और मातृकुंडिया डैम से नई फीडर बनाकर पानी लाने की मांग की गई।

कलेक्टर ने इस पर कार्रवाई करवाने का आश्वासन दिया। इस संबंध में महिला पुरुषों ने अपनी मांगों के संबंध में मुख्य मंत्री के नाम एक ज्ञापन एडीएम अभिषेक गोयल को दिया। इस समस्या को लेकर पूरा कपासन बंद रहा। साथ ही पहले दो तीन दिन से कपासन में धरना प्रदर्शन किया जा रहा था और सोमवार को चित्तौड़गढ़ जाकर प्रदर्शन कर कलेक्टर से मुलाकात कर समस्या बताई। हाल ही में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दौरे में कपासन कस्बे की पेयजल समस्या के निराकरण पूरी के लिए जल्द से जल्द डीपीआर बनाकर मातृकुंडिया डेम से तालाब भरने की बात कही थी, लेकिन पूर्व में सिंदेसर फीडर से आने वाला पानी भी बंद हो गया है। मातृकुंडिया से कपासन तक आने वाले समीप स्थित इस फीडर को कई लोगों ने बंद कर दिया है इसलिए पानी नहीं आ पा रहा है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि सिंदेसर फीडर के अलावा डिंडोली गांव के पास गणेशपुरा की नहर से पानी लाया जा सकता है या गणेश पुरा से दोवनी होते हुए भी पानी की आपूर्ति की जा सकती है। उन्होंने शीघ्र ही राजराजेश्वर तालाब और धमाणा तालाब को भरने की मांग की है और चेतावनी दी है कि सात दिन में समस्या का समाधान नहीं होने पर कपासन की महिलाएं और नगरवासी पांच बत्ती चौराहे पर भूख हड़ताल करेंगे। वर्तमान में जलदाय विभाग द्वारा एक दिन छोड़कर एक दिन मुश्किल से लगभग पौन घंटे के लिए पानी की आपूर्ति की जा रही है जो ऊंट के मुंह में जीरे के समान है।

कपासन में तालाब का पानी लाने की मांग को लेकर लोगों ने चित्तौड़गढ़ कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

- राजेश्वर सरोवर तालाब में बनास नदी से बनी फीडर से पानी लाने और मातृकुंडिया डैम से नई फीडर बनवाने की मांग

पट्टे बनवाने की मांग को लेकर पार्षदों ने प्रदर्शन किया

पट्टे बनाने की मांग को लेकर पार्षदों ने नगर परिषद में सभापति के चैम्बर के सामने प्रदर्शन किया।

चूरू, (कासं)। एक प्रकार से चूरू में सभापति पायल सैनी के खिलाफ खुद कांग्रेस के पार्षदों ने ही विरोध प्रदर्शन करके भाजपा द्वारा उन पर लगातार लगाए जा रहे गम्भीर आरोपों की पुष्टि कर दी है। उधर 6 माह में चूरू कलैक्टर को 4 बार ज्ञापन देने के बाद भी पट्टे नहीं बनना नागरिकों के साथ अन्याय और मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ मजाक है।

सोमवार को वार्ड संख्या 2 व 4 में पट्टे बनाने की मांग को लेकर पार्षद अंजनी शर्मा के साथ कांग्रेस के पार्षदों ने नगर परिषद में सभापति के चैम्बर के सामने बैठकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया और नगर परिषद् आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। आयुक्त ने 15 दिन में पट्टे बनाने का आश्वासन दिया। इसके बाद वार्ड पार्षद अंजनी शर्मा व पार्षद हुस्ना बानो के नेतृत्व में वार्डवासियों ने जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि नगरपरिषद् कर्मचारी विकास देव द्वारा हमारी फाइलों पर अभी तक रिपोर्ट नहीं की गई। ना ही हमारी फाइल बता रहा है। पिछले 6 महीनों में आपको 4 बार ज्ञापन देने के लिए आ चुके हैं लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। संबंधित कर्मचारी को पाबंद करने और उस पर नोटिस की कार्रवाई कर पट्टे की प्रक्रिया को जल्द ही शुरू करवाया जाए। अन्यथा मजबूरन हमें आन्दोलन करना पड़ेगा।

इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में यूनुस खान, भंवरलाल सोनी, सुनील जालूका, युसूफ, हेमराज सैनी, इब्राहिम, गुलाम मोहम्मद, नीरज, असगर खान, सत्तार, दिलीप कुमार, बनवारी लाल, गोरूराम, लादूराम, संतलाल, फुलेखां, सुल्तान, आमिन, जाफर, फारुख, साजिद, मुकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में वार्ड वासी उपस्थित थे। कुल मिलाकर प्रशासन और कांग्रेस के बड़े नेताओं द्वारा किए जा रहे दावों की पोल खुल गई है।

जेल में बंद आरोपी को वी.सी. के जरिए सुनाई सजा

सुजानगढ़, (निसं)। बोलेरो चोरी के दस साल पुराने मामले में एसीजेएम नवनीत अग्रवाल ने अजमेर जेल में बंद आरोपी कुलदीप उर्फ टीकू को तीन साल के कारावास एवं बीस हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। सुजानगढ़ न्यायिक इतिहास में यह पहला अवसर है, जब किसी आरोपी को विडियो कॉन्फ्रेन्सिग के जरिए सजा सुनाई गई है।

अभियोजन अधिकारी महेश नेहरा ने बताया कि 19 फरवरी 2013 को दीपसिंह राजपूत निवासी घाटवा, पुलिस थाना चितावा जिला नागौर ने सालासर थाने में रिपोर्ट दी कि गांव बामणियां में सुल्तानसिंह राजपूत के घर के आगे से किसी अज्ञात व्यक्ति ने मेरी बोलेरो कार चोरी कर ली। एक मार्च 2013 को नीमकाथाना में प्रोपर्टी डीलर सुआलाल जाखड के साथ हुई लूट में उक्त चोरीशुदा बोलेरो काम में ली गई। नीमकाथाना पुलिस ने लूट की वारदात में काम ली गई बोलेरो को जब्त करते हुए उसमें सवार आरोपी कुलदीप उर्फ टीकू पुत्र अमरसिंह निवासी सुभाष मंडी, नीमकाथाना, मनोज उर्फ डोल्डा पुत्र होशियारसिंह निवासी जोधपुरा, उदयपुरवाटी, सोहनलाल उर्फ सोनू पुत्र सुबेसिंह जाट निवासी कैरवाली, पुलिस थाना सदर, सीकर को गिरफ्तार किया।

- बोलेरो चोरी के दस साल पुराने मामले में तीन साल का कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया

जिनके खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया गया। प्रकरण में आरोपी मनोज व सोहनलाल फरार हो गए। एसीजेएम नवनीत अग्रवाल ने पत्रावली पर उपलब्ध मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद आरोपी कुलदीप उर्फ टीकू को विडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिए तीन वर्ष के साधारण कारावास एवं बीस हजार रूपये के जुर्माने तथा अदम अदायगी नहीं होने पर तीन माह के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई। आरोपी कुलदीप उर्फ टिंकू के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी, अपहरण, लूट, धोखाधडी, मारपीट के 23 मुकदमें दर्ज है। प्रकरण में राज्य सरकार की ओर से अभियोजन अधिकारी महेश नेहरा ने पैरवी की।

डूबने से नाबालिग की मौत

सुजानगढ़, (निसं)। शहर के एक लड़के की स्विमिंग पुल में नहाने के दौरान मौत हो गई। लाडनूं थाने के हैड कांस्टेबल गजेन्द्रसिंह ने बताया कि कुणाल पुत्र प्रेमसुख नाई उम्र 17 वर्ष निवासी रेलवे फाटक नं. 3 सुजानगढ़ अपने ननिहाल बाडेला आया हुआ था। कुणाल बाडेला में स्थित स्विमिंग पुल में नहाने के लिए गया था, जो कि वहां डूब गया। जिस पर वहां उपस्थित लोगों ने उसे आनन-फानन में लाडनूं के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हैड कांस्टेबल गजेन्द्रसिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है तथा उसके शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों के आने पर मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम करवाया जायेगा।

बिल्डिंग निर्माण में काम करने वाले मजदूर की करंट से मौत

परिजनों का आरोप है कि ठेकेदार से पैसा मांगने पर उसे धक्का दिया था

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना क्षेत्र में बिल्डिंग निर्माण में काम करने वाले मजदूर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मजदूर करंट की चपेट में आया। परिजनों का आरोप है कि ठेकेदार से पैसा मांगने पर उसे धक्का दिया। इसके बाद वो नीचे पड़े बिजली के तार पर जा गिरा। अचेत हालात में उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल लाया गया। जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया।

पोस्टमार्टम के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए एमबीएस हॉस्पिटल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया है। कुंवर सिंह (34) करौली जिले का रहने वाला था। मार्बल फिटिंग का काम करता था। चचेरे भाई वीपी सिंह ने बताया कि 3 महीने पहले ही कुंवर सिंह मजदूरी के लिए कोटा आया था। ठेकेदार के पास काम करता था। विज्ञान नगर इलाके में एक कोचिंग की बिल्डिंग का निर्माण चल रहा है। ठेकेदार ने तीन महीने से कुंवर सिंह को भुगतान नहीं दिया। पिछले तीन-चार दिन से कुंवर सिंह गांव भेजने के लिए ठेकेदार से मजदूरी का भुगतान मांग रहा था। रविवार रात को ठेकेदार ने ढाई बोतल शराब व मीट लेकर आया। रात साढ़े 9 बजे करीब साइट पर 4-5 लेबर ने पार्टी की।

वीपी सिंह ने कहा कि कुंवर सिंह शराब के नशे में था उसके पीठ पर धक्का मारा। जिससे वो नीचे पड़े तार से करंट की चपेट में आ गया। लकड़ी पर दो कील पर बिजली का तार लगा हुआ था। अचेत हालत में मौके पर मौजूद लेबर उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचीं। जहां उसकी मौत हो गई। घटना के वक्त मौके पर मौजूद साले पुरुषोत्तम ने बताया की हम तीन चार महीने से ठेकेदार के पास काम कर रहे है। रात को ठेकेदार ने दारू मीट की पार्टी दी थी। मौके पर 6-7 जने थे। ठेकेदार मजदूरी के पैसे नहीं दे रहा था। जैसे में बाहर निकला कुंवर सिंह नीचे पड़ा हुआ था। ठेकेदार शेर सिंह ने बताया रात को घर पर खाना खाने बैठा था। उसी समय लेबर ने फोन कर कुंवर सिंह के करंट लगने की बात बताई। तुरंत मौके गया।

कुंवर सिंह को इलाज के लिए हॉस्पिटल लाए। लेबर को पैसा नहीं देने की बात झूठी है। मेरे पास 20 से ज्यादा लेबर काम करती है। एक ही आदमी के पैसे क्यों रोकूंगा। करंट कैसे लगा इस बारे में जानकारी नहीं है। मैंने शराब व मीट पार्टी भी नहीं दी। में शराब नहीं पीता। विज्ञाननगर थाना सीआई देवेश भारद्वाज ने बताया कि रात को बिजली के बोर्ड में करंट आने से लेबर की मौत हुई है। परिजन व दोस्त साथ ही थे। परिजनों द्वारा आरोप लगाया गया है,उस सम्बंध में जांच की जाएगी।

कुंड में डूबने से युवक की मौत

कोटा, (निसं)। जिले के देवलीमांझी थाना क्षेत्र के चौमा स्थित चोमेश्वर महादेव मंदिर के कुंड में नहाते समय डूबने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची निगम की रेस्क्यू टीम ने 35 मिनट में स्कूबा डाइविंग कर शव को बाहर निकाला। पवन कुमार सैनी (18) सांगोद से भाई व दोस्तों के साथ कावड़ यात्रा में चौमा आया था। भाई व अन्य दोस्तों के साथ कुंड में नहा रहा था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहराई में चला गया।

देवली मांझी थानाधिकारी जगदीश राय ने बताया कि करीब 50 युवकों की कावड़ यात्रा सांगोद से चौमा महादेव मंदिर पर दर्शन करने आई थी। सभी कावड़ यात्री मन्दिर के पास स्थित कुंड में नहा रहे थे। इस दौरान सांगोद निवासी पवन कुमार सैनी भी अपने भाई यशपाल व अन्य साथियों के साथ कुंड में बनी सीढ़ियों पर बैठकर नहा रहा था। सम्भवतया: उसका पैर फिसल गया जिससे वह गहराई में चला गया। नहाने के बाद जब उसका भाई यशपाल और दोस्त बाहर निकले तो पवन नहीं दिखा। लोगों ने आसपास तलाश किया। इसके बाद कावड़ यात्रा में शामिल लोगों ने मौके पर मौजूद पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने कोटा निगम की रेस्क्यू टीम को सूचना दी और अपने स्तर पर कुंड में इंजन लगाकर पानी को तोड़ने का प्रयास किए। ग्रामीणों की मदद से युवक की कुंड में तलाश जारी रखी गई। काफी मशक्कत के बाद भी युवक का का पता नहीं चला। बाद में कोटा से पहुंची निगम की रेस्क्यू टीम ने कुंड में स्कूबा डाइविंग की मदद से शव को बाहर निकाला। कनवास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शव का पोस्टमार्टम करवाया।

चोरी करने के दो आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। झीलवाडा गांव में हुई पानी की मोटर चोरी करने के आरोप में चारभुजा पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया।

चारभुजा थाना अधिकारी कैलाश सिंह चौहान ने बताया कि मुकेश कुमार पिता मोहनलाल शर्मा निवासी झीलवाडा ने रिपोर्ट दी कि हमारे डेरायो का रहट पर एक कुआं 8 भाईयों के सामलाती है जिसमें पीलाई हेतु मैने तथा मांगीलाल पिता मोहनलाल, नारायणलाल पिता शवजी, शम्भुलाल पिता बाबुलाल, घीसीबाई ने इलेक्ट्रीक मोटर लगा रखी थी। आज सुबह मैने कुएं पर जाकर देखा तो कुएं में लगी हुई मोटरें हमारी 5 जनों की कुएं से गायब थी। थाना सर्कल में चोरी व नकबजनी की वारदातों को रोकने के लिये पुलिस उप अधीक्षक वृत कुम्भलगढ शिवप्रकाश के निर्देश पर कैलाशसिंह थानाधिकारी द्वारा पुलिस की टीम का गठन किया। थाना सर्कल व आसपास के क्षेत्रों में पूर्व में हुई चोरियों में लिप्त अभियुक्तगण से पूछताछ की गई।

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर पानी की मोटरें बरामद की।

पुलिस ने उक्त वारदात में चेतन पिता अर्जुन माली निवासी मालीयो का बाग झीलवाडा, किशन पिता रामलाल भील निवासी बणाचोक झीलवाड़ा को डिटेन कर थाने पर लाकर पूछताछ की तो चैतन माली व किशन भील ने ही करीब 20 दिन पूर्व मुकेश कुमार पिता मोहनलाल शर्मा निवासी ब्रहम्पुरी झीलवाडा के शामिल खेत पर कुएं पर लगी पानी की मोटर चोरी करना कबूल किया। जिस पर आरोपी चेतन माली व किशन भील को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से पानी की पांच मोटरें बरामद की। घटना में प्रयुक्त वाहन मोटरसाईकिल जप्त की गई।

अभियुक्तगण चेतन माली व किशन भील ने थाना सर्कल में अन्य चोरीयां करना बताया जिससे अन्य वारदातों के सम्बन्ध में भी पूछताछ जारी है। कार्यवाही करने वाली टीम में कैलाशसिंह थानाधिकारी, मूलसिंह हरिसिंह, अनिल कुमार, रामकरण आसूचना अधिकारी, नागेश कुमार, मदनसिंह, शिवदर्शन मौजूद थे।

सड़क हादसे में दो युवकों दर्दनाक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले के बदनोर मार्ग पर सबलसागर सड़क हादसे में दो परिवारों के घरों का चिराग बुझ गया। रात करीब 11 बजे बदनोर निवासी सूरज पुत्र गोपाल सिंह कच्छावा व मनीष सिंह पिता अमर सिंह रावणा की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार आसींद से काम से लौट रहे थे। तभी सामने से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक चालक को घसीटता हुआ दूर तक ले गया। सड़क के पास से गुजरने वाले लोग मौके पर पहुंचे और बदनोर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने तक बाइक चालक सूरज व मनीष की मौके पर ही मौत हो गई। सूरज अपने घर का इकलौता कमाने वाला वारिस था। उसे बदनोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। मृत युवक सूरज आसींद व मनीष भीम में नौकरी करता था, हमेशा की तरह काम खत्म होने पर घर आ रहा था तभी हादसा हो गया।

- आसींद से काम से लौट रहे थे, वाहन ने टक्कर मारी

घटना देर रात की बताई गई। सुबह पोस्टमार्टम के बाद परिजन सूरज वह मनीष के शव को लेकर अपने अपने घर पहुंचे। घर आंगन में जवान बेटे के शव को देखकर माता-पिता के साथ परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। जिसे भी घटना की जानकारी मिली अपने आंसू नहीं रोक पाए गमहीन माहौल में सोमवार दोपहर अंतिम संस्कार किया गया।

वाहन ड्राइवरों से लूट के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों ने बताया कि मौज शोक पूरा करने के लिए वारदात करते थे

डूंगरपुर, (कासं)। धम्बोला थाना पुलिस ने झाफरा मोड़ पर रात के समय पथराव कर वाहन ड्राइवरों से लूट के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपियों के कब्जे से एक इको कार भी जब्त की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

सीमलवाडा डीएसपी रामेश्वरलाल ने बताया कि पुचियावाडा निवासी ईश्वर पुत्र मावजी मीणा ने 22 जुलाई को मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया था कि 21 जुलाई की रात को वह ट्रक लेकर अहमदाबाद से सागवाडा जाने के लिए निकला था। धम्बोला थाना क्षेत्र के झाफरा मोड़ पर एक इको कार से 5 बदमाश पाइप और लट्ठ लेकर सड़क पर आए और ट्रक के आगे आकर रुकवा लिया। ट्रक रुकने पर सभी बदमाश केबिन में घुस गए और शराब के लिए पैसे मांगने लगे और उससे मारपीट की। वहीं शराब के लिए पैसे देने से मना करने पर जबरदस्ती जेब से नकदी और आधार कार्ड ले लिया। वहींए ट्रक के शीशे फोड़ दिए। इसके बाद बदमाशों ने पीछे आ रही दो कारों पर भी पथराव किया और इको कार में फरार हो गए। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सोमवार को सूचना मिली की पथराव करने वाले बदमाश इको गाड़ी लेकर घूम रहे हैं और गुजरात की तरफ जाने वाले हैं। पुलिस ने मांडली में नाकेबंदी शुरू कर दी। इस दौरान नाकेबंदी को देखकर बदमाश गाड़ी को घुमाकर भागने लगेए लेकिन पुलिस ने पीछा करके उन्हें पकड़ लिया। इको कार में 5 लोग सवार थे।

रात के समय पथराव कर वाहन ड्राइवरों से लूट के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- आरोपियों के कब्जे से एक इको कार भी जब्त की

पुलिस ने पांचों को हिरासत में लिया और गाड़ी को जब्त करके थाने लेकर आए। पांचों युवकों ने घटना को करना कबूल कर लिया है। पुलिस ने गंधवा निवासी लाला उर्फ प्रेमशंकर तराल जीवा पुत्र अर्जुन अहारी, अशोक पुत्र गोपाल कोटेड, विनोद पुत्र बापूलाल रोत और विपिन पुत्र वीरचंद रोत को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया की मौज शोक पूरा करने के लिए वे वारदातों को अंजाम देते थे।

दो क्विंटल डोडा-चूरा सहित दो जने गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। ग्रामीण पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी कार से दो क्विंटल डोडा-चूरा बरामद किया है। तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए कार में फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर चल रहे थे। दोनों तस्कर जोधपुर जिले के निवासी है। पुलिस इनसे तस्करी के नेटवर्क के बारें में पूछताछ में जुटी है।

मंडाना थाना एसएचओ श्यामा राम ने बताया कि एनएच 52 कोटा झालावाड़ फोरलेन पर चेकिंग के दौरान झालावाड़ की तरफ से एक सफेद रंग की कार आते हुए नजर आई। जिसको रुकवाने की कोशिश की। कार ड्राइवर ने पुलिस को देखकर गाड़ी को दौड़ाया। पुलिस की टीम ने बमुश्किल कार को रुकवाया। पूछताछ में कार सवार ने अपना नाम मांगीलाल (42) निवासी लोहावट व धीमाराम (40) निवासी विश्नोईयों की ढाणी थाना ओसियां जिला जोधपुर बताया। उनकी कार की तलाशी में 2 क्विंटल 20 किलो डोडा-चूरा मिला। उनकी गाड़ी से झालावाड़, जोधपुर व जयपुर नम्बर की नम्बर प्लेट मिली। तस्कर पुलिस को गुमराह करने के लिए फर्जी नम्बर प्लेट कार में लगाते थे।

फुलेरा में आई फ्लू संक्रमण ने पैर पसारे

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में पिछले करीब एक सप्ताह से लोगों की आंखों में आई फ्लू संक्रमण का असर देखा जा रहा है। आई फ्लू का प्रकोप लगभग सभी आयु वर्ग के लोगों पर हो रहा है। इसका सीधा उदाहरण बाजारों में संक्रमण से बचाव के लिए लोग चश्मा लगाकर घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं।

- बाजारों में संक्रमण से बचाव के लिए लोग चश्मा लगाकर घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं

उपजिला अस्पताल के प्रभारी डॉ. धर्मेन्द्र भामू ने बताया कि आई फ्लू आंखों से जुड़ा एक संक्रामक रोग है जो एक संक्रमित व्यक्ति की आंखों में देखने मात्र से ही दूसरे स्वस्थ व्यक्ति में फैलता है। कस्बे में बड़ी संख्या में तेजी से फैल रहा है। यह वायरल से संबंधित रोग है, आंखों से जुड़ी संक्रामक रोग से 2 से तीन दिन तक तो रोगी का बुरा हाल हो जाता है, आंखें लाल रहती है, आंखों में सूजन आ जाती है, आंखों में दर्द व खुजली भी होती है। अधिकतर यह रोग आंखों के सफेद भाग में होता है। इस रोग को कंजेक्टिवाइटिस और पिंक आई के नाम से जाना जाता है। यह वायरस बरसात के मौसम में ही सक्रिय होता है। हालांकि यह कोई गंभीर बीमारी नहीं है। यह बीमारी मात्र चार पांच दिन में ही ठीक हो जाती है। इसके बचाव के लिए हमें लापरवाही से बचना चाहिए। साथ ही चिकित्सक की सलाह आवश्यक रूप से लेनी चाहिए।

प्रभारी ने बताया कि प्रभारी ने बताया कि उप जिला अस्पताल में रोजाना करीब 100 से अधिक मरीज आई फ्लू के संक्रमण से ग्रसित आ रहे हैं। गौरतलब है कि इसके अलावा अन्य निजी चिकित्सालय में भी अपना इलाज करवा रहे है। फुलेरा उप जिला अस्पताल के प्रभारी डॉ. भामू ने आई फ्लू के बचाव हेतु उपचार बताया कि हमें अपने हाथों को साफ सुथरा रखना चाहिए। साथ ही साबुन से बार-बार हाथ धोना, वहीं साफ तौलिए का इस्तेमाल करने एवं अपनी आंखों को आराम से सूखे और साफ तौलिए से पौंछना चाहिए।

उपजिला अस्पताल में मरीज की जांच करते हुए नेत्र रोग विशेषज्ञ।

भविष्य की बात करें तो मुझे लगता है कि रुतुराज के पास बहुत अच्छा मौका है। उनमें नेतृत्व के वो गुण मौजूद हैं। अगर माही भाई उन्हें एक या दो साल के लिए तैयार करते हैं, तो वह 7-8 या 10 साल तक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। **-अंबाती रायुडू**

पूर्व क्रिकेटर, भविष्य में चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान की कप्तानी को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नोवाक जोकोविच

विम्लबडन फाइनल में कार्लोस अल्काराज से हारने के बाद नोवाक जोकोविच ने अतिरिक्त आराम के लिये नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापिस ले लिया है। टेनिस कनाडा ने रविवार को घोषणा की कि जोकोविच थकान के कारण इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे। तेईस बार के ठौंडस्लैम चैम्पियन 36 वर्ष के जोकोविच को अमेरिकी ओपन की तैयारी इस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट से शुरू करनी थी। उन्हें पिछले रविवार को विम्बलडन फाइनल में अल्काराज ने पांच सेटों में हराया। चार बार नेशनल बैंक खिताब जीत चुके जोकोविच ने कहा कनाडा में मुझे हमेशा अच्छा लगता है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी के लिये 34-सदस्यीय स्क्वाड घोषित

नयी दिल्ली 24 जुलाई। इस साल के अंत में एएफसी ओलंपिक क्वालीफायर राउंड 2 में खेलने वाली सीनियर भारतीय महिला फुटबॉल टीम के लिये 34 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया गया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। एआईएफएफ ने बताया कि भारतीय महिलाएं 30 जुलाई से भुवनेश्वर में अपना शिविर शुरू करेंगी। भारत एएफसी महिला ओलंपिक क्वालीफायर के ग्रुप सी में जापान (26 अक्टूबर), वियतनाम (29 अक्टूबर) और मेजबान उज्बेकिस्तान (एक नवंबर) से भिड़ेगा। टूर्नामेंट का आयोजन 26 अक्टूबर से एक नवंबर के बीच ताशकंद के जेएआर स्टेडियम और बुनयोडकोर स्टेडियम में होगा। इस साल की शुरुआत में भारतीय टीम ने किर्गिज़ गणराज्य को 5-0 और 4-0 से हराकर ओलंपिक क्वालीफायर के राउंड 2 जगह बनायी थी। शिविर के लिए चयनित 34 संभावितों की सूची में गोलकीपर सौम्या नारायणसामी, मैबाम लिनथोइनगांबी देवी, श्रेया हुडा शामिल हैं। डिफेंडरों की सूची में लोइतोंगबम आशालता देवी, नगंगबम स्वीटी देवी, संजू, ऋतु रानी, सोरोखैबम रंजना चानू, मिशेल मागरिट कास्तन्हा, डालिमा छिब्बर, मनिसा पन्ना, अष्टम उरांव, जूली किशन, शिल्की देवी, जाबामनी टुडू शामिल हैं। मिडफील्ड की जिम्मेदारी प्रियंगका देवी, अंजू तमांग, इंदुमथी कथिरेसन, संगीता बासफोर, काजोल ह्यूबर्ट डिसूज़ा, असेम रोजा देवी और कार्तिका अंगमुथु के कंधों पर है। फॉरवर्ड पंक्ति के खिलाड़ियों में डांगमेई ग्रेस, सौम्या गुगुलोथ, मनीषा कल्याण, अपूर्णा नारज़री, नेहा, सुमति कुमारी, रेणु, करिश्मा पुरूषोत्तम शिरवोइकर, संध्या रंगनाथन, प्यारी ज़ाक्सा, ज्योति और नंगंगोम बाला देवी के नाम मौजूद हैं।

करमन ने इवान्सविल में जीता ऐतिहासिक खिताब

इवान्सविल, 24 जुलाई। भारतीय टेनिस खिलाड़ी करमन कौर थांडी ने यहां आयोजित आईटीएफ डब्ल्यू60 इवान्सविल के फाइनल में यूक्रेन की यूलिया स्तारोदुब्तसेवा को हराकर एकल खिताब जीत लिया है। राउंडग्लास अकादमी की करमन ने रविवार को हुए फाइनल में अपने यूक्रेनी प्रतिद्वंदी को 7-5, 4-6, 6-1 से मात दी। इस जीत के साथ करमन सानिया मिर्जा के बाद अमेरिका में प्रो खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला बन गयीं। करमन ने फाइनल तक पहुंचने के लिये पहले राउंड में मेक्सिको की मारिया फर्नांडा नवारो और दूसरे राउंड में अमेरिका की मारिबेला ज़मारिप्पा को हराया था। क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की वाइल्ड कार्ड प्रवेशी एली किक को सीधे सेटों में हराने के बाद उन्होंने सेमीफाइनल में अमेरिका की मेकार्टनी केसलर को मात दी थी। करमन वर्तमान में डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग में 261वें स्थान पर हैं और देश की दूसरे नंबर की महिला खिलाड़ी हैं। वह हाल ही में कनाडा के सास्काटून चैलेंजर डब्ल्यू60 की युगल स्पर्धा और अमेरिका में आयोजित डब्ल्यू 60 सुमेर पाल्मेटो प्रो ओपन की एकल स्पर्धा में उपविजेता रही थीं। करमन राउंडग्लास टेनिस अकादमी के तकनीकी निदेशक और कोच आदित्य सचदेवा एवं उनकी टीम के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं। कोच सचदेवा ने कहा, दो बार उपविजेता रहने के बाद यह जीत करमन का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिये एक अच्छे समय पर आई है क्योंकि वह अमेरिकी ओपन में जगह बनाने के लिये खुद को तैयार कर रही हैं। उनका हालिया फॉर्म उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ता का प्रमाण है। हमें उम्मीद है कि वह आगे भी इस फॉर्म को बनाए रख सकेंगी।

पनामा को रौंदकर ब्राजील ने किया मजबूत आगाज

एडिलेड, 24 जुलाई। एरी बोर्गेस की हैट्रिक के दम पर ब्राज़ील ने सोमवार को पनामा को 4-0 से मात देकर अपने फीफा महिला विश्व कप 2023 अभियान की ज़ोरदार शुरुआत की। हिंडमार्श स्टेडियम पर खेले गये ग्रुप-एफ मुकाबले में बोर्गेस ने 19वें, 39वें, और 70वें मिनट में गोल किये। विजेता टीम का चौथा गोल बीट्रिज़ होआओ ने 48वें मिनट में किया। दक्षिण अमेरिकी टीम ब्राज़ील इस मुकाबले में पूरी तरह मध्य अमेरिका की पनामा पर हावी रही। ब्राज़ीलियाई टीम ने मात्र 10 मिनट के अंदर ही पांच बार विपक्षी टीम के गोल पर निशाना साधा और वर्चस्व की यह स्थिति पूरे मैच में बनी रही। पनामा ने कई मौकों पर शानदार रक्षण किया, लेकिन अपने लगातार हमलों के कारण ब्राज़ील चार गोल करने में सफल रहा। इसी बीच, इटली ने क्रिस्टियाना गिरेली के गोल के दम पर अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। जर्मनी ने ग्रुप-एच मुकाबले में मोरक्को को 6-0 की करारी शिकस्त दी।

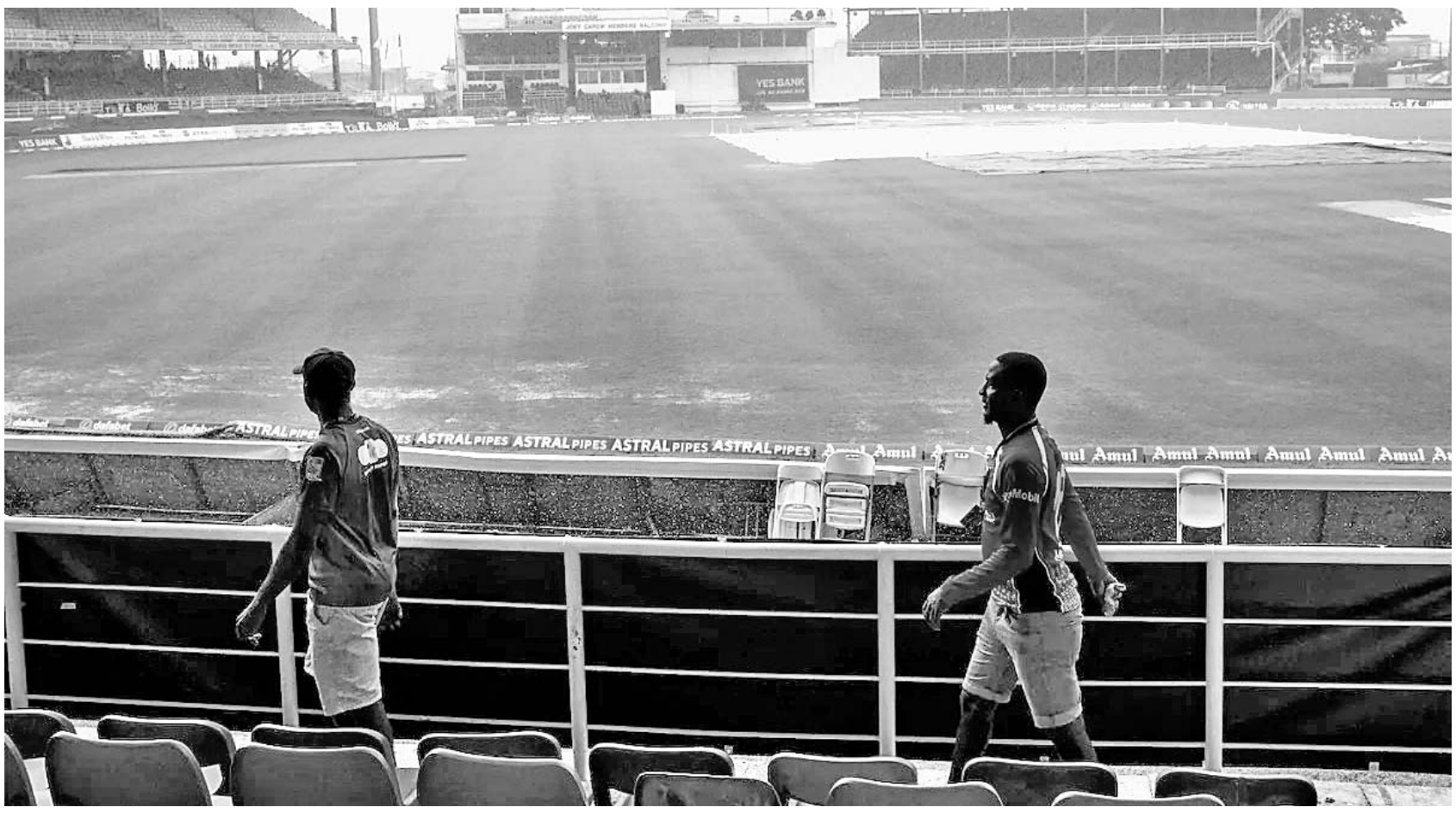

मैच के पांचवें दिन लंच से पहले का खेल बारिश से धुला

पोर्ट ऑफ स्पेन, 24 जुलाई। मूसलाधार बारिश और आउटफील्ड गीली होने से भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें दिन सोमवार को यहां लंच से पहले का खेल नहीं हो पाया। मैच के चौथे दिन का खेल भी बारिश से प्रभावित रहा था जिसमें वेस्टइंडीज ने 365 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए दो विकेट पर 76 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज इस तरह से लक्ष्य से अभी 289 रन पीछे है। बारिश थम गई है लेकिन आउटफील्ड गीली होने के कारण पहले सत्र का खेल संभव नहीं हो पाया। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय जर्मेन ब्लैकवुड 20 और सलामी बल्लेबाज तेगनारायण चंद्रपाल 24 रन पर खेल रहे थे।

कोलंबो में पाक फ्रंट फुट पर

कोलंबो, 24 जुलाई। अबरार अहमद (69/4) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद अब्दुल्लाह शफीक (74 नाबाद) और शान मसूद (51) के दमदार अर्द्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान दूसरे टेस्ट के पहले दिन सोमवार को श्रीलंका पर पूरी तरह हावी रहा। पाकिस्तान ने टॉस हारकर गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका को 166 रन पर ऑलआउट कर दिया। इसके बाद मेहमान टीम ने दिन का खेल खत्म होने से पहले दो विकेट के नुकसान पर 145 रन बना लिये और अब वह श्रीलंका की बढ़त समाप्त करने से सिर्फ 21 रन दूर है। पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत नसीम शाह और शाहीन अफरीदी की स्विंग के साथ की। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज निशान मदुशंका एक दुर्भाग्यपूर्ण रनआउट की भेंट चढ़ गये, जिसके कुछ देर बाद शाहीन ने कुसल मेंडिस को आउट किया। नसीम ने डिमुथ करुणारत्ने, एंजलो मैथ्यूज़ और दिनेश चांदीमल के रूप में श्रीलंका के सभी अनुभवी बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखा गया। दिसंबर 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला में पदार्पण करने वाले अबरार ने इसके बाद मोर्चा संभाला। उन्होंने श्रीलंका के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाले धनन्जय डी सिल्वा को आउट करने के अलावा सदीरा समरविक्रमा, रमेश मेंडिस और असिता फर्नांडो के विकेट लेकर श्रीलंकाई पारी को समाप्त किया। धनन्जय ने 68 गेंद पर नौ चौकों और एक छक्के के साथ 57 रन बनाये लेकिन उन्हें किसी का साथ न मिलने के कारण पूरी टीम 48.4 ओवर में 166 रन पर सिमट गयी। पाकिस्तान ने इसके बाद बल्ले से भी श्रीलंका पर कोई रियायत नहीं बरती। इमाम-उल-हक़ भले ही छह रन के स्कोर पर आउट हो गये हों, लेकिन अब्दुल्लाह और शान ने काफी देर तक छह से अधिक की रनगति से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्द्धशतक पूरे करते हुए दूसरे विकेट के लिये 108 रन की साझेदारी की। मसूद 47 गेंद पर चार चौकों और एक छक्के के साथ 51 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद शफीक और बाबर आज़म ने दिन के आखिरी ओवर संयम के साथ गुज़ारने का फैसला लिया। दिन का खेल खत्म होने तक अब्दुल्लाह 99 गेंद पर 74 रन बनाकर जबकि बाबर 21 गेंद पर आठ रन बनाकर खेल रहे हैं।

एशियाई खेलों के नॉकआउट मैचों से बाहर रह सकती है हरमनप्रीत

मुंबई, 24 जुलाई। बंगलादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान मैदान पर उजड्डु बर्ताव करने और प्रेजेंटेशन में अंपायरों की तीखी आलोचना के कारण भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर एशियाई खेलों के क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल से बाहर रह सकती हैं। क्रिकबज़ की ओर से सोमवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) हरमनप्रीत को चार डिमेरिट अंक देने वाला है, जिसके कारण उनपर दो सीमित ओवर मैचों का प्रतिबंध लगेगा। आईसीसी आचार संहिता नियमों के अनुसार, "जब कोई खिलाड़ी 24 महीने की अवधि के भीतर चार या अधिक डिमेरिट अंक प्राप्त करता है, तो उसे निलंबन अंकों में बदलकर (खिलाड़ी पर) प्रतिबंध लगाया जाता है। दो निलंबन अंक मिलने पर एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिये प्रतिबंध लगाया जा सकता है।" भारतीय महिला टीम अपना अगला मुकाबला एशियाई खेलों में खेलेगी। आईसीसी रैंकिंग के आधार पर भारतीय टीम को सीधा क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिला है। चार डिमेरिट अंक मिलने पर हरमनप्रीत क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल से बाहर रह सकती हैं। इसका अर्थ यह है कि अगर भारत फाइनल तक सफर करता है तो हरमनप्रीत सीधा खिताबी मुकाबले में मैदान पर उतरेंगी। उल्लेखनीय है कि मीरपुर के शेर-ए-बंगला स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में पगबाधा आउट दिये जाने के फैसले से निराश हरमनप्रीत ने विकेटों पर अपना बल्ला दे मारा था और पवेलियन लौटते हुए उनकी अंपायर के साथ तीखी नोक-झोंक भी हुई थी। यह मैच अंततः टाई रहा और तीन मैचों की शृंखला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा था कि वह अगले बंगलादेश दौरे पर ध्यान रखेंगी कि उन्हें मेज़बान टीम के अलावा "इस तरह की अंपायरिंग" का भी सामना करना है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट के अनुसार, मैदान पर किये गये बर्ताव के लिये हरमनप्रीत को तीन डिमेरिट अंक मिलेंगे, जबकि प्रेजेंटेशन में अंपायरों की आलोचना के लिये उन्हें एक डिमेरिट अंक मिलेगा। मैच अधिकारियों ने आईसीसी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पास अपनी रिपोर्ट जमा कर दी है। प्रतिबंधों की घोषणा हो जाने के बाद हरमनप्रीत के पास अपील करने का अधिकार है, जिस स्थिति में आईसीसी का मैच रेफरी मामले की सुनवाई करेगा।

5वें टेस्ट के लिये इंग्लैंड स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं

लंदन, 24 जुलाई। मैनचेस्टर में निराशाजनक ड्रॉ के कारण एशेज़ गंवाने के बाद इंग्लैंड ने ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट के लिये अपनी 14-सदस्यीय स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं किया है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गये मुकाबले में ज़्यादातर समय हावी रहने के बावजूद पांचवें दिन की मूसलाधार बारिश के कारण इंग्लैंड को ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। इस ड्रॉ के कारण ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की शृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त भी बना ली। इंग्लैंड भले ही एशेज़ जीतने की स्थिति में न हो, लेकिन वह सीरीज बराबर कर ऑस्ट्रेलिया को विजयी होने से रोक सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड की सरज़मीन पर आखिरी बार 2001 में एशेज़ सीरीज जीती थी।

इंग्लैंड को पांचवें टेस्ट से पहले क्रिस वोक्स की फिटनेस पर ध्यान देना होगा, जो पिछले दो मैचों में 12 विकेट चटकाकर टीम के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। लेकिन यह भी कहा था कि मौके को देखते हुए उनके लिये एक के बाद एक टेस्ट खेलना मुश्किल नहीं होगा। वोक्स के अलावा मार्क वुड को भी आराम दिया जा सकता है, जबकि जेम्स एंडरसन खराब प्रदर्शन के कारण बाहर रह सकते हैं। उन्होंने सीरीज के चार मैचों में 76.75 की औसत से सिर्फ चार विकेट चटकाये हैं। ऐसे में इंग्लैंड पांचवें टेस्ट में उनकी जगह जॉश टंग या ओली रॉबिन्सन को टीम में मौका दे सकती है।

पांचवें टेस्ट के लिये इंग्लैंड स्क्वाड : बेन स्टोक्स (कप्तान), मोईन अली, जेम्स एंडरसन, जॉनी बेयरस्टो, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जॉश टंग, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

पहले टेस्ट विकेट पर विराट भाई का गले लगाना सपने जैसा था : मुकेश

पोर्ट आफ स्पेन, 24 जुलाई। इतने साल से विराट कोहली के मैदानी कारनामों को विस्मित भाव से देखते आये मुकेश कुमार के लिये यह सपने जैसा था जब उनके पहले विकेट पर भारत के पूर्व कप्तान ने उन्हें गले लगा लिया। अपने 30वें जन्मदिन से कुछ महीने पहले ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बिहार के गोपालगंज जिले के मुकेश कुमार पिछले सात साल में बंगाल की अंडर 23 टीम से लेकर भारत ए के लिये खेल चुके हैं।

मोहम्मद सिराज के साथ बीसीसीआई टीवी से बातचीत में उन्होंने कहा, "मुझे जब विकेट मिला तो विराट भैया भागकर आये और मुझे गले लगा लिया। मैं किसी और दुनिया में ही चला गया। इतने साल तक टीवी पर जिसे मैं देखता आया, उसने मुझे गले लगाया। अद्भुत अनुभव था।"

उन्होंने कहा, "जब आप और जेडी (उनादकट) भाई गेंदबाजी कर रहे थे तो रोहित भाई ने कहा था कि इस पिच पर तुरंत विकेट नहीं मिलेंगे। मेहनत करनी पड़ेगी।" मानसिक रूप से वह तैयार था लेकिन जब टीम बैठक में मैच से एक दिन पहले उसे पदार्पण के बारे में बताया गया तो उसे कुछ समय लगा।

उन्होंने कहा, " जब मुझे पता चला कि मैं सच में खेल रहा हूं तो मैं स्तब्ध रह गया। मैं हमेशा से खेलने के लिये तैयार था और इसलिये ही टीम बैठक में गया था। मुझे ऐसा लग रहा था कि शायद मौका मिल सकता है।" मुकेश ने कहा, "यहां सुबह थी और भारत में शाम हो रही थी। मैं शाम को होटल पहुंचा तो मां से बात की। मैंने कहा कि मां मैं देश के लिये खेल रहा हूं। मेरे सभी रिश्तेदार भी बहुत खुश हैं जिन्होंने शुरू से मेरा साथ दिया।"

घुड़सवार पुंडीर ने ईएफआई पर लगाया पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाने का आरोप

नयी दिल्ली, 24 जुलाई। भारतीय ड्रेसेज खिलाड़ी गौरव पुंडीर ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने यह सुनिश्चित करने के लिए उनके रास्ते में कई बाधाएं पैदा की जिससे कि वह हांगजोउ एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। सेना के पूर्व घुड़सवार गुलाब सिंह के बेटे पुंडीर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ईएफआई ने उनसे महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई थी कि भारतीय घोड़े पृथक वास नियमों के कारण चीन में प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते हैं। इससे उन्होंने यूरोप और अन्य जगहों पर उचित घोड़ों की तलाश में अपना समय बर्बाद किया।

उन्होंने कहा,"ईएफआई अधिकारियों को पिछले साल मार्च में पता चल गया था कि भारतीय घोड़े चीन में प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकते हैं लेकिन उन्होंने यह जानकारी मेरे साथ साझा नहीं की।" पुंडीर ने कहा," यह सुनिश्चित करने के लिए कि मैं विदेशों में प्रतियोगिताओं में भाग न ले सकूं, ईएफआई के अधिकारी यूरोप का वीजा हासिल करने में मेरी मदद नहीं करके चीजों को मुश्किल बनाते रहे।" ईएफआई के महासचिव जयवीर सिंह ने हालांकि कहा कि पुंडीर की महासंघ ने हर संभव मदद की और इस घुड़सवार को पता था कि कोविड-19 से जुड़े नियमों के कारण भारतीय घोड़े चीन में प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले सकते हैं। उन्होंने कहा," उन्हें ईएफआई के खिलाफ मुकदमे बाजी में समय बर्बाद करने के बजाए जर्मनी और फ्रांस में अभ्यास करना चाहिए था जहां उनके साथी खिलाड़ी अभ्यास कर रहे थे।"

जापान ओपन में सिंधू, प्रणय की नजरें लय हासिल करने पर, सात्विक-चिराग की जोड़ी एक और खिताब की दावेदार

तोक्यो, 24 जुलाई। कोरिया ओपन में खिताब जीतने वाली सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग सेठी की पुरुष युगल जोड़ी इस साल के अपने स्वप्निल प्रदर्शन को जारी रखना चाहेगी तो वहीं अनुभवी पीवी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार से शुरू हो रहे जापान ओपन 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से अपनी पुरानी लय हासिल करने की कोशिश करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी ने रविवार को कोरिया ओपन के पुरुष युगल फाइनल में फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान आर्दियांतो की इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय जोड़ी पर 17-21 21-13 21-14 की जीत दर्ज की थी। भारतीय जोड़ी की यह लगातार 10वीं जीत थी।

यह जोड़ी इस साल स्विस ओपन, एशियन चैंपियनशिप और इंडोनेशिया ओपन जीतकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी जापान ओपन में अपने अभियान का आगाज इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो एवं डेनियल मार्थिन की जोड़ी के खिलाफ करेगी। पेरिस ओलंपिक से एक साल पहले भारतीय बैडमिंटन जगत में सबसे ज्यादा चिंता की बात सिंधू के लचर फॉर्म पर है।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन चोट से उबरने के बाद अपने पुराने रंग में नहीं लौट पाई है। वह इस साल 12 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर स्पर्धाओं में से छह में पहले दौर में बाहर होने के बाद वह विश्व रैंकिंग में 17वें नंबर पर खिसक गई हैं। वह पिछले सप्ताह अपने नये कोच मोहम्मद हाफिज की देख रेख में कोरिया ओपन के पहले दौर में निचली रैंकिंग वाली पाई यू-पो से हार गयी थी। सिंधू यहां शुरुआती दौर में झांग यी मैन के खिलाफ मैदान में उतरेंगी तो उन्हें अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा। चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ सिंधू की जीत-हार का रिकॉर्ड 2-2 है। सिंधू ने 20वीं रैंकिंग पर काबिज झांग को मलेशिया ओपन में शिकस्त दी थी।

मलेशिया मास्टर्स का खिताब इस साल मई में जीतने वाले प्रणय भारत के शीर्ष रैंकिंग के एकल खिलाड़ी है। पिछले कुछ टूर्नामेंटों में खराब प्रदर्शन के बाद हालांकि उनकी रैंकिंग में गिरावट आयी है और वह 10वें पायदान पर खिसक गये है।

आठवीं वरीयता प्राप्त प्रणय अपने अभियान का आगाज चीन के गैरवरीय खिलाड़ी ली शी फेंग के खिलाफ करेंगे। विश्व रैंकिंग के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत चीनी ताइपे के चोउ तियेन चान के खिलाफ पहले दौर का मुकाबला खेलेंगे।

दोनों भारतीय खिलाड़ी अगर अपने शुरूआती मुकाबलों को जीतने में सफल रहे तो दूसरे दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगे। कनाडा ओपन के चैम्पियन लक्ष्य सेन भी इस टूर्नामेंट से खेल में वापसी करेंगे।

पश्चिम ने पूर्वोत्तर को 9 विकेट से हराया

पुडुचेरी, 24 जुलाई। हार्विक देसाई (85) और कप्तान प्रियांक पांचाल (99 नाबाद) के अद्धर्शतकों के दम पर पश्चिम क्षेत्र ने देवधर ट्रॉफी के अपने पहले मैच में सोमवार को पूर्वोत्तर क्षेत्र को नौ विकेट से रौंदकर टूर्नामेंट का विजयी आगाज़ किया।

पूर्वोत्तर टॉस हारकर गया था। टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 47 ओवर में 207 रन पर ऑलआउट हो गयी। पश्चिम क्षेत्र ने आसानी से 25.1 ओवर में 208 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। पूर्वोत्तर की ओर से सभी बल्लेबाज़ों को अच्छी शुरुआत मिली लेकिन कोई भी अद्धर्शतक के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। इमलियु अति लेमतुर ने अपनी टीम के लिये सर्वाधिक 38 रन बनाये, जबकि कप्तान लांगलोनयंबा कीशंगबम ने 30 रन का योगदान दिया। पश्चिम क्षेत्र के लिये अर्ज़न नागवासवाल ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये। शम्स मुलानी और शिवम दूबे ने दो-दो विकेट लिये जबकि चिंतन गज, अतीत सेठ और पार्थ भुत के खाते में एक-एक विकेट आया।

यूटीटी सीजन-4 में बेंगलुरु स्मैशर्स ने पुनरी पलटन को हराया

पुणे 24 जुलाई। भारतीय स्टार पैडलर मनिका बत्रा और नतालिया बाजोर ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे बेंगलुरु स्मैशर्स ने यहां शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, महालुंगे-बालेवाड़ी में चल रहे अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन-4 में रविवार रात ब्लॉकबस्टर मुकाबले में पुनेरी पल्टन को 8-7 से मात दे दी।

फ्रेंचाइजी-आधारित लीग टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) के तत्वावधान में नीरज बजाज और वीटा दानी द्वारा किया जाता है। पुनेरी पलटन को टाई जीतने के लिए केवल एक गेम जीतने की जरूरत थी जब नतालिया महिला एकल का आखिरी मैच खेलने के लिए आई और बेंगलुरु स्मैशर्स को लीग में बने रहने के लिए उसने अर्चना कामथ को 3-0 से हराया। पहले गेम में नतालिया ने 11-8 से रोमांचक जीत दर्ज की। उन्होंने जोरदार फोरहैंड के साथ सटीक बैकहैंड खेला और उसी स्कोरलाइन से दूसरा गेम जीत लिया। पोलिश पैडलर ने निर्णायक गेम में अपना धैर्य बनाए रखा और अपने पिनपॉइंट शॉट्स से इसे 11-9 से जीत लिया। इससे पहले मनिका ने मुकाबले के दूसरे मैच में हाना माटेलोवा को 2-1 से हराकर सीजन 4 में बेंगलुरु स्मैशर्स के लिए अपनी तीसरी महिला एकल जीत दर्ज की। दुनिया की 35वें नंबर की खिलाड़ी ने शुरुआत में ही अपने बैकएंड पर नियंत्रण रखते हुए पहला गेम 11-9 से जीत लिया, इसके बाद हाना ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 11-8 से जीत लिया और मैच को निर्णायक गेम तक ले गईं। हालांकि भारत के सर्वश्रेष्ठ रैंक खिलाड़ी ने अपना ध्यान भटकने नहीं दिया और तीसरे गेम के साथ-साथ मैच भी 11-6 से अपने नाम कर लिया।

दुनिया के 58वें नंबर के खिलाड़ी किरिल गेरासिमेंको ने 2018 आईटीटीएफ अफ्रीकी-कप चैंपियन उमर अस्सर को 2-1 से हराकर बेंगलुरु फ्रेंचाइजी को बेहतरीन शुरुआत दी थी। दुनिया के 23वें नंबर के खिलाड़ी उमर ने पहले गेम की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और फ्लैक्स से गेम 11-8 से जीत लिया, इससे पहले किरिल ने आश्चर्यजनक वापसी करते हुए गोल्डन प्वाइंट के जरिए दूसरा गेम जीत लिया। तीसरा गेम भी गोल्डन पॉइंट तक गया जहां कज़ाक पैडलर ने गेम और मैच जीतने के लिए अत्यधिक मानसिक दृढ़ता का प्रदर्शन किया।

मुकाबले के तीसरे मैच (मिश्रित युगल) में हाना और मानुष शाह ने मनिका और किरिल को 3-0 से हराया और पुनेरी पल्टन टेबल टेनिस को प्रतियोगिता में वापसी की। बेंगलुरु स्मैशर्स की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन हाना और मानुष ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। उन्होंने गोल्डन प्वाइंट के माध्यम से दूसरा गेम जीत कर जीत बरकरार रखी। तीसरा गेम भी 11-4 से हाना और मानुष के पक्ष में गया। पुनेरी पलटन टेबल टेनिस ने अपनी बढ़त को और बरकरार रखा, क्योंकि मानुष ने टाई के अंतिम मैच में जीत चंद्रा को 2-1 से हरा दिया।

कमलजीत को जूनियर निशानेबाजी विश्व चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण

नयी दिल्ली, 24 जुलाई। युवा निशानेबाज कमलजीत ने कोरिया के चांगवोन में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ जूनियर विश्व चैंपियनशिप के अंतिम दिन भारत को दो और स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की। इस 19 साल के निशानेबाज ने पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम दोनों स्पर्धाएं जीतीं। इस विश्व कप में भारत का अभियान 17 पदक (छह स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य) के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर खत्म हुआ। चीन 12 स्वर्ण सहित 28 पदक के साथ शीर्ष पर रहा। कमलजीत ने व्यक्तिगत स्पर्धा में संभावित 600 में से 544 का स्कोर किया और उज्बेकिस्तान के वेनियामिन निकितिन (542) को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

हाई परफोर्मेंस कोच के पद के लिए अनदेखी से ओलंपिक पदक विजेता विजय कुमार स्तब्ध

नयी दिल्ली, 24 जुलाई। ओलंपिक रजत पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज विजय कुमार 'स्तब्ध' हैं कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने हाई परफोर्मेंस कोच के पद के लिए उनके नाम की अनदेखी की और उन्हें इस बारे में सूचित करने की जरूरत भी नहीं समझी गई। साइ ने 21 जुलाई को अधिसूचना जारी करके एथलेटिक्स, निशानेबाजी, तलवारबाजी, कबड्डी और तीरंदाजी में पांच हाई परफोर्मेंस कोच की नियुक्ति की। साइ ने फरवरी-मार्च में इस पद के लिए विज्ञापन दिया था और 2012 लंदन ओलंपिक खेलों के रजत पदक विजेता तथा पांच बार के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता विजय ने पद के लिए आवेदन किया था।

साइ ने इस पद के लिए राइफल कोच मनोज कुमार के नाम की सिफारिश की है जो पेरिस ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में ट्रेनिंग कर रही भारतीय टीम के साथ जुड़े हुए हैं। हिमाचल प्रदेश पुलिस में उपाधीक्षक विजय ने कहा, "मैंने पद (परफोर्मेंस कोच) के लिए आवेदन किया था। इस तरह की अटकलें थी कि साक्षात्कार हुए हैं (पद के लिए)। आज किसी ने फोन पर बताया कि सूची जारी हो गई है। जब मैंने सूची देखी (साइ की वेबसाइट पर) तो मैं हैरान और स्तब्ध था।"

उन्होंने कहा, "उनकी (साइ की) पात्रता में मैं पूरी तरह फिट था। इसमें कहा गया था कि अगर आप ओलंपिक पदक विजेता हैं तो आपको सीधे नियुक्ति मिलेगी। जहां तक मुझे पता है, मेरे अलावा किसी अन्य ओलंपिक पदक विजेता ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर पद के लिए आवेदन नहीं किया था।"

विजय ने कहा, "पहले हाई परफोर्मेंस कोच की नियुक्ति अनुबंध के आधार पर होती थी लेकिन हाल में साइ ने अन्य संस्थानों से विशेषज्ञों के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर जुड़ने और अपनी सेवाएं देने का रास्ता खोला है। इसलिए इस आधार पर मैंने पद के लिए आवेदन किया था।" उन्होंने कहा, "मैं स्तब्ध था कि देश के लिए इतना सब कुछ हासिल करने के बावजूद मेरा नाम सूची में नहीं था। मुझे लगता है कि जिस व्यक्ति के नाम की सिफारिश की गई उसके नाम टीम स्पर्धा में कोई अंतरराष्ट्रीय पदक है लेकिन एशियाई, राष्ट्रमंडल खेलों में पदक नहीं है।"

अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) की वेबसाइट पर मनोज के परिचय के अनुसार उन्होंने 2005 में चार विश्व कप और एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा लिया लेकिन कोई पदक नहीं जीता। विजय ने कहा, "मुझे पद्म श्री, खेल रत्न (देश का सर्वोच्च खेल सम्मान) और अर्जुन पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।" विजय से जब यह पूछा गया कि क्या इस शीर्ष पद के लिए विशेषज्ञों की छंटनी करने के लिए किसी पैनल का गठन किया गया था।

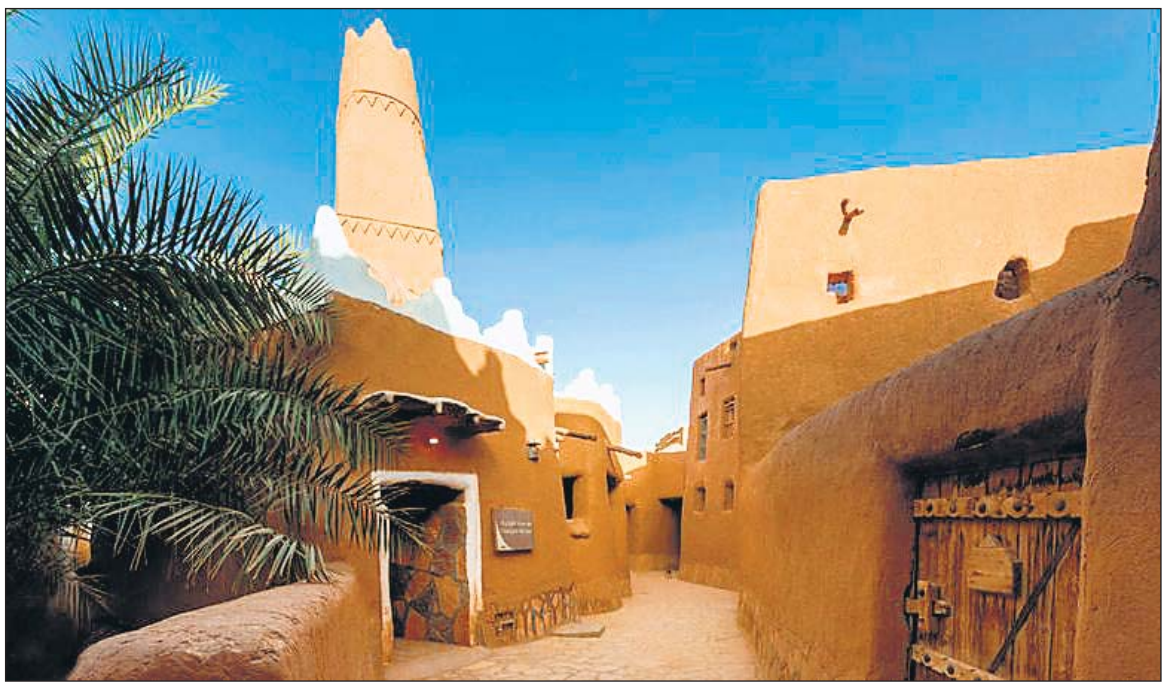

सऊदी अरेबिया में रियाहा से 200 किलोमीटर दूर उत्तर पश्चिम में है यहाँ का सबसे पुराना रिहायशी क्षेत्र "उशेगर," जिसे अश्वेगर भी कहते हैं। प्राचीन काल में कुवैत, इरान और इराक से आने वाले हज यात्री यहां रूका करते थे। उशेगर का सबसे पहला उल्लेख एक अरब शायर मलिक-अल-अब्बासी के लेखन में मिला है, जो सातवीं सदी में यहां रहता था। परंतु यह क्षेत्र संभवतः उससे भी पुराना है। कालान्तर में, आधुनिक परिवहन के विकास के साथ उशेगर का महत्व खोता चला गया। "हैरिटेज विलेज" की अवधारणा में उशेगर एकदम फिट बैठता है, जहाँ हर तरफ पारम्परिक जीवन शैली नज़र आती है। पारंपरिक स्थापत्य के अलावा यहाँ के म्यूज़ियम में प्राचीन हथियार, रोजमर्रा के बर्तन, कशीदाकारी किए हुए कपड़े व खूबसूरत आभूषण देखे जा सकते हैं। तथापि, उशेगर का पुराना सैक्शन परित्यक्त है। हैरिटेज विलेज के रूप में उशेगर को विकसित करने का काम प्रगति पर है। कुछ इमारतों की मरम्मत हो गई है और कुछ अभी जीर्ण हालत में ही हैं। गलियों के जटिल नैटवर्क में, हालांकि, पैदल चलना बिल्कुल सुरक्षित है, लेकिन किसी भी खुली इमारत में घुसना खतरनाक हो सकता है। उशेगर के बाहर खजूर के वृक्ष तथा कुएं हैं। यहां के घरों की खास बात है, तिकोनी खिड़कियां व छतें और छत को सहारा देने के लिए विशिष्ट शिखर वाले खम्भे। छतें लकड़ी की बनी हैं और ठीक से देख भाल की जाए तो यहाँ के मौसम में काफी लंबी देर तक चलती हैं। स्थानीय लकड़ी से बने दरवाज़ों को ज्यामितीय डिज़ाइन से सजाया गया है।

'लाल डायरी से राजस्थान सरकार में इतनी घबराहट क्यों है'

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा, राजेन्द्र गुढ़ा दावा कर रहे हैं कि, यह लाल डायरी गहलोत सरकार को गिरा सकती है, लेकिन अगर गहलोत गलत नहीं हैं तो फिर घबरा क्यों रहे हैं

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के बर्खास्त मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा द्वारा विधानसभा में लायी गयी 'लाल डायरी' को लेकर तीखे तंज कसे और पूछा कि अगर गहलोत सरकार गलत नहीं हैं तो इतना घबरा क्यों रही है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में सवाल किया, लाल डायरी क्या है और इसे लेकर राजस्थान की कांग्रेस सरकार में इतनी घबराहट क्यों?

शेखावत ने कहा कि राजेंद्र गुढा ने विधानसभा पटल पर ये विषय रखा कि अशोक गहलोत सरकार से

- **शेखावत ने कहा कि, यह लाल डायरी वर्ष 2020 में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता और गहलोत के राजदार के घर आयकर के छापे के दौरान बरामद की गई थी। तब राजेन्द्र गुढ़ा राजस्थान पुलिस और अपने साथियों के साथ जाकर आयकर अधिकारी से यह लाल डायरी छीन लाए थे।**
- **केन्द्रीय मंत्री ने पूछा कि, यदि गहलोत पाक साफ हैं और कुछ भी गलत नहीं हुआ है तो उन्हें या सरकार के लोगों को घबराने की क्या जरूरत है। गहलोत सरकार की घबराहट बता रही है कि कहीं ना कहीं कोई गड़बड़ जरूर है।**

महिलाओं की सुरक्षा नहीं हो पाई है तो उन्हें मंत्री पद से निकाल दिया गया। मंत्री पद से निकाले जाने के बाद आज राजेंद्र गुढ़ा विधानसभा में एक लाल डायरी लेकर पहुंचे, जिसे लेकर उनका दावा है कि ये डायरी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार गिरा सकती है।

उन्होंने कहा कि ये लाल डायरी वर्ष 2020 में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता और गहलोत के राजदार के घर आयकर के छापे के दौरान बरामद की गई थी। तब गुढ़ा राजस्थान पुलिस और अपने साथियों के साथ जाकर आयकर अधिकारी से यह लाल डायरी छीन लाए थे।

उन्होंने कहा कि गुढ़ा के मुताबिक इस लाल डायरी में अशोक गहलोत साहब के कई राज छिपे हैं। इस लाल डायरी का रहस्य जिस दिन खुलेगा, उस दिन राजस्थान में एक बड़ा हंगामा होगा और कई लोगों के राजनीतिक वजूद हमेशा– हमेशा के लिए समाप्त हो जाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने पूछा कि यदि गहलोत पाक साफ हैं और कुछ भी गलत नहीं हुआ है तो उन्हें या सरकार के लोगों को घबराने की क्या जरूरत है। गहलोत सरकार की घबराहट बता रही है कि कहीं कोई गड़बड़ है।

गौरतलब है कि, राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने गत शनिवार को विधानसभा में चर्चा के दौरान अपनी ही सरकार के खिलाफ महिला सुरक्षा के मामले नाकामी का आरोप लगाते हुये कहा था कि, हम मणिपुर में महिलाओं के साथ रेप की बात कर रहे हैं लेकिन उससे पहले हमें अपनी गिरेबां में झांक लेना चाहिये। राजस्थान देश की रेप कैपिटल है देश में रेप के कुल मामलों का करीब 30 प्रतिशत राजस्थान में दर्ज होते हैं। पूरे देश में महिला उत्पीड़न के मामले में राजस्थान शीर्ष पर है।

ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे पर ऐन मौके पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

ए.एस.आई. की 30 सदस्यीय टीम ने सोमवार सुबह से ही मस्जिद के सर्वे का काम शुरु कर दिया था

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) के सर्वे करने के वाराणसी जिला अदालत के आदेश पर सोमवार को 26 जुलाई तक रोक लगा दी। जिला अदालत के 21 जुलाई 2023 के आदेश पर ए.एस.आई. के 30 सदस्यीय एक दल ने सोमवार सुबह से सर्वे का काम शुरू कर दिया था।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वाराणसी की अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफ़ा अहमदी के मामले का तत्काल उल्लेख करने पर यह आदेश पारित किया।

पीठ ने आदेश देते हुए कहा कि जिला न्यायाधीश का आदेश 26 जुलाई शाम पांच

- **गौरतलब है कि, गत शुक्रवार को वाराणसी जिला अदालत ने अपने फैसले में आदेश दिया था कि, वजूखाने को छोड़कर पूरे मस्जिद परिसर का सर्वे तत्काल शुरु किया जा सकता है।**
- **सोमवार को इस मामले में दायर मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाते हुये आदेश दिया कि, इस बीच मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद हाई कोर्ट में सर्वे पर रोक लगाने की अपील दायर कर सकता है।**

बजे तक लागू नहीं किया जाएगा। इस बीच मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर कर सकता है। पीठ ने उच्च न्यायालय रजिस्ट्री से इस मामले को सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय के संबंधित पीठ के समक्ष रखने को भी कहा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि जिला न्यायाधीश की ओर से सर्वेक्षण का आदेश शुक्रवार अपराह्न 4.30 बजे पारित किया गया था। ऐसे में आवेदक को उच्च न्यायालय के समक्ष अपने कानूनी उपाय करने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए।

अहमदी ने सर्वे कराने के आदेश विरोध करते हुए जिला अदालत के आदेश की वैधता पर सवाल उठाया। उन्होंने इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि जिला अदालत ने शीर्ष अदालत के आदेश की अवमानना करते हुए ए.एस.आई. को मस्जिद स्थल की खुदाई करने की अनुमति दी। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि मस्जिद परिसर में फिलहाल कोई आक्रामक तरीका या खुदाई नहीं की जा रही है।

मेहता ने अपनी जानकारी का हवाला देते हुए कहा,एक भी ईंट नहीं हटाई जा रही है। वे केवल माप, फोटोग्राफी, रडार इमेजिंग कर रहे हैं। इससे पहले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मेहता से ज्ञानवापी मस्जिद की स्थिति का पता लगाना और इससे अदालत को अवगत कराने को कहा था।

नए वकीलों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खंडपीठ ने यह आदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व महासचिव प्रहलाद शर्मा की पी.आई.एल. पर दिए।

सुनवाई के दौरान ए.ए.जी. ने कहा कि, राज्य सरकार ने अपनी बजट घोषणा में वकीलों के कल्याण के लिए हर साल पांच करोड़ रुपए देने का प्रावधान किया है। इसके अलावा कोविड के दौरान भी फंड दिया था। इसके जवाब में याचिकाकर्ता का कहना था कि, आंध्रप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ व केरल में वकीलों को राज्य सरकार स्टाइपैंड दे रही है। इसलिए यहां पर भी सरकार वकीलों को स्टाइपैंड दे।

याचिका में कहा गया था कि, अन्य राज्यों में वकीलों के वेलफेयर के लिए योजनाएं हैं, लेकिन राजस्थान के वकील इससे वंचित हैं। नए वकीलों को स्टाइपैंड की जरूरत है।

वकीलों की आकस्मिक मौत होने पर भी एडवोकेट वेलफेयर फंड से उनके परिजनों को आर्थिक मदद देने की प्रदेश में कोई ठोस स्कीम नहीं है। इसलिए नए वकीलों को जल्द स्टाइपैंड जारी करवाया जाए और वेलफेयर फंड से अंशदान दिलवाया जाए।

'स्पीकर के अयोग्यता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की संवैधानिकता को भी चुनौती दी गई है। इसलिए इस मामले में केन्द्र सरकार को भी पार्टी बनाया गया है। विधायक मोहनलाल नामा की तरफ से अधिवक्ता विमल चौधरी व योगेश टेलर ने जल्दी सुनवाई के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया था।

सुनवाई के दौरान जब अदालत ने पूछा तीन साल पुराने मामले में किन-किन पार्टियों ने जवाब दायर नहीं किया है तो उन्हें केन्द्र सरकार की पैरवी कर रहे ए.एस.जी. आर.डी. रस्तोगी ने बताया कि केन्द्र सरकार को अभी जवाब देना शेष है इसके लिए तीन सप्ताह दिए जाएं। कोर्ट ने केन्द्र सरकार द्वारा तीन साल में भी जवाब नहीं देने पर हैरानी जताई और उन्हें तीन सप्ताह का समय दिया साथ ही विधायकों से कहा कि उन्हें प्रति उत्तर देने के लिए अतिरिक्त एक सप्ताह दिया जाता है। मामले की अगली सुनवाई अगस्त में होगी।

सुनवाई के दौरान मोहनलाल नामा के अधिवक्ता विमल चौधरी व योगेश टेलर ने कहा कि, आगामी विधानसभा चुनाव की अधिसूचना अक्टूबर 2023 में लागू हो जाएगी और मौजूदा याचिकाकर्ता विधायक दिसंबर 2023 में विधायक नहीं रहेंगे, ऐसे में मामले की जनहित में जल्द सुनवाई की जाए।

अदालत ने सभी पक्षकारों से पूछा कि क्या उन्होंने जवाब पेश कर दिया है। इस पर राज्य सरकार व स्पीकर सहित अन्य की ओर से जवाब पेश करने की जानकारी दी गई और केन्द्र सरकार की ओर से जवाब देने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने ए.एस.जी. को तीन सप्ताह का समय दिया है।

गौरतलब है कि पी.आर. मीणा सहित अन्य विधायक ने याचिका में विधानसभा स्पीकर द्वारा 14 जुलाई 2020 को उन्हें दिए गए अयोग्यता के नोटिस को चुनौती दी थी। जिस पर हाईकोर्ट ने 24 जुलाई 2020 के अंतरिम आदेश द्वारा स्पीकर के नोटिस की क्रियान्विति पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के इस आदेश को विधानसभा स्पीकर सहित अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में एस.एल.पी. के जरिए चुनौती दे रखी है।

कर्नाटक हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर ली है। मुरलीधर का कहना है कि 12 जुलाई को शाम सात बजे उनके आफिशियल फोन के व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया। संदेश भेजने वाले का कहना था कि हाईकोर्ट के छह जज उसके निशाने पर हैं। उसका कहना था कि पाकिस्तान के अलाइट सैन्ट्रल बैंक में 50 लाख जमा न कराए तो जजों की हत्या हो जाएगी।

जिन जजों को जान से मारने की बात कही गई है उनमें जस्टिस मोहम्मद नवाज, जस्टिस एचटी नरेंद्र प्रसाद, जस्टिस अशोक जी, जस्टिस एचपी संदेश, जस्टिस के नटराजन, जस्टिस बी वीरप्पा शामिल हैं। हालांकि धमकी देने वाले ने ये बात साफ नहीं की है कि इन जजों को ही क्यों निशाने पर लिया गया है। धमकी देने वाले का कहना है कि पैसे पाकिस्तान के बैंक में नहीं पहुंचे तो छह जजों को वो टारगेट पर लेकर उनका खात्मा कर देगा।

वॉट्सएप मैसेज भेजने वाले ने खुद को दुबई गैंग का सदस्य बताया है। मुरलीधर को उसने कई अलग-अलग नंबरों से संदेश भेजे। एक मैसेज में लिखा गया था कि यह इंडियन हमारे आपके शूटर हैं। पुलिस ने आई.टी. एक्ट की धाराओं के साथ आई.पी.सी. के सेक्शनों के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है। अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। पुलिस देख रही है कि धमकी देने वाला कौन है?

एक रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस का कहना है कि ये बात भी साफ नहीं हो सकी है कि मैसेज भेजने वाले ने इन छह जजों को ही क्यों निशाने पर लिया। जबकि कर्नाटक हाईकोर्ट में दूसरे भी कई जस्टिस हैं। फिलहाल धमकी देने वाले की सही लोकेशन पता करने की कोशिश की जा रही है।

शेयर मार्केट से "डी-लिस्ट" हो रही कंपनी के निवेशकों का पूरा पैसा अब डूबेगा नहीं!

मुंबई, 24 जुलाई। आने वाले दिनों में कंपनी के डी-लिस्टिंग की प्रक्रिया आरंभिक सार्वजनिक पेशकश यानी आई.पी.ओ. की तर्ज पर हो सकती है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने बताया कि सेबी डी-लिस्टिंग को रिवर्स बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के बजाय फिक्स्ड प्राइस के माध्यम से अनुमति देने पर विचार कर रहा है। नियामक ने कहा कि सेबी दिसंबर तक इस विषय पर एक चर्चा पत्र जारी करेगा। इसके तहत अब किसी कंपनी की डी-लिस्टिंग होगी तो उसके लिए फिक्स्ड प्राइस भी तय किया जाएगा।

बता दें कि इस तरह की प्रक्रिया आई.पी.ओ. में अपनाई जाती है। आई.पी.ओ. के जरिए कंपनी की लिस्टिंग होती है और इससे पहले

- **सेबी की चेयरपर्सन माधवी बूच ने बताया कि, डी लिस्ट होने जा रही कंपनी भी अपने निवेशकों का पैसा वापस लौटायेगी, इसके लिए आई.पी.ओ की तर्ज पर नई व्यवस्था शुरु की जायेगी**
- **आम तौर पर जब कोई कंपनी अपना कारोबार बंद करती है, खुद को दिवालिया घोषित कर देती है या फिर विलय, लिस्टिंग आवश्यकताओं को पूरी नहीं कर पाती है तो डी-लिस्टिंग में जाती है। इसके लिए अभी किसी तरह की फिक्स्ड प्राइस नहीं तय की जाती है।**

फिक्स्ड प्राइस तय किया जाता है। डी-लिस्टिंग की प्रक्रिया तब की जाती है जब किसी कंपनी को इंडेक्स से बाहर निकलना होता है। यह स्वैच्छिक या अस्वैच्छिक हो सकती है। आम तौर पर जब कोई कंपनी अपना कारोबार बंद करती है, खुद को दिवालिया घोषित कर देती है या फिर विलय, लिस्टिंग आवश्यकताओं को पूरी नहीं कर पाती है तो डी-लिस्टिंग में जाती है। इसके लिए अभी किसी तरह की फिक्स्ड प्राइस नहीं तय की जाती है।

'प. बंगाल में रामनवमी पर हुई हिंसा की एन.आई.ए. जांच होकर ही रहेगी'

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी देते हुये जांच पर रोक लगाने की प. बंगाल सरकार की याचिका खारिज कर दी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने रामनवमी पर हुई हिंसक घटनाओं से संबंधित छह प्राथमिकी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एन.आई.ए.) को स्थानांतरित करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की विशेष अनुमति याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से

- **गौरतलब है कि, प. बंगाल में गत तीस मार्च को रामनवमी के मौके पर जगह-जगह हिंसा और धार्मिक यात्राओं पर पथराव की घटनायें हुईं थीं। इनमें कई लोगों की मौत हो गई थी तथा कई अन्य लोग घायल हुये थे।**

केंद्र सरकार की अधिसूचना को चुनौती नहीं दी गई है। इसलिए हम राज्य सरकार की विशेष अनुमति याचिका पर विचार नहीं कर रहे हैं।

पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार ने एन.आई.ए. जांच का निर्देश देने के लिए अधिसूचना जारी की है, जिसे राज्य सरकार ने चुनौती नहीं दी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुवेंदु अधिकारी की ओर से दायर याचिका पर इस साल हावड़ा और अन्य स्थानों पर रामनवमी के दौरान हुई हिंसा के मामले में छह प्राथमिकियों को एन.आई.ए. को स्थानांतरित करने का आदेश 27 अप्रैल 2023 को दिया था।

पीठ ने कहा कि राज्य पुलिस द्वारा छह प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। ये प्राथमिकी 30 मार्च से अप्रैल 2023 के पहले सप्ताह के दौरान दर्ज की गईं। एन.आई.ए. द्वारा की जाने वाली जांच की सटीक रूपरेखा का इस स्तर पर अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि केंद्र ने एन.आई.ए. अधिनियम के तहत इस मुद्दे पर स्वत: संज्ञान लेते हुए एक अधिसूचना जारी की थी।

सरकार सभी राज्यों में अपराधों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष ने नियम 267 के तहत नोटिस देकर मणिपुर पर चर्चा होने तक सारी कार्रवाई स्थगित करने की मांगकी है। एन.डी.ए. के सांसदों ने नियम 176 के तहत नोटिस दिए हैं जिसमें अल्पावधि चर्चा होती है।

विपक्ष मणिपुर पर प्रधानमंत्री के वक्तव्य पर अड़ा हुआ है जबकि एन.डी.ए. का कहना है कि परम्परानुसार गृह मंत्री अमित शाह बहस का जवाब देंगे। लोकसभा में इंडिया गठबंधन के सांसदों में मणिपुर के लिए न्याय की तख्तियां लहराई।

लोकसभा में अफरा तफरी के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वे 20 जुलाई को सदन में मणिपुर पर अल्पावधि चर्चा का नोटिस स्वीकार कर चुके हैं और सरकार तैयार है।

धनखड़ ने कहा कि एन.डी.ए. सांसदों से प्राप्त शेष 11 नोटिसों पर वे सक्रिय कार्यवाई कर रहे हैं।

धनखड़ ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सहित विपक्षी सांसदों के नाम पढ़े जिनसे नियम 267 के नोटिस प्राप्त हुए हैं। विपक्ष के सांसदों द्वारा वैल में सरकार विरोधी नारे लगाने के बाद उन्होंने सदन को दोपहर तक के लिए स्थगित कर दिया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने भी विपक्षी सांसदों द्वारा मणिपुर पर चर्चा के हल्ले के बीच कार्रवाई दोपहर तक के लिए स्थगित कर दी। सरकार सभी राज्यों में अपराधों पर चर्चा चाहती है, केवल मणिपुर पर नहीं, जबकि विपक्ष केवल मणिपुर पर चाहता है।

राज्यसभा में विपक्ष ने नियम 267 के तहत चर्चा की मांग जारी रखी लेकिन गत कुछ दिनों से संसद में अनुशासन की बात करने वाले धनखड़ ने पहले आप के सांसद का नाम लिया।

सभापति ने सबसे पहले सदन की कार्रवाई में दखल के लिए संजय सिंह का नाम लिया जब विपक्ष के विरोध के बीच प्रश्नकाल लिया गया। विपक्ष मणिपुर हिंसा पर विस्तृत चर्चा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वक्तव्य चाहता है। 51 वर्षीय संजय सिंह विपक्ष की मांगों के लिए अध्यक्ष के आसन के नज़दीक आए। धनखड़ ने उनको अपना स्थान गृहण करने के लिए कहा। जब आप सांसद विरोध करते रहे तो सभापति ने उनका नाम लिया।

सभापति द्वारा संजय सिंह का नाम लेने के बाद सदन के नेता पीयूष गोयल ने एक प्रस्ताव पेश कर आसन से आप सदस्य को निलंबित करने की मांग की।

आसन से संजय सिंह के विरूद्ध कार्रवाई का निवेदन करते हुए गोयल ने कहा, "इस तरह का व्यवहार और सदन में व्यवधान उत्पन्न करना सदन की परम्पराओं और नियमों के विरूद्ध है। सरकार संजय सिंह को निलंबित करने का प्रस्ताव लाना चाहती है।

प्रस्ताव सदन की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत हुआ जिसने इसे स्वीकृति दे दी।

सभापति ने संजय सिंह के निलंबन की घोषणा कर दी। राज्यसभा स्थगित होने तक आप सदस्य विरोध करते रहे।

मु.मंत्री संगमा के कार्यालय पर भीड़ ने हमला किया

शिलॉन्ग, 24 जुलाई। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के कार्यालय पर भीड़ ने सोमवार शाम को हमला कर दिया, जिसमें 5 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। सी.एम. संगमा सुरक्षित हैं। वह अभी भी तुरा में स्थित अपने कार्यालय के अंदर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सैकड़ों लोगों ने उनकी ऑफिस को घेर लिया है। दरअसल, गारो हिल्स स्थित सिविल सोसाइटी ग्रुप तुरा में शीतकालीन राजधानी की मांग कर रहा है। इसे लेकर लोग भूख हड़ताल पर भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्यमंत्री तुरा स्थित कार्यालय में 3 घंटे से अधिक समय तक आंदोलनकारी संगठनों के साथ बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक हजारों की भीड़ ने सी.एम.ओ. के पास आई और पथराव करने लगी। सी.एम.ओ. तुरा की खिड़कियों पर भी पत्थर फेंके गए हैं। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई शुरू की गई। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे गए।

"मिसिंग" विदेश मंत्री और "सीक्रेसी" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा श्रीलंका के वरिष्ठ राजयनिकों से मिले थे।

पिछले सप्ताह, यूरोपियन संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसफ बोरेल के साथ उनकी मीटिंग पूर्व निर्धारित थी लेकिन बीजिंग ने, यह कहते हुये कि चिन उपलब्ध नहीं हैं, बोरेल की यात्रा को एकाएक रद्द कर दिया था।

"एशिया सोसायटी पॉलिसी इन्स्टीट्यूट्स सेन्टर फॉर चाइना ऐनेलेसिस" के सीनियर फैलो फिलिप ली कोर्ट के अनुसार, आगे और कोई स्पष्टीकरण दिये बिना इस यात्रा को रद्द किया जाना यूरोपवासियों के लिये "अगर लज्जाजनक नहीं, तो बहुत अधिक विस्मयकारी" जरूर था।

7 जुलाई को विदेश मंत्रालय से पहली बार यह पूछा गया कि क्या इस यात्रा को रद्द किये जाने के पीछे स्वास्थ्य संबंधी कारण थे, लेकिन उसके प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि उन्होंने "इस विषय में कुछ नहीं सुना" है।

लेकिन इसके सिर्फ चार दिन बाद ही वैंग ने कहा कि क्विन "स्वास्थ्य संबंधी कारणों" के चलते, इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित "एसोसिएशन ऑफ साउथ-ईस्ट एशियन नेशंस" की मीटिंग में शामिल नहीं हो पायेंगे, किन्तु विस्तार से कुछ नहीं बताया गया।

चिन को क्या हुआ इसकी अफवाहें पिछले कुछ सप्ताहों से घरेलू और विदेशी सोशल मीडिया पर फैल रही हैं।

जब सोमवार को चिन के गायब होने के बारे में जोर देकर पूछा गया तो विदेश मंत्रालय की एक अन्य प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि उनके पास कोई जानकारी नहीं है।

लेकिन आश्चर्य की बात है कि क्विन के गायब होने के बारे में प्रश्न और टिप्पणियां मंत्रालय की वेबसाइट से गायब थे।

विदेश मंत्रालय की अधिकृत वेबसाइट पर क्विन का नाम अभी भी विदेश मंत्री के रूप में है।

ली कोरे ने कहा, "किसी अन्य देश के लिए इसे एक गंभीर कूटनीतिक शर्मिंदगी होता, लेकिन चीन में हमेशा राजनीति हावी रहती है। कूटनीति दोयम दर्जे की कार्रवाई है और विदेश मंत्री इतने शक्तिशाली नहीं होते।"

उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी स्पष्टीकरण के लिए तैयारी कर रही है। कोरे ने कहा कि क्विन का विदेश उप मंत्री (प्रोटोकॉल प्रभारी) से लेकर अमेरिका में राजपूत और विदेश मंत्री तक का उत्थान बहुत तेज था। उन्होंने कहा, "वे आपके आम विदेश मंत्री नहीं है। उनके संपर्क ऊपर तक हैं।

लंदन स्थित रॉयल युनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूट में एसोसिएट फैलो सैरी आर्हो हैवरेन ने कहा कि क्विन का मामला प्रत्यक्ष उदाहरण हैं कि व्यवस्था कैसे काम करती है। उन्होंने कहा, "यह खेल कयासबाजी का है। कम्युनिस्ट पार्टी पारदर्शी नहीं है। और आमतौर पर ऐसी स्थिति में सूचना जारी नहीं करती जबकि वे तीन सप्ताह से गायब हैं जो एक लंबी अवधि है। तो हम सिर्फ अनुमान ही लगा सकते हैं।

सिंगापुर में ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी में एसोसिएट प्रोफेसर एल्फ्रेड वु ने कहा कि क्विन की स्थिति स्पष्ट करने या उससे इंकार करने में बीजिंग की असफलता उनके कैरियर और देश की छवि के लिए अशुभ संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि स्थिति अप्रत्यशित नहीं है। उन्होंने उदाहरण दिया जब 2012 में पार्टी के शीर्ष पद पर पहुंचने से पहले शी गायब रहे। उन्होंने कहा, "यह एक और उदाहरण है गोपनीयता के प्रति चीन की सनक था।"

वू ने कहा कि क्विन की अनुपस्थिति और बीजिंग का इस पर रवैया ज्यादा अधिनायकवादी हो रहा है जिससे चीन की एक व्यक्ति पर केन्द्रित राजनीति और अनिश्चित होती जा रही है जिससे विदेशी निवेश सुनिश्चित करना मुश्किल हो रहा है।

पेनसिल्वेनिया की बकनैल युनिवर्सिटी में अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर झिकुन झू ने कहा इस रहस्य से चीन की अपारदर्शी व्यवस्था के नकारात्मक पक्ष को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

संक्षिप्त

साधारण सभा की बैठक 28 को

निवाई, (निसं)। स्थानीय पंचायत समिति में 28 जुलाई को प्रधान रामअवतार लांगडी की अध्यक्षता में साधारण सभा की बैठक आयोजित होगी। विकास अधिकारी रानू इंकिया ने बताया कि 28 जुलाई को सुबह 11 बजे पंचायत समिति के सभागार में साधारण सभा की बैठक आयोजित होगी। जिसमें गत बैठक की कार्यवाही, सम्पूर्ण स्वच्छता योजना, सिंचाई विभाग,विद्युत विभाग, पेयजल विभाग, कृषि उपज मंडी, खाद्य आपूर्ति, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग, समाज कल्याण विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वन विभाग, पशु पालन विभाग संबंधित कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी।

फार्मासिस्ट का इस्तकबाल किया

सांभरझील, (निसं)। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत सरफराजुल्लाह खान का वतन लौटने पर इस्तकबाल किया गया। पिछले दो माह से वे सऊदी अरेबिया में प्रतिनियुक्ति पर गए हुए थे। इस दौरान उन्होंने मक्का, मदीना, मीना में रहकर हाजियों की खिदमत व चिकित्सा सेवा भी उपलब्ध करवाई। वकील शमीम उल हक, नसीम उल हक, हाजी फैजुल्लाह खान, सैफुल्लाह खान अत्ताउल्लाह खान, इमदादुल्लाह खान इकरामुल्लाह खान, शफीकुल्लाह असदुल्लाह खान, नौशादुल्लाह खान, जुल्फिकारूल्लाह खान, शोहरत अली, एजाजुल हक, एहसान उल हक ने उनका माल्यार्पण कर इस्तकबाल किया।

कब्रिस्तान में 50 पौधे लगाए

मनोहरपुर, (निसं)। कस्बे के तोपचिवाडा के कब्रिस्तान में सोमवार को मुस्लिम युवा विकास समिति मनोहरपुर के कार्यकर्ताओं ने समिति के संरक्षक एवं मार्गदर्शक जमील खान चौहान की उपस्तिथि में करीब 50 छायादार पौधे लगाये। इस दौरान युवाओं ने पेड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर सदाम खान, शाहीद खान, असगर खान, सदाम खान, जब्बार खान, फिरोज खान,शाहरुख, नासिर, दिलजान, हमराज, फेसल, मुन्ना माईकल, जुबेर खान,सरफराज खान, साजिद खान,शाहरुख, ईमरान आज़ाद, मोसिम, फजरु व सरफराज खान सहित कई युवा मौजूद थे।

सुकन्या ने कांस्य पदक जीता

खैरथल, (निसं)। नेशनल लेवल तायक्वांडो फाइनल चैंपियनशिप प्रतियोगिता में खैरथल निवासी सुकन्या कुमारी ने कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उक्त राष्ट्रीय स्तरीय तायक्वान्डों प्रतियोगिता चैंपियन ऑफ चैंपियन - 2023 का आयोजन इंडिया तायक्वान्डो फैडरेशन की ओर से महाराष्ट्र के नासिक में 19 जुलाई से 22 जुलाई तक किया गया। इससे पूर्व में राज्य स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी चयनित हुए थे। खैरथल के मातोर रोड़ श्याम नगर की रहने वाली सुकन्या कुमारी ने जूनियर कैटिगिरी में इस प्रतियोगिता मे भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाते हुए कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान के तहत भाजपाइयों ने नगर परिषद पर प्रदर्शन किया

शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली नगर परिषद परिक्षेत्र में व्याप्त गंदगी, भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी व अन्य मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी कोटपूतली के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान के अन्तर्गत नगर परिषद कार्यालय परिसर पर प्रदर्शन किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण स्थानीय राठौड़ पार्क में एकत्र होकर नगर परिषद कोटपूतली के विभिन्न भ्रष्टाचारी कार्यो के विरूद्ध राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन विषेशाधिकारी कोटपूतली को सौंपने के लिए पहुंचे। जहां पहले से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था, जिन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं पर निर्दयता का व्यवहार करते हुए सभी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर पनियाला थाना भेजा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने हाथों में नारे लिखी तख्तियां ले रखी थी जिनमें बदहाल सफाई व्यवस्था, लगभग 8 करोड़ रूपये सालाना सफाई व्यवस्था में खर्च होने बावजूद शहरवासियों का गंदगी में रहना, कोटपूतली शहर कूड़े के ढेर में तब्दील होना, सफाई के टेण्डरों में भ्रष्टाचार, नगर परिषद क्षेत्र में रोड़ लाईटों की स्थिति, ईटली जोहड़ में पानी निकासी के नाम पर नगर परिषद में कई बार मोटी राशि स्वीकृत व कथित रूप से खर्च हो जाने के बावजूद भी ईटली जोहड़ में पानी की निकासी नही होना, नालों की सफाई के नाम पर लाखों रूपये खर्च करने के बाद नाले गंदगी से ज्यो के त्यों अटे पड़े रहना, शहर में मास्टर प्लान के नाम पर गलत तरीके से तोडें गये मकानों व दुकानों के कारण होने वाली अव्यवस्था, नगर परिषद में हो रहे टैंडरों में भारी अनियमितताओं की जाँच करवाना जैसे नारे लिखे हुए थे। कार्यकर्ता शहर की इन प्रमुख समस्याओं के समाधान व नगर परिषद के भ्रष्टाचार व कमीशनखोरी की जाँच करवाने का एक ज्ञापन लेकर नगर परिषद स्थित विषेशाधिकारी कार्यालय पहुँचे थे जहाँ प्रशासन ने उनकी बात सुने बिना ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

कोटपुतली में प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी।

गिरफ्तारी देने वालों में जिला महामंत्री सुरेन्द्र चौधरी, बूथ अभियान के विधानसभा प्रभारी एडवोकेट बजरंग लाल शर्मा, ओबीसी मोर्चा प्रदेष उपाध्यक्ष हीरालाल रावत, ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अशोक रावत, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पूरण मल सैनी, नगर मण्डल अध्यक्ष गोपाल मोरीजावाला, उत्तर मण्डल अध्यक्ष रमेश रावत, भाजयुमो नगर मण्डल अध्यक्ष रमन सैनी, नेता प्रतिपक्ष प्रमोद गुरूजी, पूर्व चेयरमैन महेन्द्र सैनी, भाजयुमो पशिचम मंडल अध्यक्ष राजेश सराधना, पार्षद प्रतिनिधि मुखिया पायला, भाजपा नेता धूड़ सिंह, यादराम जांगल, भाजयूमो नगर मण्डल महामंत्री दयाराम प्रजापत, पूर्व जिला पार्षद प्रविन्द्र आर्य, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, महेन्द्र गुर्जर, जे.पी कोटिया, जयराम गुर्जर, कमल कसाना, विक्रम शर्मा, सीताराम बंसल, महेष सैनी, कृष्ण स्वामी, पूरण मल यादव रहे।

भाजपा जिला महामंत्री सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि सोमवार को कोटपूतली नगर परिषद कार्यालय घेराव के बाद भाजपा राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, अपरान्ह 03.00 बजें नगर पालिका तिराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा एफआईआर कैम्प लगाया गया जिसमें पीड़ित आमजन जिनकी प्रशासन द्वारा सुनवाई नहीं की जा रही उनकी सुनवाई हेतु एफआईआर संग्रहित की गई। उसके बाद सांय 6 बजे ग्राम पनियाला में नही सहेगा राजस्थान अभियान के तहत ग्राम चौपाल एवं जन सम्पर्क कार्यक्रम के अन्तर्गत भाजपा राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का गुर्जर ने आमजन से रूबरू होते हुए सघन जन सम्पर्क किया। जहॉ लोगों ने प्रशासन के खिलाफ अपनी पीड़ा विस्तार से कही।

डिग्गी नायब तहसीलदार के विरूद्ध मामला दर्ज

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी कस्बे की चरागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाये जाने के मामले में न्यायालय में दर्ज याचिका पर याचिका कर्ता को मौके पर बुला जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने व गाली-गलौच किये जाने के आरोप लगाते हुए याचिकाकर्ता ने डिग्गी नायब तहसीलदार के विरूद्ध नामजद मामला कराया दर्ज। थानाधिकारी अय्यूब खान ने बताया कि डिग्गी निवासी याचिकाकर्ता रामनारायण मीणा की ओर से दी रिपोर्ट में बताया कि 21 जुलाई को डिग्गी नायब तहसीलदार कैलाश मीणा ने याचिकाकर्ता रामनारायण मीणा को चरागाह से अतिक्रमण हटाये जाने को लेकर चावण्डिया रोड पर बन्नालाल माली के खेत पर जरिए दूरभाष से सूचना देकर बुलाया गया। प्रार्थी जब मौके पर पहुंचा तो नायब तहसीलदार मौके पर ना होकर अतिक्रमण हटाने वाली टीम में शामिल हरजी माली, जीतराम माली, गुड्डू माली, अर्जून सहित अन्य ने याचिका कर्ता के साथ धक्का मुक्की कर जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। साथ ही जमकर गाली-गलोच भी की। थानाधिकारी ने बताया कि प्रार्थी की और से दी रिपोर्ट पर एससी-एसटी एक्ट मे मामला दर्ज कर जांच डीवाईएसपी पीपलू इंदु लोदी को सौंपी गई है।

दूसरी ओर नायब तहसीलदार कैलाश मीणा ने बताया कि रामनारायण मीणा द्वारा बताई गई घटना की उन्हें कोई जानकारी नहीं है और ना ही वो मौके पर मौजूद थे। बताई गई घटना के समय वो वीसी में गये हुऐ थे। यह मामला प्रार्थी का निजी मामला हो सकता है।

भोलेनाथ की महाआरती

खैरथल, (निसं)। स्थानीय नगरपालिका के स्वर्ग आश्रम पर शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ की महा आरती का आयोजन पंडित पंकज जी शास्त्री के सानिध्य में किया गया। सैकड़ों भक्तों ने बाबा भोलेनाथ के अलौकिक श्रृंगार के दर्शन का लाभ प्राप्त कर आरती में सम्मिलित हो भगवान शिव शंकर का आशीर्वाद लिया।

विधायक रामलाल शर्मा ने सड़कों का शिलान्यास किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। पंचायत समिति गोविन्दगढ़ परिसर में विधायक रामलाल शर्मा और पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव ने सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 125.15 लाख की लागत से बनने वाली दो मुख्य सड़कों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

शिलान्यास समारोह में उपस्थित अतिथियों का ग्रामवासियों द्वारा माला एवं साफ़ा पहनाकर स्वागत किया गया। हाल ही में विधायक रामलाल शर्मा के प्रयासों से सावित्रि द्वारा पुराना एनएच गोविन्दगढ़ पंचायत समिति के सामने सीसी सड़क निर्माण कार्य 800 मीटर लंबाई की सड़क के लिए 98 लाख और गोविन्दगढ़ पुलिया से लेकर धोबलाई सड़क की ओर सड़क निर्माण कार्य 300 मीटर लंबाई की सड़क के लिए 27.15 लाख रुपये की स्वीकृत किए गए थे।

विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि गोविन्दगढ़ से होकर गुजरने वाली ये दोनों ही सड़के महत्वपूर्ण है, इन सड़को के निर्माण कार्य के लिये मुझे गोविन्दगढ़ में जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान यहां के स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा प्रमुखता से पूरा करवाने के लिए मांग रखी थी। मेरा प्रयास एक जनप्रतिनिधि के तोर पर सदैव आमजन की समस्याओं को दूर कर उनको समय पर पुरा करना होता है। पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव ने ग्रामवासियों की ओर विधायक रामलाल शर्मा का आभार जताया। इस मौके पर धोबलाई सरपंच रमेश शर्मा, अनन्तपुरा सरपंच बद्री प्रसाद, पूर्व सरपंच गोपाल डेनवाल, पंचायत समिति सदस्य ज्योति कुमावत, लालचन्द यादव, संजय यादव, सुरेश शर्मा, राजेश बुनकर, बंटी जाँगीड सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विधायक रामलाल शर्मा (बाएं से पांचवें) ने 125.15 लाख की लागत से बनने वाली सड़कों का शिलान्यास किया।

जनता जानना चाहती है लाल डायरी का सच: चतुर्वेदी

जयपुर, (निसं)। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि, वे प्रदेश की जनता को लाल डायरी का सत्य बताएं। उन्होंने कहा कि जनता को सत्य जानने का अधिकार है।

गहलोत सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र गुढ़ा ने जिस प्रकार का बयान जारी कर लाल डायरी गायब कर गहलोत सरकार को बचाने की बात कही है वह कांग्रेस सरकार की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह खड़े कर रही है, इसलिए मुख्यमंत्री को इस मामले पर राज्य की जनता को स्पष्टीकरण देना चाहिए। साथ ही डॉ. चतुर्वेदी ने केन्द्रीय व राज्य स्तरीय समस्त जांच एजेंसियों से भी मांग की है की सरकार में शामिल कोई मंत्री भ्रष्ट आचरण से सरकार को बचाने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर रहा है तो जांच एजेंसियों को चाहिए कि वह तत्काल गुढ़ा को तलब कर लाल डायरी के संदर्भ में बयान दर्ज करें, ताकि जनता सच को जान सके। भाजपा नेता चतुर्वेदी ने कहा, राज्य की कांग्रेस सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है। या तो मुख्यमंत्री नैतिकता के नाम पर स्वयं त्याग पत्र दें या फिर कांग्रेस हाईकमान जनता को विश्वास में लेने के लिए स्वयं ही मुख्यमंत्री से त्याग पत्र मांगे। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा है कि, गहलोत सरकार को बचाने वाले बसपा से कांग्रेस में आकर मंत्री पद पाने वाले राजेंद्र गुढ़ा ने कहा है कि मुख्यमंत्री ने उनसे कहा था कि लाल डायरी लेकर आओ और उन्होंने भारी सुरक्षा के बीच लाल डायरी लाकर सबूत नष्ट करने की बात कहकर स्वयं ही अपराध में शामिल होना भी स्वीकारा है इसलिए यह मामला उच्च स्तरीय जांच की श्रेणी में आता है।

सड़क किनारे दीवार से टकराई कार में आग लगी

मंडावरी/लालसोट, (निसं)। मंडावरी थाना क्षेत्र के खानपुर ग्राम के पास रविवार देर रात एक कार दीवार से टकरा गई जिससे कार आग के शोले में तब्दील हो गई।

चालक द्वारा किसी तकनीकी खामी के कारण कार से काबू खो देने के बाद कार तेज गति में सड़क के किनारे दीवार से जा टकराई एवं दीवार के ऊपर चढ़ गई।

इस सड़क हादसे में कार का टूलबॉक्स टूट गया एवं घर्षण से उसमें आग लगने से पूरी कार आग की चपेट में आ गई। वहीं कार में सवार करीब तीन-चार सवारियों द्वारा बमुश्किल गाड़ी से निकलकर खुद की जान बचाई गई।

सूचना पर मौके पर पहुंची लालसोट नगर पालिका की दमकल द्वारा आग के शोले में तब्दील कार को पानी की बौछार से भुजाया गया। लेकिन कार का फ्यूल टैंक फट जाने के चलते हैं उसमें सिर्फ रहा क्यूल ज्यादा आग लगने का कारण बनने के चलते सुरक्षा को ध्यान में रख दमकल पर मौजूद फायर कर्मियों द्वारा फॉर्म केमिकल आदि की बौछार कर कार में लगी आग पर काबू पाया गया।

विधायक के जन्मदिन पर आज कई कार्यक्रम होंगे

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर के 40 वें जन्मदिवस को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

विधायक इंद्राज गुर्जर के निजी मीडिया सहायक मनोज अग्रवाल व अजय सैनी ने बताया कि मंगलवार को पावटा स्थित राज आंगन गार्डन में विधायक इंद्राज गुर्जर का जन्मदिन बड़ी ही धूमधाम से मनाया जायेगा। तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा जगह जगह स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर व स्नेह मिलन समारोह सहित मनीषा सैनी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष महादेव यादव, सरपंच संघ जिलाध्यक्ष मेहरसिंह धनकड, मनोज अग्रवाल, अजय सैनी, शिभू हाडिया, राजेश यादव, लालचन्द यादव, दशरथ यादव, कुन्दन स्वामी, आनन्द जांगिड, मनोज सोनी, राजेन्द्र धनकड, रामकरण यादव, अमित गजराज, दीपक धानका, श्रीराम जाट, वेदप्रकाश बाकोलिया, राजीव डहरवाल, राजकुमार धानका, महेश बैराठी सहित कांग्रेस पदाधिकारियो व कार्यकर्ताओ ने ज्यादा से ज्यादा संख्या में रक्तदान करने की अपील की।

फूलों की वर्षा के साथ कस्बे से निकली कावड़ यात्रा

चाकसू, (निसं)। श्री नीलकंठ मंदिर सेवा समिति एवं श्री नीलकंठ नवयुवक मंडल चाकसू के तत्वावधान में सोमवार को कस्बे से मुख्य बाजार होते हुए नीलकंठ महादेव एवं हनुमान मंदिर तक पुष्प वर्षा, डीजे की धुन, आकर्षक झांकी के साथ अष्टम कावड़ यात्रा निकाली गई।

आपको बता दें लगभग चार पांच साल बाद कावड़ यात्रा गणेश पुरी धाम के महंत राजेंद्र पुरी महाराज एवं समाजसेवी मयंक बैरवा के नेतृत्व में मुख्य बाजार होते हुए निकाली। इस बीच कावड़ यात्रा में डीजे बजाने एवं यात्रा के मार्ग को लेकर पुलिस प्रशासन से हल्की नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी हुई। जिसके बाद सहमति से भव्य कावड़ यात्रा बाजार से निकाली गई।

- यात्रा के मार्ग को लेकर पुलिस प्रशासन से हुई हल्की नोंक-झोंक

थानाधिकारी भूरी सिंह ने बताया कि कस्बे के मुख्य बाजार से कावड़ यात्रा निकालने को लेकर कावड़ियों ने प्रशासन से स्वीकृती जारी नहीं करवाई थी एवं प्रशासन के द्वारा कावड़ यात्रा में डीजे बजाने को लेकर प्रतिबंध है। सुरक्षा की दृष्टि से कावड़ यात्रा को मुख्य बाजार से ना होते हुए अन्य रास्तों से होते हुए नीलकंठ महादेव मंदिर तक ले जाने के लिए कहा गया था फिर श्रद्धालुओं की भावनाओं को देखते हुए पुलिस सुरक्षा में कस्बे के मुख्य बाजार होते हुए कावड़ यात्रा निकाली गई।

यात्रा में समाजसेवी मयंक बैरवा की ओर से जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया जिससे पूरा वातावरण शिवमय हो गया और यात्रा महादेव मंदिर पहुंचने के पश्चात सहस्त्र घाट, महाआरती, क्षेत्र की खुशहाली की कामना एवं प्रसाद वितरण के साथ संपन्न कराई गई । मंदिर समिति सदस्य भागचंद सैनी चेतन सैनी राजू मोहन राम बाबू कुमावत मुकेश गुर्जर बाबूलाल यादव विशाल सैनी ने बताया कि अष्टम पदयात्रा के लिए कावड़ियों का दल 23 जुलाई को गलता पीठ से रवाना हुआ था जो 24 जुलाई को चाकसू स्थित महादेव मंदिर पहुंचा है।

श्री नीलकंठ मंदिर सेवा समिति एवं श्री नीलकंठ नवयुवक मंडल द्वारा अष्टम कावड़ यात्रा निकाली गई।

मांगों को लेकर रैली निकाली

श्रीमाधोपुर, (निसं)। भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम चौधरी के नेतृत्व में रैली के रूप में पहुंचकर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी व उपखंड अधिकारी कार्यालय का घेराव किया।

टीम श्याम चौधरी ने बताया कि प्रात: 11 बजे रेलवे स्टेशन पर एकत्रित होकर रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए अस्पताल चौराहा, खटोड़ा बाजार, मस्जिद होते हुए सुरानी बाजार, चौपड़ बाजार, रींगस बाजार होते हुए उपखंड कार्यालय व नगरपालिका कार्यालय के समक्ष पहुंचकर प्रदर्शन कर घेराव किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम का ज्ञापन उपखंड कार्यालय में तहसीलदार लोकेंद्र सिंह मीणा को सौंपा।

ज्ञापन में विधानसभा क्षेत्र श्रीमाधोपुर की मुख्य सड़कों का नवीनीकरण, श्रीमाधोपुर नगर पालिका में पार्क में बनवाने, प्रस्तावित स्टेडियम का संचालन कराने, नगर पालिका में कथित भ्रष्टाचार की जांच कराने व ग्राम पृथ्वीपुरा अंडर पास व हांसपुर के बीच रेलवे लाइन के पास बने पोलादास बालाजी के मंदिर के बीच अंडर पास बनवाने आदि मांगे शामिल थी। इस मौके पर श्याम चौधरी के साथ रैली में सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सार-समाचार

हरा-भरा राजस्थान के तहत पौधारोपण

लालसोट, (निसं)। मानव सेवा संस्थान द्वारा हरा-भरा राजस्थान कार्यक्रम व वृक्षारोपण अभियान के तहत आदर्श विद्या मंदिर परिसर श्यामपुरा रोड लालसोट में पौधारोपण कर ट्री गार्ड लगाए व उनमें नियमित पानी देने व सुरक्षा करने का संकल्प दिलवाया। इस दौरान पहल मानव सेवा संस्थान से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा प्रति व्यक्ति एक पौधा लगाने एवं उसके देखभाल करने के साथ पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कृषि उपज मंडी समिति मंडावरी की सचिव ममता गुप्ता ने इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान कहा कि मौजूदा समय में पर्यावरण का प्रदूषित हो चुका है एवं वायुमंडल को बचाने के लिए एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण जरूरी है। विकास सैनी जय मॉ ज्वाला प्रॉपर्टीज ओमप्रकाश शर्मा विनायक डेंटल हॉस्पिटल लालसोट का आर्थिक सहयोग रहा। इस अवसर पर आदर्श विद्या मन्दिर प्रधानाध्यापक हंसराज शर्मा पहल संयोजक सुनील गुप्ता, सचिव सुरेंद्र जांगिड़,अंकुश आमेरिया,अनुराग प्रिय शर्मा बदराम मीना प्रेमराज चौधरी श्याम सुंदर सैनी दीपक जांगिड़ भुवनेश शर्मा, मंगलराम, निरंजन, दीपक,निखिल गुप्ता,जगदीश जायसवाल,मनीष चोरुवाला,रितेश तिवाडी, प्रकाश सैनी, प्रदीप सोनी व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कावड़ियों का स्वागत किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे के निकट ग्राम खेलगांव डेरावाली में हरिद्वार से कावड़ लेकर शिव भक्तों का श्रीमाधोपुर गांव डेरावाली पहुंचने पर भव्य स्वागत किया। ग्राम के प्रहलाद बगड़िया व मुरलीधर मंगवा ने बताया कि श्रावण मास के पुरुषोत्तम मास में डेरावाली कल्याणपुरा के शिव भक्तों ने हरिद्वार से कावड़ लाकर भोले का अभिषेक किया।14 दिन से आए शिव भक्त बाबूलाल बगड़िया, रामसाय सामोता, श्रवण रोलानियां ,राकेश सामोता, पवन नटवाड़िया आदि का माला पहनाकर स्वागत किया। मंगवा व बगड़िया ने बताया कि हरिद्वार से ग्राम डेहरावाली ग्राम पंचायत के पास रुके जहां से डीजे के साथ नाचते गाते हुए ग्राम डेरावाली शिव मंदिर पहुंचे जहां पर शिव भक्तों ने शिव का जलाभिषेक कर शिव भोले से मनोकामना की। शिव भक्तों ने कावड़ लेकर पहुंचे कावडियो और अनेक लोगों ने डीजे ढोल के साथ नाचते गाते हुए गांव के शिव मंदिर प्रांगण पर पहुंचाया। गांव पहुंचते ही सरपंच प्रतिनिधि रामदेव रोलानियां, रामवतार सामोता, सीताराम सामोता, शिवपाल रोलानिया, रामचंद्र रोलानिया, सूरजभान सामोता, पूरणमल सामोता, गोपाल रोलानिया, किशोर सामोता, बोदूराम गोदारा, मुरलीधर सामोता, समेत ग्राम वासियों ने भव्य स्वागत किया। हरिद्वार से लाई कावड़ से सोमवार को भोलेनाथ का अभिषेक किया।

5 दिन से पानी का संकट

अलवर, (निसं)। शहर में पुलिस लाइन भैरू का चबूतरा बागर का बास में 5 दिन से पानी का संकट बना हुआ है। ट्यूबवेल में पानी है लेकिन जलदाय विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के चलते इस वार्ड के लोगों को पानी के संकट से गुजर ना पड रहा है। वहीं भगवान भोले के श्रावण के तीसरे सोमवार को उधारी के पानी से महिलाओं ने और श्रद्धालुओं ने पानी मांग कर स्नान किया। उसके बाद में पूजा अर्चना की व्यवस्था की। लेकिन जलदाय विभाग के अधिकारी और कर्मचारी इतने लापरवाह बने हुए हैं, कि वह इस क्षेत्र के लोगों के फोन तक नहीं उठा रहे। पुलिस लाइन के समीप मुख्य सडक के पास ट्यूबेल में बार-बार केबल फाल्ट हो जाती है ।महीने में 4 बार यह स्थिति बनती है। लेकिन यहां के कनिष्ठ अभियंता की लापरवाही के चलते लोगों को परेशानी का सामना उठाना पड रहा है। आखिर उसके द्वारा फोन नहीं उठाने पर इस क्षेत्र के लोगों ने, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट पुखराज सेन अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट उत्तम सिंह शेखावत सिटी मजिस्ट्रेट नवीन यादव के अलावा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली को अवगत कराते हुए मौके की स्थिति की फोटो भेज कर आवश्यक कार्यवाही की मांग की। स्थानीय लोगों ने बताया 200 फीट मोटर की केबल में 1 दर्जन से अधिक जॉइंट है।

खेल मैदान से अतिक्रमण हटाने की मांग

टोंक, (निसं)। भीम सेना जिलाध्यक्ष अशोक बैरवा ने जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल को ज्ञापन सौंप कर बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रीण्डलीया बुजुर्ग को आंवटित खेल मैदान पर कुछ प्रभावशील लोगों द्वारा अतिक्रमण कर स्कूल प्रबन्धन को सौंपी गई जमीन को नुकसान पहुंचाया गया है। इस सम्बन्ध में कई बार तहसीलदार स्तर पर भी शिकायतें दर्ज की गई हैं। ज्ञापन में आग्रह किया गया है कि राज्य सरकार के घोषित ग्रामीण ओम्पपिक टूर्नामेन्ट इसी भूमि पर करवाये जायें, साथ ही प्रशासन मालपुरा को निर्देशित किया जाये कि आंवटित भूमि की पुन: पैमाइश कर चार दिवारी का निर्माण हेतु बजट भी स्वीकृत किया जाये ताकि अतिक्रमणकारी लोगों से भूमि को बचाया जाये। ज्ञापन देने के दौरान अशोक बैरवा, भीम सैना जिला अध्यक्ष, सांवर लाल गुर्जर, सुखलाल गुर्जर, मीरबक्ष, सीताराम बैरवा, भँवर लाल कुमावत, किशन प्रजापत, राजेश, राकेश, रामेश्वर, राहूल, रमेश, राजेन्द्र व समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा

निवाई, (निसं)। बाईपास पर स्थित मीणा छात्रावास में सोमवार को मीणा समाज निवाई की बैठक अध्यक्ष मुरलीधर मीणा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें मणिपुर में आदिवासियों महिलाओं पर पिछले कुछ दिनों से हो रहे अमानवीय अत्याचारों की तुरंत रोकथाम की मांग को लेकर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को ईमेल के माध्यम से ज्ञापन भेजकर इस तरह की घटनाओं पर तुरंत रोकथाम की मांग की। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष श्योलाल मीणा, राधाकिशन मीणा, किशन फौजी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य राजाराम मीणा, बुद्धराम मीणा, बद्री डाक्टर, सीताराम मीणा, कजोड थुणी, रामसहाय किवाडा, लालचंद मीणा, बुद्धि नारेडा, मोतीलाल मीणा, रमेश करेडा, एडवोकेट मेघराज मीणा, शंकर पलेई सहित कई लोग मौजूद थे।

तिलक की जयंती पर पौधारोपण किया

फुलेरा, (निसं)। ग्राम पंचायत काचरोदा के राजस्व ग्राम श्याम नगर, ढाणी नागान में संचालित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जयंती के अवसर पर विद्यालय परिसर में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजन किया गया। साथ ही उसके सार संभाल की जिम्मेदारी भी ली गई। कार्यक्रम प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि हरित विद्यालय के अंतर्गत इको क्लब के पांच सदन वायु, अग्नि, जल, आकाश और पृथ्वी सभी विभिन्न सदनों ने पौधारोपण किया। और इनके संरक्षण की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक रतन लाल जैन ने कहा कि पौधा रोपण पर्यावरण संरक्षण की नींव है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाध्यापक रतन लाल जैन, सुनील कुमावत, करुणा सांखला, विद्या देवी, श्वेता शर्मा, मीरा सैनी सहित वार्ड पंच हेमराज कुमावत, कमला मैसी, संतोष सैन, सीता चौधरी के साथ कई अभिभावक एवं विद्यालय स्टाफ और छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

चरागाह में चर रही गाय पर हमला

चाकसू, (निसं)। कोटखावदा थाना क्षेत्र के बिलासपुर गांव में रविवार की शाम को चरागाह भूमि पर चर रही दुधारू गाय पर एक व्यक्ति ने जानलेवा हमला कर दिया जिससे गाय गम्भीर रूप से घायल हो गयी। वहीं गाय के मालिक ने सोमवार को कोटखावदा थाने में हमलावर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार की शाम को बिलासपुर गांव में चरागाह भूमि पर गाय चर रही थी जिस पर गांव के अवधेश जाट ने प्राणघातक हमला कर दिया जिससे गाय के दोनों सींग टूट गए वहीं गाय के मालिक पवन जांगिड़ ने हमलावर अवधेश जाट के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

बेटों ने मां की आंखें दान की

सांभरझील, (निसं)। यहां की रहने वाली सोनी देवी पत्नी प्रभात ऑलोरिया की मौत होने पर उसके बेटों ने आई आई बैंक सोसाइटी आफ राजस्थान को उसकी आंखें दान की है। विगत 16 जुलाई को निकटवर्ती ग्राम रिणगी में अज्ञात वाहन के दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी, इलाज के दौरान सवाई मानसिंह चिकित्सालय में 22 तारीख को उसका निधन हो गया था। जिसके बाद मृतका के पुत्र नेमीचंद , हीरालाल, ग्यारसीलाल, मंगल ने अपनी मां की आंखें दान की।

MARUTI SUZUKI ARENA
अमृत उत्सव
इस बेहतरीन अवसर का फ़ायदा उठाएं! जल्दी करें!
ज़ीरो रजिस्ट्रेशन खर्च^
ज़ीरो डाउन पेमेंट^
अविश्वसनीय कीमतें
ALTO K10
₹5 09 999*
VXI
S-PRESSO
₹5 59 999*
VXI+
₹6 49 999*
VXI CNG
CELERIO
₹5 99 999*
VXI
₹7 09 999*
VXI CNG
ALTO K10 S-PRESSO CELERIO
E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in
MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES: 9785644715. JHUNJHUNU: AURIC MOTORS: 8955664400. CHURU: TRS CHURU: 9356501550. KOTA: BHATIA & COMPANY: CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: 7230006839, 9829818018, 9784598109, 9829099081, 9829045729, 9829187004. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: 9001997116, 9001997113, 9587898054. SUWALKA MOTORS PVT. LTD.: KUNHARI: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: 9116178527. BHAWANIMANDI: 9116178557. KHANPUR: 07430-299240, 8306333715. JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED: SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 6377715171. AHORE: 9015900500. SAYLA: 9015900500. SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.: PRATAP NAGAR: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: 9928841300, 9116150669, 9929244402. L.M.J. SERVICES LTD: A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. NAGAUR: MANGALAM MOTORS: 9116008626, 9116008630. PALI: L.M.J. SERVICES LTD.: 02932 - 256177, 8094011136. SIROHI: NAVNEET MOTORS: 02972-222917-18, 7665010638. UDAIPUR: NAVNEET MOTORS: MADRI: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: 0294-2415142, 7230046381. TECHNOY MOTORS: GOVARDHAN VILLAS: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. BANSWARA: NAVNEET MOTORS: 9414159145, 7665010632, 7412074100. BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. CHAMPION CARS: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. BHARATPUR: TM MOTORS: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117. JAIPUR CITY: SANGA AUTONATION: 9057809150, 7734901000. PREM MOTORS PVT. LTD: CORPORATE PARK, GOPAL BARI, AJMER ROAD: 4511111, 9785034000. JAIPUR-VKI, ROAD NO.8: 4411111, 9785023000. AURIC MOTORS PVT LTD.: MANSAROVAR: 8929207471. KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.: VAISHALI MARG, VAISHALI NAGAR: 9209056789. VIPUL MOTORS PVT. LTD.: TONK ROAD: 2727000, 7340045958. AJMER ROAD: 4065555, 9660000363. K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.: ADARSH NAGAR: 4074444, 9549650361. BANIPARK: 4072222, 2201365, 8698003009. SATNAM MOTOCORP PVT. LTD.: MALVIYA NAGAR: 2523400, 8302890000. JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.: DAUSA: 9773364861. LALSOT: 9773364863. BANDIKUI: 9773364864. MAHWA: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: 9773364865. UNIARA: 7742944482. KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.: PHULERA: 7412077062. SAMBHAR: 7412068410. ACHROL: 7412077078. FORTUNE CARS: KARAULI: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: 9214794314 / 8875007758. PREM MOTORS PVT. LTD.: BASSI: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: 8058794021. BAGRU: 8058401166. KOTPUTLI: 8058794121. JOBNER: 8058796065. RENWAL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: 8058794042. DUDU: 8058406655. PHAGI: 8058403338. KANOTA: 8058794167. TUNGA: 8058794137. K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.: TONK: 9549651924. CHAKSU: 9549651926. SHAHPURA: 8696925275. DEOLI: 8696934957. MALPURA: 9549650513. NIWAI: 9667777114. PAOTA: 9549650495. VIRATNAGAR: 6350612446. JAMWA RAMGARH: 6350612727 AJMER: RELAN MOTORS: 0145-2610106, 9214444222. AJMER AUTO: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. ALWAR: MG MOTORS: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. BIKANER: DUDI AUTOMOBILES: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: 7412075151. AURIC MOTORS: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS: 8955559963. DUDI AUTOMOBILES: PADAMPUR: 7412075151. SIKAR: JAMU AUTOMOBILES: (01572) 245515 / 246219.
*Applicable Terms and conditions available at Maruti Suzuki Arena authorized dealer. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 31st July 2023 or till stocks last. Offers applicable on selected models and selected cities. Car models and accessories shown may vary from the actual product. Images used are for illustration purpose only. Offers shown above include Consumer Offer and Exchange Bonus. Prices mentioned are tentative and might vary basis applicable offers and registration cost. ^All loans and schemes are at the sole discretion of the Finance Partner.